रांची, बुधवार
25.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 25 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति ने देशवासियों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने क्रिसमस के अवसर पर देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां शुभकामना संदेश में कहा , क्रिसमस के शुभ अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेषकर ईसाई भाईयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव पर मनाया जाने वाला क्रिसमस का त्योहार प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। यह उत्सव लोगों को एकता और शांति से रहने की प्रेरणा देता है। विश्व कल्याण और बंधुत्व का उनका संदेश सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। यह पर्व मानवता के कल्याण के लिए दिए गए उनके बलिदान को भी याद करने का अवसर है।

कांग्रेस ने दिल्ली विस चुनाव के लिए 26 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की

नई दिल्ली : कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 26 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट आज जारी की। पार्टी ने 12 दिसंबर को 21 उम्मीदवारों के नाम की पहली सूची जारी की थी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने जंगपुरा से फरहाद सूरी को, सीमापुरी से राजेश लिलोठिया, उत्तम नगर से मुकेश शर्मा, मटिया महल से असीम अहमद खान, बाबरपुर से हाजी मोहम्मद इसराक खान और बिजवासन से देवेंद्र सहरावत को चुनाव मैदान में उतारा है।

राहुल का महंगाई को लेकर सरकार पर कड़ा हमला

नई दिल्ली : लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जरूरी वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों को लेकर मंगलवार को सरकार पर कड़ा हमला किया और कहा कि मोदी सरकार की नीति आम जनता विरोधी है इसलिए महंगाई रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाए जा रहे है। श्री गांधी ने कहा कि महंगाई के कारण आम आदमी का बजट गड़बड़ा गया है और जरुरी वस्तुओं के दाम सामान्य आदमी की पहुंच से बाहर हो गये हैं। सरकार कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल नहीं कर रही है और वह आसमान छूती महंगाई को नियंत्रित करने में विफल हो रही है।

कैबिनेट : नववर्ष और क्रिसमस पर हेमंत सोरेन ने सरकारी नौकरी करने वालों को दिया बड़ा तोहफा

सरकारी कर्मियों व पेंशनधारियों का तीन फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता

बिभा संवाददाता

रांची। नववर्ष और क्रिसमस के पर्व में झारखंड सरकार की कैबिनेट ने राज्य में सरकारी नौकरी करने वालों को बड़ा तोहफा दिया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया है।

सरकार ने तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का फैसला लिया है। इसका लाभ सभी सातवां वेतन आयोग प्राप्त करनेवाले कर्मियों को मिलेगा। इनके अलावा पेंशनधारी और पारिवारिक पेंशनधारियों को भी बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता का लाभ दिया जाएगा। बढ़ा डीए एक जुलाई 2024 की तिथि से लागू किया गया है। उन्हें करीब पांच से छह महीना का बकाया भुगतान भी किया जाएगा। पहले डीए 50 प्रतिशत मिलता था अब 53 प्रतिशत मिलेगा। बैठक के बाद अपर सचिव कैबिनेट राजीव रंजन ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में कुल 10 प्रस्ताव पास किये गये।

उन्होंने बताया कि भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का झारखण्ड में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर निष्पादन लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को झारखण्ड विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में की स्वीकृति दी गई।

इसके अलावा भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकारों के कल्याण पर प्रतिवेदन को झारखण्ड विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थापन की मंजूरी दी गई। साथ ही षष्ठम झारखण्ड विधान सभा का प्रथम सत्र में राज्यपाल द्वारा दिये गये अभिभाषण पर मंत्रिपरिषद की घटनोत्तर स्वीकृति दी गई।

इसीप्रकार प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रोजेक्ट प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड (पीएबी) की प्रथम बैठक में अवयव मल्टी दिससिप्लिनरी एजुकेशन एंड रिसर्च यूनिवर्सिटीज (एमईआरयू) के अंतर्गत स्वीकृत योजना विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के लिए 99,56,10,604 रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दी गई।

झारखंड उच्च न्यायालय में दर्ज याचिका में पारित आदेश के अनुपालन में वादी डॉ० तुलसी महतो, तत्कालीन प्राध्यापक, एफ.एम.टी. विभाग, रिम्स, राँची सम्प्रति सेवानिवृत को भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति प्रदान करने की स्वीकृति दी गई।

इसीप्रकार झारखंड उच्च न्यायालय, रांचची में दायर निशान्त अभिषेक एवं अन्य बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य में न्यायालय की ओर से तीन जुलाई को पारित आदेश से उद्धूत अवमाननावाद में न्यायालय के जरिये 29नवंबर को पारित आदेश के आलोक में वादीगणों / वर्ष 2017 में नियुक्त/कार्यरत सहायक खनन पदाधिकारियों को देय तिथि से सेवा संपुष्टि एवं वेतनवृद्धि अनुमान्य किये जाने के लिए एकबारीय व्यवस्था के तहत सेवा नियमावली में प्रावधानित विभागीय परीक्षा में उत्तीर्णता के आवश्यक शर्त/अर्हता में छूट प्रदान करने के निमित्त अधिसूचित झारखंड खनन अभियंत्रण सेवा नियमावली के सम्बन्धित प्रावधान को, झारखण्ड उच्च न्यायालय में 21 अक्टूबर 2024 को दायर एलपीए के आदेश के फलाफल से प्रभावित होने तथा पूर्वोद्धारण नहीं समझे जाने की शर्त के साथ शिथिल करने की स्वीकृति दी गई।

इसके अलावा षष्ठम झारखण्ड विधान सभा का प्रथम सत्र के सत्रावसान के लिए मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई।

वित्तीय वर्ष-2023-24 के लिये भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखे भाग -1 एवं क्कतथा विनियोग लेखे से संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को झारखण्ड विधान सभा के पटल पर आगामी सत्र में उपस्थापन की स्वीकृति दी गई।

2025 राज्यवासियों के लिए मंगलमय हो, यही कामना करते हैं: हेमंत सोरेन

रांची : कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने मीडिया से बातचीत में कहा कि साल 2024 लगभग अंतिम पड़ाव में है. 2025 का हमसभी को इंतजार है. 2025 राज्यवासियों के लिए मंगलमय हो, यह कामना करते हैं. सरकार की पूरी मंशा है कि सरकार की जो आवाज है, वह राज्य के अंतिम पायदान में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे. जिसे सर्वांगिण विकास पर हिस्सा बनाए. राज्य को बेहतर दूरदर्शी दिशा की ओर आगे बढ़ाने के लिए

तैयार हैं. पेसा कानून के सवाल पर कहा कि सरकार की राज्य की भावना के अनुरूप कार्य करती है. पहले से ही इस विषय पर चर्चा हो रही है. जल्द ही इस विषय से अवगत कराया जाएगा.

ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार, दो राज्यों के राज्यपाल बदले गए

जनरल वीके सिंह को मिजोरम और अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा के राज्यपाल पद से रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह अब हरिबाबू को राज्यपाल बनाया गया है। इसके अलावा राष्ट्रपति ने दो राज्यों के राज्यपाल को भी बदल दिया है। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अब बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है जबकि पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का गवर्नर बनाया गया है।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक मिजोरम के गवर्नर हरि बाबू को ओडिशा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। जनरल वीके सिंह को मिजोरम का गवर्नर बनाया गया है। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ को केरल का नया राज्यपाल बनाया गया है जबकि केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अब बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसी तरह पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को झारखंड मंत्रालय में क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए राज्य सरकार के मंत्रीगण

प्रधानमंत्री ने अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों से केंद्रीय बजट 2025-26 पर किया विचार-विमर्श

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को नीति आयोग में केंदीय बजट 2025-26 की तैयारी को लेकर प्रख्यात अर्थशास्त्रियों और विचारकों के एक समूह के साथ विचार-विमर्श किया। ये बैठक ह्ववैश्विक अनिश्चितता के समय में भारत की विकास गति को बनाए रखनाह्व विषय पर आयोजित की गई।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में वक्ताओं को उनके व्यावहारिक विचारों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिकता में मूलभूत परिवर्तन के माध्यम से विकसित भारत को प्राप्त किया जा सकता है, जिसका ध्यान 2047 तक भारत को विकसित बनाने पर केंद्रित है।

केंदीय बजट की तैयारी के लिए आयोजित इस बैठक में प्रतिभागियों ने कई अहम मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। इनमें वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान, विशेष तौर पर युवाओं के बीच रोजगार बढ़ाने और सभी क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर पैदा करने की रणनीतियां बनाने, रोजगार बाजार की उभरती जरूरतों के साथ-साथ शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सरेखित करने की रणनीतियां, कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और स्थायी ग्रामीण रोजगार के अवसर पैदा करना, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करना, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सार्वजनिक धन जुटाना, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना, निर्यात को बढ़ावा देना और विदेशी निवेश को आकर्षित करना शामिल हैं।

गृह मंत्री ने की तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के साथ तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में अखिल भारतीय स्तर पर सीसीटीएनएस 2.0, एनएएफआईएस, जेलों, अदालतों, अभियोजन और फॉरेंसिक के आईसीजेएस 2.0 के साथ एकीकृत करने के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। केन्द्रीय गृह सचिव, एनसीआरबी के निदेशक, गृह मंत्रालय और एनसीआरबी और एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान करने को कहा। अमित शाह ने कहा कि प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई- समन जैसे एप्लीकेशन का उपयोग किया जाना चाहिए।

तकनीक के इस्तेमाल पर जोर देते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि पूर्व-निर्धारित समयसीमा के अनुसार जांच अधिकारियों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों को अलर्ट भेजने से जांच प्रक्रिया में तेजी लाने में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गृह मंत्रालय और एनसीआरबी के अधिकारियों की एक टीम को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में तकनीकी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में वृद्धि करने और हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए वहां का दौरा करना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की 100वीं जयंती पर केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की आधारशीला रखेंगे मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना की आधारशिला रखेंगे। केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है। इससे मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सिंचाई और पेयजल की सुविधा मिलेगी। साथ ही हरित ऊर्जा में 100 मेगावाट से अधिक का योगदान सुनिश्चित होगा।

प्रधानमंत्री कल अपने मध्य प्रदेश प्रवास के दौरान खजुराहो में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे। वे 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों की आधारशिला भी रखेंगे। ये भवन स्थानीय स्तर पर सुशासन के लिए ग्राम पंचायतों के कार्य और जिम्मेदारियों के व्यावहारिक संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अटल जी का जीवन और विचारधारा पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित 'अटल युवा महाकुंभ' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अटल जी के अद्वितीय व्यक्तित्व और उनके साथ जुड़ी स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने अटल जी का स्मरण करते हुए कहा कि अटल जी का जीवन और विचारधारा आज भी देश के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विकास में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की भी प्रशंसा की।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनकी कार्यशैली और निर्णयों की पूरी दुनिया कायल थी। लखनऊ अटल जी के दिल में बसता था और यहां के लोग उन्हें उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे। उन्होंने अटल जी के जीवन के अनेक प्रसंगों को याद कर उनकी हाजिरजवाबी और सहजता का जिक्र किया। उन्होंने पाकिस्तान दौरे के दौरान अटल जी के चर्चित जवाब को याद करते हुए कहा, ₹एक महिला पत्रकार ने जब उनसे कहा कि मैं आपसे शादी करना चाहती हूं, बशर्ते आप मुझे मुंह दिखाई में कश्मीर दें, तो अटल जी ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'मैं तैयार हूं, अगर आप दहेज में पूरा पाकिस्तान दें।' इस जवाब ने उनकी चतुराई और सहजता को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

राष्ट्रपति कल 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से करेंगी सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित करेंगी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, मंत्रालय वीर बाल दिवस पर भारतीय बच्चों की क्षमताओं और उपलब्धियों को रेखांकित करने वाली देशव्यापी गतिविधियों का आयोजन करेगा और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के विजेताओं को सम्मानित करेगा।

बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस साल 14 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के 17 बच्चों को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से नवाजेंगी। यह पुरस्कार सात श्रेणियों-कला एवं संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा, खेल और पर्यावरण-में बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को रेखांकित करता है।

बयान के अनुसार, इस साल जिन 17 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए चुना गया है, उनमें सात लड़के और 10 लड़कियां शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि प्रत्येक विजेता को एक पदक, प्रमाणपत्र और एक प्रशस्ति पुस्तिका प्रदान की जाएगी। बयान के मुताबिक, वीर बाल दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुपोषित पंचायत योजना का उद्घाटन करेंगे, जिसका मकसद जमीनी स्तर पर पोषण सुरक्षा को मजबूत करना है।

इसमें कहा गया है कि कार्यक्रम में बच्चों के नेतृत्व में विविध संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाला मार्च-पास्ट भी होगा। बयान के अनुसार, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी उद्घाटन भाषण देंगी, जो बच्चों की शिक्षा और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित इस दिवस का माहौल तैयार करेगा।

बयान में कहा गया है कि पुरस्कार विजेताओं सहित लगभग 3,500 बच्चे इस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिसमें भारत की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसमें कहा गया है कि शैक्षिक और रचनात्मक गतिविधियों से देशभर के बच्चे जुड़ेंगे। बयान के मुताबिक, वीर बाल दिवस पर स्कूल, बाल देखभाल संस्थान और आंगनवाड़ी केंद्र कहानी सत्र, रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन, कविता पाठ आदि का आयोजन करेंगे।

इसमें कहा गया है कि माईगव और माईभारत जैसे ऑनलाइन मंचों पर ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। वीर बाल दिवस भारतीय बच्चों को साहस, नवाचार और सेवा के मूल्यों को कायम रखते हुए देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करने के वास्ते समर्पित है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार और सुपोषित पंचायत जैसे कार्यक्रमों के जरिये सरकार अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

जम्मू संभाग के पुंछ जिले में सड़क दुर्घटना में सेना के पांच जवानों की मौत

एजेंसी

जम्मू। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में मंगलवार की शाम एक सड़क दुर्घटना में सेना के पांच बलिदान हो गए हैं, जबकि दस जवान घायल हुए हैं। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) की एक अग्रिम चौकी के पास एक वाहन के दुखद सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाने से सेना के पांच जवानों की मौत हो गई जबकि दस जवान घायल हो गए हैं। वह सभी इलाजरत हैं। दुर्घटना के समय वाहन में कुल 18 सैनिक सवार थे। ऐसे में तीन लापता जवानों की खोज के लिए दुर्घटनास्थल पर एक बड़ा बचाव अभियान शुरू किया गया है।

सेना की व्हाइट नाइट कोर ने सैनिकों की दुखद क्षति पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है।

संक्षिप्त खबरें

डी-क्लब शिविर मे 50 से अधिक लोगों ने निशुल्क जांच कराया

रांची(बिभा) : मारवाड़ी युवा मंच, राँची शाखा हर माह के तीसरे रविवार को डी क्लब (निशुल्क जाँच शिविर) का आयोजन करता है। शिविर मे मुख्य रूप से मधुमेह, रक्तचाप एवं वजन की जांच आमजनों को निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। मारवाड़ी युवा मंच, राँची शाखा की ओर से सदा ही सामाज मे स्वास्थ के प्रति जागरूकता के लिए अभियान चलाने का प्रयास किया जाता रहा है। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगकर्ता हिल व्यू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बरियातू, रांची थे, जिनके द्वारा इस कार्यक्रम में लगने वाले संसाधन एवं मैडिकल टीम उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम के संयोजक अखिल टिकमानी तथा बिमल अग्रवाल थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, सचिव सोनित अग्रवाल के साथ विशाल महलका, नीरज अग्रवाल, निकुंज पोद्दार एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। युक्त जानकारी मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा के प्रवक्ता राघव जालान ने दी।

बिशप थियोडोर ने स्कूली बच्चों और गरीबों के बीच कंबल का किया वितरण

रांची(बिभा) : क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, बिशप थियोडोर ने जरूरतमंदों के साथ क्रिसमस की खुशियाँ बाँटने के अपने जुनून से प्रेरित होकर दौना की एक असाधारण यात्रा शुरू की। उनका पहला पड़ाव दौना में जवाहरलाल नेहरू स्कूल था, जहाँ उन्होंने प्यार और करुणा के प्रतीक के रूप में 400 स्कूली बच्चों को कंबल वितरित किए। बिशप थियोडोर की क्रिसमस तीर्थयात्रा जारी रही, जहाँ उन्होंने विभिन्न पैरिशों का दौरा किया, आशा और सेवा का संदेश फैलाया। उनकी यात्रा उन्हें पवित्र परिवार चर्च गोठगाँव ले गई, जहाँ संयोग से उनकी मुलाकात जरूरतमंद पल्ली वासियों से हुई। उनके संघर्षों से प्रेरित होकर, उन्होंने लगभग 100 कंबल वितरित किए, जिससे उन लोगों को गर्मजोशी और खुशी मिली, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। अपने निस्वार्थ कार्यों के माध्यम से, बिशप थियोडोर ने क्रिसमस की सच्ची भावना को सही रूप दिया, मसीह के पदचिन्हों पर चलते हुए और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। वही। आशा और सेवा का उनका संदेश आज भी गूंजता रहता है, जो हमें याद दिलाता है कि क्रिसमस का असली अर्थ देना, साझा करना और प्रेम और दयालुता फैलाना है।

वार्ड नंबर 2 के दुर्गा मंदिर के बगल हातमा गली मे कूड़ो का अंबार, दुर्गंध से लोग परेशान

रांची(बिभा) : वार्ड नंबर 2 कांके रोड स्थित दुर्गा मंदिर के बगल गली में तिरुपति अपार्टमेंट के सामने पिछले कई दिनों से पूरे रास्ता में कचरा फैला हुआ है। तथा इस स्थल पर हमेशा कूड़ा कचरा भरा रहता है। कूड़े कचरे से फैल रहे दुर्गंध एवं बदबू के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिन आवागमन करने वाले राहगीरों एवं स्थानीय लोग परेशान है। पैदल चलने वाले लोगों को कचरे के ऊपर से चलना पड़ रहा है। भारी कूड़े कचरे एवं गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। तथा बीमारियां भी तेजी से बढ़ रहा है। वार्ड नंबर 2 के सदस्य सह सामाजिक कार्यकर्ता संजय सर्राफ ने बताया कि रांची नगर निगम की ओर से नियमित रूप से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कार्य नहीं किया जा रहा है। ना हीं सड़क के किनारे स्थल से रोजाना कूड़ा का उठाव हो रहा है। जिसके कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास मे घनी आबादी है तथा यह मार्ग हातमा बस्ती एवं मोराबादी निकलता है। कूड़े कचरो के कारण न सिर्फ दुर्गंध फैल रहा है बल्कि कई जगह से नालियों की गंदी पानी भी सड़क पर बहता रहता है। वार्ड 2 के कई सदस्यों ने बताया कि रांची नगर निगम के कनेक्ट सेंटर मे कूड़ा उठाव के लिए शिकायत किया गया, फिर भी कूड़ा को उठाव नहीं होता है।नियमित रूप से कूड़ा कलेक्शन नहीं किए जाने के कारण स्थानीय लोग संबंधित स्थल पर घर का कूड़ा फेंक देते हैं। तिरुपति अपार्टमेंट के सामने कूड़ा का ढेर दिनों-दिन फैलता जा रहा है। मुख्य मार्ग सड़क पर प्लास्टिक, पॉलिथीन का ढेर पड़े हुए हैं। नगर निगम की ओर से ना तो कूड़े की नियमित सफाई हो रही है ना ही जाम नालियों का सफाई किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों से आग्रह किया है कि कूड़े की सफाई नियमित किया जाए। तथा सड़क एवं नालियों को दूरस्त किया जाए।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मैथ्स क्विज का आयोजन

रांची(बिभा) : महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की याद में राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर धुर्वा में मैथ्स क्विज का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई बाल वर्ग और किशोर वर्ग। बाल वर्ग में प्रथम स्थान माधव सदन ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर तिलका मांझी सदन रहा। तृतीय स्थान कल्पना चावला को प्राप्त हुआ। किशोर वर्ग में प्रथम स्थान कल्पना सदन, द्वितीय स्थान बरसा सदन एवं स्थान केशव सदन ने प्राप्त किया। क्विज में विजेता भैया बहनों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गणित आचार्य राजा शांतनु सिंह ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गणित के क्षेत्र में उनके योगदान को भैया बहनों के साथ साझा किया। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने इस तरह के आयोजनों को भैया बहनों के लिए गणित के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। इस अवसर पर विद्यालय की उप प्राचार्य सुमीना कुमारी उत्तर माध्यमिक खंड के प्रभारी राकेश पांडे राजकुमार सिंह, माध्यमिक खंड के आचार्य सुनील कुमार ठाकुर, ऋषभ कुमार, ऋषिकेश मिश्रा एवं राधिकेश ओझा मौजूद थे।

पेसा अधिनियम के प्रावधानों पर कार्यशाला, जनजातीय अधिकारों और सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त बनाने की दिशा में नई पहल

जनजातीय समुदायों की परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण आवश्यक: विवेक भारद्वाज

बिभा संवाददाता

रांची: राष्ट्रीय पेसा दिवस के अवसर पर आज रांची स्थित होटल रेडिसन ब्लू में पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार और झारखंड राज्य सरकार के सहयोग से एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पेसा अधिनियम, 1996 (पंचायती राज (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम) के प्रावधानों के बारे में जन जागरूकता फैलाना और जनजातीय समुदायों को उनके अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना था।

कार्यशाला की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और अतिथियों के स्वागत के साथ की गई। कार्यक्रम में पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, झारखंड राज्य के पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे, पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त सचिव आलोक प्रेम नागर, झारखंड की पंचायती राज निदेशक श्रीमती निशा उराँव, तीर फाउंडेशन के मिलिंद थेटे, और कई अन्य सम्मानित अतिथि उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में विवेक भारद्वाज ने पेसा अधिनियम के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि यह अधिनियम जनजातीय समुदायों को जल, जंगल, और जमीन के प्रबंधन पर अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने झारखंड सरकार के प्रयासों की सराहना की, विशेष रूप से पेसा पर आधारित लोकगीत तैयार करने की पहल की।

विवेक भारद्वाज ने जनजातीय परंपराओं के दस्तावेजीकरण पर जोर देते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि ग्राम पंचायतों में आयोजित बैठकों में 26 जनवरी को प्रत्येक गांव की जनजातीय परंपराओं की सूची तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगी।

कार्यशाला में पेसा अधिनियम के कानूनी पहलुओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें तीर फाउंडेशन के मिलिंद थेटे, मंथन युवा संस्थान के सुधीर पाल और अन्य विशेषज्ञों ने पेसा कानून के विभिन्न पहलुओं पर विचार प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने पेसा अधिनियम के तहत ग्राम सभाओं को मिलने वाले अधिकारों और उनके कार्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में जन विकास मंच के द्वारा पेसा अधिनियम पर आधारित सांस्कृतिक नृत्य, नाटक और गीत प्रस्तुत किए गए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से आदिवासी समुदायों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन, जनजातीय समुदायों के अधिकारों को सशक्त बनाने और उनकी सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने की दिशा में कदम उठाना था।

राष्ट्रीय पेसा दिवस 2024 का महत्व

राष्ट्रीय पेसा दिवस 2024 का आयोजन भारतीय सरकार की जनजातीय समुदायों के समावेशी विकास और उनके अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह कार्यक्रम न केवल कानूनी रूप से जनजातीय समुदायों को अधिकार देने का अवसर है, बल्कि यह उनकी सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

फिरकापरस्त परस्थितियों से दूर रहकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में हो समन्वित-संतुलित विकास : बंधु

बिभा संवाददाता

रांची : पूर्व मंत्री, झारखण्ड सरकार की समन्वय समिति के सदस्य एवं झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि विधानसभा चुनाव में झारखण्ड की जनता ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह फिरकापरस्त परस्थितियों एवं सांप्रदायिक ताकतों से दूर रहकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में अपना जीवन यापन करते हुए अपने समन्वित एवं संतुलित विकास के प्रति पूरी तरीके से समर्पित है. श्री तिर्की ने कहा कि यही कारण है कि कांग्रेस एवं झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के इंडिया गठबंधन को आम लोगों ने अपेक्षा से अधिक समर्थन दिया है और यह झारखण्ड के सुखद भविष्य के लिये सकारात्मक संदेश है.

क्रिसमस के अवसर पर झारखण्ड के लोगों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त करते हुए श्री तिर्की ने सभी लोगों से आह्वान किया कि आत्मविश्वास, जुझारूपन, समर्पण और अपनी पूरी योग्यता व सामर्थ्य के साथ झारखण्ड और यहाँ के लोगों के विकास के लिये नये अध्याय की शुरूआत करने का संकल्प लेने का यह बिल्कुल सही समय है.

श्री तिर्की ने कहा कि चुनाव का कोलाहल दूर हो चुका है और अब किसी दलगत या जातिगत भावना से ऊपर उठकर झारखण्ड के विकास के लिये सभी को दृढ़ संकल्प लेना चाहिये. उन्होंने कहा कि झारखण्ड के सभी लोगों की खुशी में ही पूरे प्रदेश की खुशहाली छिपी है. श्री तिर्की ने कहा कि हेमंत सोरेन के पुनः मुख्यमंत्री बनने और नयी सरकार के काम शुरू करने के बाद शुरूआती में ही सरकार के सकारात्मक काम के रुझान आने शुरू हो गये हैं और आम लोगों के बीच में एक अच्छा संदेश गया है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि झारखण्ड का समन्वित-संतुलित विकास और यहाँ के सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखरने की जिम्मेदारी सरकार के साथ-साथ यहाँ के सभी लोगों की है और यदि सभी लोग अपनी पूरी जवाबदेही का परिचय दें तो झारखण्ड को देश का सबसे बेहतर प्रदेश बनने से कोई भी नहीं रोक सकता.

जगन्नाथ मंदिर का स्थापना दिवस आज, श्री विष्णु लक्षार्चना वार्षिक पूजा होगी

बिभा संवाददाता

रांची : जगन्नाथ मंदिर का स्थापना दिवस 25 दिसंबर को मनाया जाएगा. स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर मंदिर की साज सज्जा की गयी है. इस अवसर पर श्री विष्णु लक्षार्चना वार्षिक पूजा की जाएगी. बता दें कि राची शहर के दक्षिण-पूर्व में 10 किमी की दूरी पर जगन्नाथपुर मंदिर का निर्माण बड़कागढ़ के ठाकुर महाराजा रामशाही के चौथे पुत्र ठाकुर ऐनीनाथ शाहदेव ने 25 दिसंबर, 1691 में कराया था. मंदिर का जो वर्तमान रूप दिखाई देता है, उसका निर्माण करीब एक करोड़ की लागत से 1991 में हुआ. मंदिर पुरी के जगन्नाथ मंदिर के स्थापत्य की तर्ज पर ही बनाया गया है. गर्भ गृह के आगे भोगगृह है. भोग गृह के पहले गरुड़ मंदिर हैं, जहां बीच में गरुड़जी विराजमान हैं. गरुड़ मंदिर के आगे चौकीदार मंदिर है. ये चारों मंदिर एक साथ बने हुए हैं.

वार्षिक पूजा के कार्यक्रम

25 दिसंबर को सुबह 5 बजे सुप्रभातम (श्री जगन्नाथ जी की दर्शन सुलभ), सुबह 6 बजे आरती, 8 से 8:30 बजे तक कलश पूजा,विष्णु पूजा. 8:30 से 9:15 बजे गणपति हवन,विष्णु गायत्री हवन. 9:16 से 10 बजे तक पूजा हेतु श्रद्धालुओं के बीच पत्तल एवं फुल वितरण. 10 बजे से 11:30 बजे तक विष्णु सहस्त्रनाम पूजा. 11: 31 बजे से अर्चित फुल भगवान को समर्पित करना. दोपहर 12 बजे से महाप्रभु को अन्न भोग लगाना. 12:10 बजे महाप्रभु दर्शन पट बंद. 12:30 बजे से अन्न भोग श्रद्धालुओं के बीच निशुल्क वितरण मंदिर प्रांगण के बाहर पंक्तिबद्ध होकर प्रसाद लेना है. दोपहर 3 बजे पुनः पट खुलेगा एवं दर्शन सुलभ प्रतिदिन की तरह सेवा चलती रहेगी

बिरसा जैविक उद्यान में 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक टिकट दर बढ़ा

बिभा संवाददाता

रांची : भगवान बिरसा जैविक उद्यान में नए वर्ष के विशेष अवसर पर सोमवार को 30 दिसंबर और 6 जनवरी को उद्यान खुला रहेगा. साथ ही 31 दिसंबर से 2 जनवरी तक उद्यान में टिकट दर वयस्कों के लिए 70 रुपए और 3 से 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए 30 रुपए निर्धारित की गई है. इन तिथियों पर ग्रुप टिकट सुविधा उपलब्ध नहीं होगी. दर्शकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुए उद्यान में विजिटर्स शेड, पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय और मातृशिशु गृह जैसी सुविधाएं प्रदान की गई हैं. इसके अतिरिक्त, दिव्यांग व्यक्तियों के लिए व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है, जिससे वे भी उद्यान का आनंद बिना किसी असुविधा के उठा सकें. यह कदम सभी वर्गों के लोगों को प्रकृति के करीब लाने और समावेशी पर्यटन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

बता दें यहां 91 प्रजातियां संरक्षित हैं, जिनमें 41 पक्षी, 31 स्तनधारी और 19 सरीसृप शामिल है. इस वर्ष कई वन्यजीवों के बच्चों का जन्म हुआ है. जिनमें दरियाई घोड़ा, लकड़बग्घा, सांभर, चीतल, कोटरा, कृष्णमृग, सफेद कृष्णमृग, नीलगाय, लंगूर और बंदर शामिल है. पक्षियों की श्रेणी में मोर, सिल्वर फीजेंट, गोल्डन फीजेंट, बजरीगर, तोता और शुतुरमुर्ग के बच्चों ने उद्यान की शोभा बढ़ाई है. इसके अतिरिक्त, सरीसृपों में घड़ियाल और कछुआ जैसे नए बच्चों ने उद्यान को और समृद्ध किया है.

इस वर्ष उद्यान में जैव विविधता को और बढ़ाने के लिए नंदनकानन जैविक उद्यान, भुवनेश्वर से सफेद बाघोन, लोमड़ी, खटास, नाइट हेरोन, आईबिस, ये पेलिकन और माउस डीयर को लाया गया है. सफेद बाघ, काला तेंदुआ, सफेद मोर, सफेद हिरण और नन्हे-मुन्ने वन्यजीवों के बच्चे दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र है. इनके साथ बिताया गया समय न केवल प्रकृति के प्रत्ति जागरूकता बढ़ाता है बल्कि एक अनूठा अनुभव भी प्रदान करता है, जो पर्यटकों की स्मृतियों में लंबे समय तक बना रहता है.

आयुक्त की अध्यक्षता में केन्दू पत्ती सलाकार समिति की समीक्षात्मक बैठक

झारखण्ड राज्य केन्दू पत्ती नीती-2015 को यथावत रखने का आदेश : अंजनी कुमार

संग्रहण दर 1750/-रू0 प्रति मानक बोरा को बढ़ाकर 1900/-रू0 किया गया

बिभा संवाददाता

रांची : प्रमंडलीय आयुक्त, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची के कार्यालय कक्ष में आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में केन्दू पत्ती सलाकार समिति की वर्ष 2025 में केन्दू पत्ती के संग्रहण, बिक्री, एवं मूल्य निर्धारण को लेकर समीक्षा बैठक की गई।

आहूत बैठक में राज्य सरकार द्वारा केन्दू पत्ती उगाने वाले/ग्रामीणों से केन्दू पत्ती के मूल्य का निर्धारण वर्ष 2024 में वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड, सरकार की अधिसूचना संख्या-06/वन निगम-05/2021-513 व०प० रांची दिनांक 21.02.2024 द्वारा वनभूमि एवं रैयती भूमि से प्राप्त होने वाले केन्दू पत्ती का संग्रहण दर 1750/-रू0 प्रति मानक बोरा निर्धारित किया गया था, जिसे समीक्षात्मक बैठक उपरांत विभिन्न पहलूओं पर न्यूनतम मजदूरी दर में वृद्धि एवं केन्दू पत्ती की स्थिति के विश्लेषणोंपरांत वन भूमि/रैयती भूमि पर उगाने वाले केन्दू पत्ती के लिए 1900/-रू० प्रति मानक बोरा संग्रहण मूल्य किया गया।

आयुक्त ने निर्देश देते हुए केन्दू पत्ती की अधिसूचित मात्रा में वृद्धि, केन्दू पत्ती के भण्डारण क्षमता में वृद्धि, संग्रहण मूल्य के नगद भुगतान ह्यह्यझारखण्ड राज्य केन्दू पत्ती नीती-2015ह्यह्य के अनुसार निर्धारित संग्रहण मूल्य के नगद भुगतान रू० 2,000/- को यथावत अर्थान सुधार नहीं करने संबंधी अनेकों दिशा निदेश दिए।

आहूत बैठक में आयुक्त के सचिव आलोक कुमार, जब्बर सिंह, क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक, रांची, आ० थांगा पाण्डयन, लधु वन पदार्थ परियोजना अंचल, रांची, सहित खूंटी, सिमडेगा, तमाड़ आदि के जनजाति के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

परियोजना निदेशक शशि रंजन ने संस्थाओ को दिया 'स्टडी, मोनिटरिंग ओर इंपैक्ट का मंत्र

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन की अध्यक्षता में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सहयोग देने वाली सहयोगी स्वयंसेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। इस बैठक में छह स्वयंसेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक श्री शशि रंजन ने कहा कि उक्त संस्थाओ के द्वारा किये जा रहे कार्यो एवं गतिविधियों की त्रैमासिक समीक्षा की जाए। संस्थाएं स्टडी, मोनिटरिंग और इंपैक्ट का पालन करे। इसके तहत समाज के किसी महत्वपूर्ण विषय का अध्ययन कर उसका वर्क प्लान तैयार करे, फिर उसकी ग्राउंड पर निगरानी करे और उसके सकारात्मक परिणामो की समीक्षा करे। उन्होंने स्वयंसेवी संस्थाओ के प्रतिनिधियों को परिणामोन्मुखी एवं समयबद्ध कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने सूक्ष्म स्तर पर सामूहिक दृष्टिकोण के साथ कार्य करने की सलाह दी।

बैठक में गुणवत्त शिक्षा के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अविनव कुमार ने सभी संस्थाओ के प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत किये गए प्रेजेंटेशन को देखकर उन्हें मार्गदर्शित किया। उन्होंने कहा कि यह बैठक एक दूसरे को जानने और उनके कार्य संस्कृति से परिचित होने का मंच है। हम अपने कार्यक्रमों और योजनाओ की रचना कैसे करे और इसमें हमारे सहयोगी संस्थाओ की क्या भूमिका होगी, इसका आंकलन करना आवश्यक है। बैठक में आईपीईएल, रूम टू रीड, सिनी टाटा ट्रस्ट, संपर्क फाउंडेशन, पीरामल, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, लैंग्वेज लर्निंग फाउंडेशन और लीप फॉर वर्ड के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एफएलएल चैंपियनशिप की ट्राफी का अनावरण

समीक्षा बैठक के बाद राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने राज्य में पहली बार हो रहे राज्यस्तरीय एफएलएल चैंपियनशिप की ट्राफी का अनावरण किया। अनावरण के दौरान राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन ने कहा कि निपुण भारत के तहत चलाये जा रहे बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लक्ष्यों को प्राप्त करना इस चैंपियनशिप का मुख्य लक्ष्य है। कक्षा 2 से 5 तक के बच्चो में प्रतियोगिता की भावना आये, इसको ध्यान में रखते हुए इस चैंपियनशिप की परिकल्पना की गयी है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में बच्चो का इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराये ताकि प्राथमिक कक्षाओं में बच्चे के भीतर सीखने की भावना विकसित हो। आपको बता दे कि अबतक एफएलएन चैंपियनशिप के लिए छह लाख से अधिक बच्चो ने अपना पंजीकरण करा लिया है।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में शंख हाउस बना विजेता

बिभा संवाददाता

रांची: एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल में चार दिवसीय इंटर हॉउस खेलकूद प्रतियोगिता का समापन 24 दिसंबर को हुआ। इस प्रतियोगिता में दामोदर हाउस, कोयल हाउस, शंख हाउस एवं स्वर्णरेखा हाउस के जूनियर और सीनियर दोनों ग्रुप के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शंख हाउस को विजेता घोषित किया गया, जबकि कोयल हाउस उपविजेता रहा। समारोह के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में स्कूल के संस्थापक श्री ललित हेम्ब्रम विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने विजेताओं को बधाई दी और कहा कि खेलों से बच्चों में सामूहिकता और जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है। निदेशक श्री कुणाल कश्यप और प्राचार्य श्री शादान आलम ने भी इस मौके पर बच्चों को प्रोत्साहित किया और कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। पिछले चार दिनों में विद्यालय प्रांगण में कई महत्वपूर्ण खेल हुए जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके संचालन में सुलोचना हेम्ब्रम व स्कूल के शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। मटका रेस ,कराटे एवं नृत्य के प्रदर्शन को अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम के बीच में सांता क्लॉज भी पहुंचा जिससे बच्चों में खुशी की लहर छा गई। समापन समारोह के अंत में स्कूल प्रबंधन और मीडिया के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच आयोजित किया गया।

बाबा साहब के अपमान के विरोध में सड़क पर उतरी कांग्रेस, निकाला अंबेडकर सम्मान मार्च

बिभा संवाददाता

रांची। 24 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने के विरोध में राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत झारखंड में भी अंबेडकर सम्मान मार्च का आयोजन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में पुराना उच्च न्यायालय के प्रवेश द्वार पर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात कांग्रेस भवन से उपायुक्त कार्यालय तक किया गया। मार्च की समाप्ति के बाद अमित शाह की बर्खास्तगी की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन उपायुक्त की अनुपस्थिति में उनके प्रतिनिधि को दिया गया। देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपनी जमीन तक गिरवी रखी गांधी जी के सिद्धांतों पर जीवन पर्यंत चलने वाले टाना भगत भी बाबा साहब के सम्मान में और संविधान को बचाने के लिए सम्मान मार्च में शामिल हुए।

इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि अमित शाह की बाबा साहब पर टिप्पणी ने संविधान के ढांचे को महत्वहीन बना दिया है जो समाज को समान भागीदारी के उनके अधिकार को मान्यता देता है। अंबेडकर जी की अध्यक्षता में तैयार संविधान एक विरासत है जो भारत के लोकतंत्र को मजबूती देता है। स्वतंत्रता संग्राम के बड़े विभूतियां में से एक बाबा साहब का अपमान कांग्रेस कतइ बर्दाश्त नहीं करेगी। अमित शाह द्वारा की गई टिप्पणी को भाजपा प्रमुख तथा प्रधानमंत्री छोटी घटना मानते हैं जिससे साफ होता है की ऐतिहासिक रूप से उत्पीड़ित समुदाय के अपमान की कीमत पर भाजपा अपनी मंशा देश में लागू करना चाहती है। संविधान बदलने के अपने चिर परिचित एजेंडे को लागू करने की दिशा में उठाया गया यह कदम सोची समझी रणनीति के तहत उठाया गया है। वंचितो, पिछड़ों, दलित, अनुसूचित जनजातियों सामान्य नागरिक के अधिकारों का समावेशी ग्रंथ का नाम संविधान है,जिसके मूल प्रस्तावना में ही भारत के लोकतंत्र की आत्मा है। इसके विभिन्न अनुच्छेदों में संघीय शासन प्रणाली का व्यवस्थित रूप बाबा साहब ने देश को दिया। आश्चर्यजनक है कि जिन गृह मंत्री पर संविधान की रक्षा का भार है वही संविधान जनक का अपमान कर रहे हैं।

अंबडेकर सम्मान मार्च में मुख्य रूप से कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, सुबोध कांत सहाय, डॉ रामेश्वर उरांव, राजेश ठाकुर सुरेश बैठा, बंधु तिर्की,राजीव रंजन प्रसाद, रविंद्र सिंह,संजय लाल पासवान, कुमार गौरव के एन त्रिपाठी, राकेश सिन्हा,सतीश पाल मुजनी,सोनाल शांति, कमल ठाकुर,आभा सिन्हा विनय सिन्हा दीपू,डॉ एम तौसीफ, अजय नाथ शारदेव, शान्तनु मिश्रा, आलोक दूबे, राजेश सिन्हा सन्नी,कृतिका त्रिपाठी,सुरेन्द्र सिंह,केदार पासवान,कुमार राजा, राकेश किरण महतो, राजेश गुप्ता (छोटू),अभिलाष साहु, राजन वर्मा, कामेश्वर गिरी,राजू राम, उमेश पाठक,वशिष्ट लाल पासवान, संजय कुमार,योगेन्द्र सिंह बेनी, पुर्णिमा सिंह, सुनित शर्मा, चंदन बैठा, मिथिलेश कुमार मिर्धा,महाबीर मिर्धा, सोनी नायक, सुरेश मिर्धा, अर्चना मिर्धा, मुन्ना पासवान, सुरज पासवान,छोटू राम,जगदीश साहू, मुत्रा रिजवी,पप्पू पासवान, राजेश चन्द्र राजू, धर्मेन्द्र सिंह, जितेन्द्र त्रिवेदी, शकील अख्तर अंसारी, आलोक तिवारी, टिंकू वर्मा, बिरसा उरांव, राजीव चौधरी, राखी प्रियदर्शिनी, राखी कौर, अनिता सहाय, पप्पू तिवारी, टाना भगतगण आदि कांग्रेसजन शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

सीएम हेमंत सोरेन से मिले आर्च बिशप व बिशप, दी क्रिसमस की बधाई एवं शुभकामनाएं

रांची(बिभा): झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आज मंगलवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आर्च बिशप राजीव सतीश टोप्पो, (एनडब्लूजीईएल चर्च इंडिया), बिशप निस्तार कुजूर (एनडब्लूजीईएल चर्च) , बिशप (जीईएल चर्च) ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी. मौके पर विधायक राजेश कच्छप, 15 सूत्री सदस्य सुजीत कुजूर, तारा तिर्की, सुजीत टोप्पो, राजीव एक्का, रवि बारला एवं विकास तिर्की मौजूद थे. मौके पर समस्त झारखंडवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की गयी. मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों एवं पूरे मसीही समुदाय को क्रिसमस पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी.

मुख्यमंत्री से मरांङ बुरू संस्थान का प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची (बिभा): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मरांङ बुरू संस्थान के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मारांग बुरु, पंचायत-मधुबन, प्रखण्ड-पीरटांड़, जिला- गिरीडीह में मनाए जाने वाले मारांग बुरु बाहा बोंगा पर्व को राजकीय महोत्सव घोषित करने से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। मौके पर मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आदिवासी संस्कृति के अनुरूप आयोजित मारांग बुरु बाहा बोंगा पर्व की विशेषताओं से अवगत कराया।

केशव महतो कमलेश ने विशप सीमांत तिर्की को क्रिसमस की दी बधाई

रांची(बिभा)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जीएल चर्च के हिसाब बिशप सीमांत तिर्की रोमन कैथोलिक चर्च के आर्च बिशप विंसेंट आनंद और प्रोविंशियल अजीत खेस से मुलाकात कर उन्हें क्रिसमस की बधाई दी साथ हीं राज्य की सुख समृद्धि,खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने कामना की की जिस तरह प्रभु यीशु ने दुनिया में शांति का संदेश दिया है इसी तरह लोग आपसी मन भेद दूर कर समाज में शांति और भाईचारगी कायम करें। श्री कमलेश के साथ बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर,मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद,मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुजनी,के एन त्रिपाठी और आलोक दुबे थे।

राज्यपाल से झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची(बिभा) : राज्यपाल-सह-झारखंड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल राज भवन में भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल ने शीतकालीन अवकाश में वृद्धि हेतु राज्यपाल महोदय का आभार व्यक्त किया तथा इसे और बढ़ाने का आग्रह किया। राज्यपाल महोदय ने प्रतिनिधिमंडल से स्पष्ट रुप से कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतः सभी इस दिशा में पूरी सक्रियता के साथ कार्य करें।

मारवाड़ी महिला कॉलेज के पास पुलिस चला रही विशेष अभियान, छेड़खानी की घटना को लेकर बढ़ी मुस्तैदी

रांची (बिभा): रांची के मारवाड़ी विमेंस कॉलेज के पास कोतवाली थाना प्रभारी पुलिस दल के साथ विशेष अभियान चला रहे हैं। इस दौरान अड्डेबाजी वाले स्थानों, अवैध दुकानें और पार्किंग को लेकर कारवाई की गयी है। कॉलेज के पास फालतू का जमावड़ा लगाने वाले लोगों को खदेड़ा जा रहा है। बता दें कि कुछ दिनों पहले अपर बाजार के बालिका स्कूल की छात्रा के साथ छेड़खानी हुई थी। इसका आरोपी फिरोज पकड़ा गया है। इसके बाद से रांची पुलिस छेड़खानी की घटनाओं को रोकने के लिए मुस्तैद है। महिला शिक्षण संस्थानों के आसपास से मनचलों और अवैध दुकानों को हटाया जा रहा है। कई स्थानों पर सीसीटीवी लगाये गये हैं।

झारखंड की जनजातीय संस्कृति में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का है विशिष्ट महत्वः राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को चाकुलिया, पूर्वी सिंहभूम में आयोजित 'परंपरागत स्वशासन व्यवस्था' में वर्चुअल माध्यम से लोगों से संवाद किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि झारखण्ड की जनजातीय संस्कृति में पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था का एक विशिष्ट महत्व है। मानकी-मुण्डा, पाहन, प्रधान, माँझी जैसी व्यवस्थाएँ न केवल जनजातीय संस्कृति का संरक्षण करती हैं, बल्कि ग्रामीण समाज की सामान्य समस्याओं का समाधान भी प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण जनजातीय समुदाय का इस परंपरागत व्यवस्था पर सदियों से अटूट विश्वास रहा है और इसे और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

राज्यपाल ने पेसा अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि इस अधिनियम के तहत पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था को विशेष शक्तियाँ प्रदान की गई हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखण्ड राज्य में अभी तक पेसा नियमावली लागू नहीं हो सकी है और इस दिशा में उन्होंने राज्य सरकार को स्मरण कराया है। आशा है कि नई सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाएगी।

राज्यपाल ने जनजातीय समाज को जागरूक करने, समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए नागरिकों से नियमित संवाद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि हमारी जनजातीय स्वशासन व्यवस्थाएँ प्रभावी ढंग से कार्य करें, तो डायन प्रथा जैसी कुप्रथाओं से जनजातीय समाज को मुक्ति दिलाने में यह सहायक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रत्येक ग्रामवासी तक पहुँचना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि पाँचवीं अनुसूची के अंतर्गत अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए वे सदैव तत्पर हैं। राज भवन के द्वार सभी नागरिकों के लिए हमेशा खुले हैं। उन्होंने कहा कि अपनी समस्याओं को लेकर वे लोग कभी भी उनसे संपर्क कर सकते हैं।

सीएम हेमंत सोरेन को महाकुंभ में आने का मिला न्योता

बिभा संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा (कैबिनेट) मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं कारागार (राज्यमंत्री) सुरेश राही ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं आस्था के प्रतीक प्रयागराज महाकुम्भ 2025 में सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को मंत्री योगेंद्र उपाध्याय एवं सुरेश राही ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उनका आमंत्रण, पवित्र गंगाजल एवं महाकुम्भ का प्रतीक चिन्ह सप्रेम भेंट कर मुख्यमंत्री को महाकुम्भ 2025 में पधारने हेतु आमंत्रित किया है।

एक वर्ष तक अटल जयंती शताब्दी वर्ष मनाएगी भाजपा : आदित्य साहू

25दिसंबर को बूथों पर मानेगा सुशासन दिवस

बिभा संवाददाता

रांची : प्रदेश भाजपा अटल जी की 100वीं जयंती वर्षगांठ को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाएगी। यह बात भाजपा प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू ने आज प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कही।

श्री साहू ने ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को झारखंड की जनता युगों तक याद रखेगी।झारखंड अलग राज्य यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की ही देन है।

श्री साहू ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी एक राजनेता ही नहीं बल्कि प्रखर वक्ता,और कवि थे।जिनकी कविताएं जन जन को प्रेरित करती हैं। राजनीति के क्षितिज में वे सदैव अजात शत्रु बने रहे।विपक्षियों ने भी उनके संबोधन को हमेशा ध्यान से सुना। श्रद्धेय अटल जनसंघ और भाजपा के संस्थापक रहे। उन्होंने अपने अथक परिश्रम से एक विशाल संगठन खड़ा किया। अटल जी ने गांव,गरीब , किसान पिछड़ा सभी को मुख्यधारा में जोड़ने केलिए लगातार प्रयास किए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, सर्वशिक्षा अभियान ,पोखरण परीक्षण जैसे अनेक कल्याणकारी और ऐतिहासिक कार्य से नई पीढ़ी को परिचित कराने केलिए भाजपा शताब्दी वर्ष में कार्यक्रम करेगी।

उन्होंने कहा कि कल 25दिसंबर को राज्य के सभी बूथों पर अटल जी के चित्र पर कार्यकर्ता पुष्पांजलि करते हुए अटल जी को याद करेंगे। सभी जिलों में संगोष्ठी का आयोजन होगा तथा अटल जी के साथ कार्य करने वाले वरिष्ठ कार्यकताओं से उनके अनुभव भी सुने जाएंगे।

प्रदेश कार्यालय में अटल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी करेंगे।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित 3.73लाख मिट्रिक टन मछली उत्पादन का लक्ष्य पूरा करने का निर्देश

शत-प्रतिशत लाभुकों को मिले योजनाओं का लाभ : डॉ.एचएन द्विवेदी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के मत्स्य विभाग की समीक्षा बैठक सोमवार को एचईसी परिसर स्थित मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार, धुर्वा में निदेशक (मत्स्य) डॉ.एचएन द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सभी जिलों के जिला मत्स्य पदाधिकारियों ने भाग लिया।

विभाग की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में मत्स्य उत्पादन का लक्ष्य 3.73 लाख मिट्रिक टन निर्धारित है । इसके विरुद्ध अब तक 2.10 लाख मिट्रिक टन मछली उत्पादन हुआ है। मत्स्य उत्पादन के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप विभाग लक्ष्य से 1.63 लाख मिट्रिक टन पीछे है। निदेशक डॉ.द्विवेदी ने इसे जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश सभी जिलों के मत्स्य पदाधिकारियों को दिया।

साथ ही विभागीय योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए व्यय का भी प्रतिशत बढ़ाने का निर्देश दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित झारखंड सरकार के मत्स्य विभाग की योजनाओं के कार्यान्वयन की गति तेज करने व निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया। इस अवसर पर विभाग के उप निदेशक मनोज कुमार ठाकुर, उप निदेशक शंभू प्रसाद यादव,उप निदेशक अमरेंद्र कुमार,उप निदेशक मरियम मुर्मू, उप निदेशक रवि रंजन, उप निदेशक संजय गुप्ता, रांची जिला मत्स्य पदाधिकारी जयंत रंजन, रामगढ़ जिला मत्स्य पदाधिकारी अरूप चौधरी सहित अन्य जिलों के मत्स्य पदाधिकारी मौजूद थे। उक्त जानकारी मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक ने दी।

सीसीएल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न

साहित्यकार डॉ. रीता शुक्ल सीसीएल राजभाषा भास्कर सम्मान से सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांचीः सीसीएल, दरभंगा हाउस, रांची के नए भवन के तीसरे तल स्थित सभागार में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा ने की।

इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा, महाप्रबंधक (ईई/राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, महाप्रबंधक, राजभाषा नोडल अधिकारी और सीसीएल के क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए हर्ष नाथ मिश्रा ने कहा कि यह केवल राजभाषा की बैठक नहीं है, बल्कि यह हमारे कार्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी विभागों को हिंदी के कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने राजभाषा विभाग से अनुरोध किया कि वे उन विभागों की मदद करें जो हिंदी में काम करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं।

महाप्रबंधक (ईई/राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा किए गए कार्यों और संबंधित विषयों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, डॉ. दिविक दिवेश, उप प्रबंधक (राजभाषा), ने बैठक के संचालन और समन्वय में विशेष योगदान दिया। उन्होंने इस अवसर पर प्रस्तुतिकरण के माध्यम से सभी विषयों और राजभाषा से संबंधित गतिविधियों पर जानकारी साझा की।

सम्मान और पुरस्कार वितरण

इस अवसर पर प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. रीता शुक्ल को 'सीसीएल राजभाषा भास्कर सम्मान' प्रदान किया गया। डॉ. रीता शुक्ल ने सीसीएल द्वारा हिंदी के प्रचार-प्रसार में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और सुझाव दिया कि सीसीएल में हिंदी साहित्य पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। उन्होंने दैनिक जीवन और कार्यालय में हिंदी के उपयोग के संबंध में भी अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित निबंध लेखन, टिप्पण लेखन, कविता पाठ और टाइपिंग टेस्ट प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महाप्रबंधक (राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर ने किया । इस सफल आयोजन में राजभाषा और अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

कांग्रेस की सोच हमेशा से अम्बेडकर विरोधी : मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज कांग्रेस पार्टी पर बड़ा निशाना साधा। श्री मरांडी ने कांग्रेस द्वारा आयोजित अंबेडकर सम्मान मार्च को ढकोसला करार दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच शुरू से अम्बेडकर विरोधी रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जिसने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का हमेशा अपमान किया, उनका मजाक उड़ाया और उन्हें लज्जित किया, आज वही पार्टी उनके नाम पर हक मांगने का ढोंग कर रही है। कांग्रेस को अपने नेताओं और पंडित नेहरू द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के प्रति किए गए अपमान के लिए पूरे देश से बिना शर्त माफी मांगना चाहिए। जब भी कोई व्यक्ति मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देता है, तो सदन में उसे बोलने का मौका दिया जाता है लेकिन बाबासाहब भीमराव अंबेडकर जी के इस्तीफे के बाद सदन में उन्हें बोलने तक नहीं दिया गया। अपने त्याग पत्र में बाबा साहब अंबेडकर ने पंडित नेहरू के खिलाफ बहुत कुछ लिखा है।

बाबा साहब ने अपने इस्तीफे में लिखा था कि ह्लमैं वित्त और उद्योग क्षेत्र में पढ़ा-लिखा था, मगर मुझे उससे जुड़ा एक भी विभाग नहीं दिया गया और एक भी संसदीय कमेटी का हिस्सा नहीं बनाया गया। मुझे कानून मंत्रालय दिया तो गया, मगर ईमानदारी से काम नहीं करने दिया गया। मुझे हिंदू कोड बिल के कार्य को पूरा नहीं करने दिया गया। केवल मुसलमानों की चिंता की गई, लेकिन एससी और एसटी को उचित संरक्षण प्रदान नहीं किया गया।

कांग्रेस पार्टी देश भर में भाजपा के खिलाफ प्रेस कांफ्रेंस का नाटक कर रही है। जिस कांग्रेस ने देश के महान सपूत डॉ भीम राव अंबेडकर का हमेशा से ही अपमान किया और उन्हें संविधान सभा का सदस्य तक नहीं बनने दिया, आज वह बाबा साहब के प्रति प्रेम का दिखावा कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

कॉलमब्स कारमेल एसेंबली स्कूल का वार्षिक महोत्सव सम्पन्न

बोकारो/बिभा संवाददाता। चंदनक्यारी सिल्फोर राजातांड स्थित संत कॉलमब्स कारमेल एसेंबली स्कूल का वार्षिक महोत्सव सह स्थापना दिवस बहुत ही हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। इसका भव्य आयोजन विद्यालय के प्रांगण में मनाया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवम अभिभावक गण मौजूद रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चन्दनकियारी विधायक उमाकांत रजक एवम बोकारो रक्तवीर परिवार के संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा की उपस्थिति में बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दिया। इस अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने कहा की इस ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे स्कूलों को होना बहुत ही जरूरी है, यहाँ पर ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके इसके लिए विद्यालय को प्रयत्न करना पड़ेगा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका राजलक्ष्मी मुख़र्जी ने कहा की विद्यालय का एक ही लक्ष्य है अच्छी शिक्षा प्रदान करना। वार्षिक महोत्सव को सफलता पूर्वक संपन्न करने में स्कूल की मेधा (एचओडी), दीपक, सोमनाथ, अजीत, अनु, पिंकी, सुजाता, संध्या, शिवानी, माधुरी, शिप्रा, हरजीन्दर, पूर्णिमा सहित सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

सखा सहयोग सुरक्षा समिति ने 125 कंबल का वितरण किया

बोकारो/बिभा संवाददाता। प्रत्येक वर्षो की भांति इस वर्ष भी सखा सहयोग सुरक्षा समिति के ओर से समिति के संरक्षक सह महामंत्री बीके चौधरी जी के नेतृत्व पर आज टु टैन्क गार्डेन पर गरीब गुरबाओ महिला और पुरुषों के बीच 125 कंबलो का वितरण किया गया। श्री चौधरी ने बताया कि समिति के विविध कार्यक्रमों ब्लड डोनेशन, छठ व्रतियों महिलाओं के लिए चाय, फल फूल इत्यादि का वितरण, होली मिलन समारोह, ईद के मौके पर इफ्तार पार्टी, चिडका धाम जाने वाले कांवरियों के लिए चाय, बिस्कुट इत्यादि का वितरण के साथ ही साथ ठंड में कंबल वितरण का भी आयोजन करते आया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन /एच आर) राजन प्रसाद, विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) हरि मोहन झा, मुख्य महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) कुन्दन कुमार, महाप्रबंधक (आई आर) प्रभाकर कुमार विशेष रूप से उपस्थित होकर मनोबल बढ़ाने का काम किया। मुख्य अतिथि राजन प्रसाद ने समिति के कार्यो का भूरि भूरि प्रशंसा की एवं समिति को जितना भी प्रशंसा की जाय कम है, उन्होंने खुद समिति को यथा संभव मदद करने का भरोसा दिलाया। मुख्य महाप्रबंधक हरि मोहन झा ने भी अपने संबोधन में कहा कि नारायण को किसी ने नहीं देखा है, लेकिन समिति अगर नर के रूप में समय समय मदद किया जाय, मानो नारायण का ही सेवा कर रहे हैं, समिति के विविध कार्यक्रमों को भूरि भूरि प्रशंसा की, मंच का संचालन समिति के वरीय सदस्य पूर्व वरीय प्रबंधक विजय कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष उदय चन्द्र कुम्भकार, शंकर कुमार, एनके सिंह, आई अहमद, अभिमन्यु मांझी, सुभाष चंद्र महतो, बी एन तिवारी, प्रमोद कुमार, के के मंडल, रामदेव प्रसाद, जितेन्द्र सिंह, तुलसी महतो, अरविन्द कुमार, सत्येंद्र कुमार, मुन्ना , शिव नाथ इत्यादि का सराहनीय योगदान रहा।

मिथिला अकादमी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

बोकारो/बिभा संवाददाता। मिथिला अकादमी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉक्टर अशोक सिंह, अध्यक्ष हरिमोहन झा सीजीएम पर्सनल सेल (बीएसएल), विद्यालय सचिव प्रमोद कुमार झा चंदन,प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। प्रदर्शनी में फंक्शनल एवं नन फंक्शनल मॉडल का प्रदर्शन कर स्कूली बच्चों ने अतिथियों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी में लगे मॉडल की बारी-बारी से डॉ० अशोक सिंह , श्री हरिमोहन झा प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने अवलोकन किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों ने जो मॉडल प्रस्तुत किया है, वह बेहद कबिले तारीफ है इनमें वैज्ञानिक सोच दिखती है। उन्होंने बच्चों को इस सीख का भविष्य में फलाफल मिलने की बात कही। प्रर्दशनी में विशेष रूप से ब्रह्माण्ड , टेशला टावर , फैराडे केज , वाईफाई रोबोट, ऑटोमेटिक इरिगेशन, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट , होम सिक्योरिटी सिस्टम, फायर डिडक्टर, इन वन सेंसर, हिंदी साहित्य जीवनी को मॉडल बनाकर प्रस्तुत किया। सचिव श्री प्रमोद कुमार झा ने बच्चो के इस प्रयास को अतुलनीय बताया उन्होंने बताया की बच्चो की कल्पना की कोई सीमा नहीं है ।प्राचार्य अशोक कुमार पाठक ने छात्रों की रचनात्मक कौशल और नवीन विचारधाराओं के लिए सराहना की।

डीआईपी मजदुर की 10 सुत्री मांगो को लेकर चल रही घरना वर्ता के बाद समाप्त

बोकारो/बिभा संवाददाता। इलेक्ट्रो स्टील वेदांता कंपनी के डीआईपी मजदूर की वेतन वृद्धि सहित 10 सूत्री मांगों को लेकर चल रही धरना मंगलवार को कंपनी प्रबंधन व मजदूर प्रतिनिधि मंडल के साथ घंटो वार्ता चलने के बाद समाप्त हो गई। वार्ता सोहार्द पूर्ण रही। वार्ता में कंपनी के सीईओ रवि शर्मा पी आर ओ हेड संजय सिन्हा तथा मजदुर प्रतिनिधिमंडल युधिष्ठिर हजरा, इस्लाम अंसारी, संतोष महतो, राजीव रंजन दुबे, जयप्रकाश बाउरी, अनुज दास, अजय महतो, जमीर खान, संतोष महतो, मिथुन गोराई, सिद्धू रजवार, रफीक अंसारी, लुकमान अंसारी, रंजीत महतो आदि लोग शामिल थे।

बोकारो में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, अमित शाह के बयान के खिलाफ सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सम्मान मार्च बोकारो उपायुक्त कार्यालय के समक्ष से निकाला गया। जिलाध्यक्ष सहित नेता कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर फुल माल्यार्पण करते हुए उपायुक्त कार्यालय के समक्ष नुक्कड़ सभा के माध्यम से बाबासाहेब अंबेडकर जी पर आपत्तिजनक और अपमानजनक टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद भवन में किए जाने की विरोध में सार्वजनिक माफी मांगने और और मोदी जी से गृह मंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग करते हुए बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला गया।मौक़े पर श्री गुप्ता ने जोरदार विरोध करते हुऐ कहा कि 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है. बीजेपी हमेशा से लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती. इस बार तो हद ही पार कर दी. संविधान के पचहत्तर वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के दलों ने संसद में सरकार से संविधान पर चर्चा की मांग रखी. अडानी, मणिपुर, संभल जैसे मामलों पर सदन में बहस की मांग लगातार ठुकराए जाने के बाद प्रतिपक्ष की संविधान पर चर्चा की मांग मान ली गई. इस मौके पर कांग्रेस समेत सभी दलों ने सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की प्रतिबद्धता याद दिलाई. समता, समानता और न्याय के डॉ. अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की सलाह बीजेपी को कतई रास नहीं आई. सत्तापक्ष ने लगातार विपक्ष को बोलने से रोकने की कोशिश की. यही नहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. अंबेडकर का अपमान कर संघ और बीजेपी की मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी.अमित शाह ने कहा कि ₹अभी एक फैशन हो गया है - अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर । इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।"

आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत बीजेपी की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और बैसाखी सरकार बना कर लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया था.लेकिन बीजेपी ये खीज अब संविधान निर्माता पर निकाल रही है और बाबा साहेब का अपमान किया गया है. लेकिन दुख की बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमित शाह को सीख देने के बजाय आरोप- प्रत्यारोप की राजनीति तेज कर दी। कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष ने पीएम मोदी से अमित शाह के इस्तीफे की मांग की है. लेकिन मोदी सरकार डॉ. अंबेडकर के अपमान को अपराध मानने को तैयार नहीं है. उल्टे बीजेपी ने संसद की कार्रवाई ठप्प रखी. यही नहीं अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस सांसदों के साथ धक्कामुक्की की गई. पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गिरा दिया गया. बीजेपी ने षड्यंत्र के तहत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ संगीन धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करा दी गई।

बीजेपी और उसकी मातृसंस्था हमेशा से डॉ. आंबेडकर और संविधान विरोधी रही है. इन्होंने न सिर्फ संविधान के निर्माण के समय से ही विरोध किया, बल्कि इससे पहले डा. आंबेडकर को चुनाव हरवाया था। कांग्रेस डॉ. आंबेडकर के अपमान को लेकर अमित शाह के इस्तीफे की मांग पर अटल है. जब तक अमित शाह इस्तीफा नहीं देंगे, हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे. बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी अमित शाह द्वारा सार्वजनिक माफी मांगने और मोदी जी से अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग करते हुए बोकारो उपायुक्त महोदय को ज्ञापन सौंपा। मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी हरेंद्र सिंह, इंद्रदेव पासवान,देवाशीष मंडल,मनोज कुमार,नारायण सिंह चौधरी, अशोक मिश्रा, हाजी अब्दुल मलिक, देवेंद्र चौबे, बनमाली बाउरी, अशोक मंडल, इमरान अंसारी,जमील अख्तर, राजाराम गुप्ता, प्रेम राय, रीता सिंह, सतेंद्र यादव, कमरुल हसन, जितेंद्र यादव, प्रेम पासवान, नजीर अहमद, शिबू यादव, बबला राम, नेहा यादव, प्रदीप रजक, संजय सिंह, आशा देवी, नीलू दुबे, अजय शर्मा, घनेश्याम नारायण, अरविंद ठाकुर, कृष्ण यादव, तिलक तुरी, अशोक रजक, पूनम यादव, बिंदु कुमारी, गौतम पाण्डेय, शकुंतला देवी, ए के सुल्तान, सुधीर जायसवाल, ए के सिंह, तापस ओझा सहित जिला, प्रखंड, मंडल, पंचायत के पदाधिकारीगण एवं ऊर्जावान कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

चास में पेयजल आपूर्ति योजना फेज 2 का काम शीघ्र पूरा किया जाए : चैंबर

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी के नेतृत्व में संजीव कुमार अपर नगर आयुक्त नगर निगम चास से उपनगर चास की कई समस्याओं के संदर्भ में मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष ने कहा कि चास पेयजल आपूर्ति योजना फेज 2 का निर्माण कार्य यथाशीघ्र पूरा कराया जाना चाहिए। जल आपूर्ति मीटर लगाया जाए निगम के क्षेत्र में अभी तक पाइपलाइन बिछाने का कार्य संपन्न नहीं हुआ है उसे जल्द से जल्द पूरा किया जाए। संरक्षक संजय वैद ने कहा कि चास उपनगर में भूगर्भ जल स्तर काफी नीचे चला गया है। गरगा नदी में चेक डैम बनवाकर जलस्तर बढ़ने का प्रयास करना चाहिए तथा पेयजल आपूर्ति दिन में दो बार की जानी चाहिए। महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने मांग किया की चास नगर निगम क्षेत्र में अंदर की गलियों में नियमित साफ सफाई करवाई जानी चाहिए नगर निगम द्वारा शौचालय एवं सिवरेज का निर्माण करवाया जाना चाहिए। बायपास रोड में डिवाइडर पर लगी लोहे की रेलिंग का अनुरक्षण कार्य यथाशीघ्र करवाया जाए सड़क पर बैठने वाले सब्जी विक्रेताओं को निगम द्वारा निर्मित मार्केट में ही सब्जी बेचने की अनुमति दी जाए एवम स्ट्रीट लाइट के अनुरक्षण का कार्य नियमित रूप से करवाया जाना चाहिए। चास में बस स्टैंड का बस स्टैंड का पुनरुत्थान करके सही रूप से ठीक करवा कर आरंभ किया जाए। चास निगम क्षेत्र में घुसने वाले आवारा पशु विशेष कर सांड को कांजी हाउस भिजवाया जाए। आवश्यकता पड़ने पर निगम क्षेत्र में कांजी हाउस का निर्माण करवाया जाना चाहिए निगम क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं की जानकारी एवं उनके समाधान हेतु एक व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाना चाहिए ।अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार ने सभी मुद्दों पर विचार विमर्श किया तथा कहा कि चास में पेयजल आपूर्ति योजना फेज 2 के द्वारा जल आपूर्ति का काम मार्च महीने में आरंभ कर दिया जाएगा तथा अन्य समस्याओं पर तथा शीघ्र कार्य पूरा किया जाएगा। अपर नगर आयुक्त ने सभी व्यापारियों से अनुरोध किया की चैंबर कार्यालय में आयोजित तीन दिवसीय शिविर में ट्रेड लाइसेंस बनवा लें।मौके पर मनोज चौधरी संजय वैद ,राजकुमार जायसवाल, सिद्धार्थ पारीख ,राजेश पोद्दार, अंकित चोपड़ा, सिद्धार्थ जैन, राजीव कुमार शहीद कई अन्य व्यापारी मौजूद थे।

खुला सिगरेट की बिक्री करना चेतावनी चित्र का उल्लंघन है

बिभा संवाददाता

बोकारो। माराफारी थाना प्रभारी आजाद खान के निर्देशन में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 (कोटपा-2003) की धारा 4 व 6ए, 6बी के तहत छापामारी माराफारी थाना क्षेत्र के झोपडी कालोनी, रितुडीह, आजाद नगर, सिवन्डीह बोकारो में की गई। जिसमें 83 दुकानों की जांच की गई। जांच के क्रम में जो भी व्यक्ति व दुकानदार कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुये पाया गया उसको कोटपा-2003 की धारा 4, 6ए एवं 6बी के अन्तर्गत कुल 15 दुकानों व व्यक्तियों का चालान काटकर 3000 रू अर्थदन्ड की वसूली की गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 की विभिन्न धाराओं का अनुपालन करने हेतु बोकारो जिला के सभी थाना क्षेत्र में लगातार अभियान जारी है। कोटपा-2003 की धारा 6ए (18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को तम्बाकू बेचना या बिचवाना दण्डनीय अपराध है का बोर्ड सभी दुकानदार अपने दुकानों पर लगायें अन्यथा कोटपा-2003 की धारा 6ए के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी। सभी दुकानदारो को सख्त निर्देश दिया गया है कि वह लोग खुली

यानी लूज सिगरेट न बेचे जिसको भी बेचे पैक सिगरेट ही बेचे अन्यथा लूज सिगरेट बेचने पर दण्डनात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 की धारा-7 की उपधारा (2) के अनुसरण के तहत झारखण्ड राज्य में विनिर्दिष्ट चेतावनी (कैंसर वाला चित्र) के बिना किसी भी प्रकार के तम्बाकू उत्पाद/सिगरेट/खुली सिगरेट की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध है। उक्त अधिनियम की धारा-7 की उपधारा-2 का उल्लंघन कोटपा-2003 की धारा 20 के अन्तर्गत दन्डनीय अपराध है। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 की धारा 5 के अन्तर्गत किसी भी तम्बाकू उत्पाद का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विज्ञापन करना प्रतिबन्धित है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, माराफारी थाना के एस0आई0 कुनाल के साथ छापामारी दस्ता उपस्थित थे।

बोकारो के गणेश वेंकटेश झारखंड हैंडबॉल टीम का करेंगे प्रतिनिधित्व

बोकारो। केरल में 26 से 29 दिसंबर तक होने वाले 53 वीं सीनियर नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली झारखंड टीम में बोकारो के गणेश वेंकटेश चयनित किए गए हैं। इसकी जानकारी बोकारो हैंडबॉल एसोसिएशन के सचिव आई अहमद ने दी। बताया कि कठिन परिश्रम एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर गणेश वेंकटेश का चयन झारखंड टीम के लिए हुआ है। झारखंड की टीम मंगलवार को जमशेदपुर से केरल के लिए रवाना होगी। गणेश वेंकटेश के चयन पर बोकारो सहित झारखंड के खेल जगत में हर्ष का माहौल है। श्री वेंकटेश को बधाई देने वालों में मुख्य रूप से बोकारो जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष राम लखन मिस्त्री , उपसचिव राजेश कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष मिथिलेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष टी सी घोषाल, प्रदीप उपाध्याय, ज्योति कुमार रावत, मुकेश कुमार, संजीव कुमार, वंदना, मीरा मिश्रा, विकास कुमार सोनी, यश कुमार, जुगनू सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

रजिस्ट्रेशन से वंचित छात्रों ने किया सड़क जाम

बिभा संवाददाता

बोकारो। सेक्टर 2 स्थित हाई स्कूल लकड़ाखंडा स्कुल मे दसवीं कक्षा के छात्रों का रजिस्ट्रेशन नहीं होने से सैकड़ों छात्रों ने अपने समर्थको तथा परिजनों के साथ दूंदीबाग बाजार चौक को जाम कर दिया जिसके बाद पूरी तरह यातायात बाधित हो गई.छात्रों की माने तो रजिस्ट्रेशन नहीं होने के पीछे उनके उपस्थिति स्कुल द्वारा कम बताई जा रही है. जबकि नामांकित छात्रों के स्कूल मे बैठने की व्यवस्था नहीं है. जब सीट भर जाता है तो स्कुल का गेट भी जगह नहीं है कहकर बंद किया जाता है. ऐसे मे 400 छात्रों का रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा है. मालूम हो बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने विभागीय अधिकारियो के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिया था, इसके बाद भी छात्रों का भविष्य खतरे मे इसलिए है की उनके रजिस्ट्रेशन नहीं होंगे तो वे परीक्षा से वंचित हो सकते है. उग्र छात्र, छात्राओं ने सड़क जाम कर मार्ग को अवरुद्ध कर दिया तथा वरीय अधिकारियो को बुलाने की मांग पर अड़े रहे. मौके पर पहुंची पुलिस समझाने बुझाने मे जुटी हुई है।

प्रेम, सद्भाव और खुशियां फैलाना ही सच्चा सेलिब्रेशन : प्राचार्य डॉ. गंगवार

बिभा संवाददाता

बोकारो। दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो का पूरा परिसर मंगलवार को क्रिसमस कैरोल से गूंजता रहा। क्रिसमस और नववर्ष का उत्सव विद्यालय में धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशेष एसेंबली आयोजित की गई। विद्यालय की प्राइमरी और सीनियर, दोनों ही इकाइयों में इस दोहरे उत्सव का भरपूर उत्साह देखा गया। जगमगाते क्रिसमस ट्री और सितारों की आकर्षक सजावट के बीच छात्र-छात्राओं ने सुरीले गायन व नृत्य प्रस्तुतियों से वातावरण में उमंग तथा जोश का संचार कर दिया। सीनियर विंग में विद्यार्थियों ने आर्केस्ट्रा के साथ क्रिसमस कैरोल गाए और जिंगल बेल, जिंगल बेल, जिंगल ऑल द वे... कैरोल पर ऊर्जावान

नृत्य-प्रस्तुति से सबकी भरपूर तालियां बटोरीं। उनके साथ सांता क्लॉज के वेश में सजे बच्चों ने झूम-झूमकर अपनी प्रस्तुतियों से सबको खूब लुभाया। उन्होंने विद्यार्थियों के बीच टॉफियां भी बांटीं। इधर, विद्यालय की प्राइमरी इकाई में नन्हें छात्र-छात्राओं ने भी उत्साह, जोश और ऊर्जा के साथ क्रिसमस मनाया। पूरे विद्यालय परिसर को फूल, क्रिसमस ट्री, टिमटिमाते बल्बों, पोस्टरों, घंटियों, स्नोमैन और सितारों से सजाया गया। एसेंबली में लाल टोपी पहने हजारों विद्यार्थियों का जुटान अपने-आप में रमणीक बना रहा। शिक्षकों ने भी क्रिसमस कैप पहनकर बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया। इस क्रम में छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने गीत गाए और क्रिसमस के गानों पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किए। सांता क्लॉज का रूप धरे नन्हें छात्र-छात्राओं की मासूमियत और अदाकारी भी खास लुभावनी बनी रही। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि क्रिसमस आज एक वैश्विक त्योहार बन चुका है। यह हमें प्रेम, स्नेह, सद्भावना और मानवता की रक्षा का संदेश देता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षकेत्तरकर्मियों को क्रिसमस एवं आगामी नववर्ष 2025 की अग्रिम शुभकामनाएं दी। सदैव दूसरों की मदद तथा सभी का आदर-सम्मान करने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि स्नेह, सद्भावना और खुशियां फैलाना ही वास्तव में क्रिसमस सेलिब्रेशन है।

डीपीएस चास, बोकारो में 5 वाँ वार्षिक खेल दिवस 'स्पर्धा'-2024 आयोजित

बिभा संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास, बोकारो में पाँचवाँ वार्षिक खेल दिवस समारोह 'स्पर्धा' मंगलवार को एथलेटिक्स और खेल कौशल के जीवंत प्रदर्शन के साथ आयोजित किया गया जिसने छात्रों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। इसमें 809 अंकों के साथ सतलज सदन पहले, 749 अंकों के साथ गंगा सदन दूसरे और 686 अंकों के साथ यमुना सदन तीसरे स्थान पर रहे। बेस्ट एथलीट के रूप में समूह दूसरी से पाँचवीं के बालक वर्ग में विनोद तथा तथा बालिका वर्ग में तन्वी, समूह षष्ठ से आठवीं के बालक वर्ग में अनमोल कुमार तथा तथा बालिका वर्ग में कृतिका कृष्णन समूह नौवीं से बारहवीं के बालक वर्ग में सोमोदीप चैधरी बालिका वर्ग में अक्षरा कुमारी को चुना गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय

की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन थीं। अन्य गणमान्य अतिथियों में विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन-एन मुरलीधरन, डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव-सुरेश अग्रवाल, निदेशिका-डॉ. मनीषा तिवारी सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि के गर्मजोशी से स्वागत के साथ हुई, जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। 'स्पर्धा', जो उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर यात्रा का एक उपयुक्त प्रतिबिंब है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा न केवल शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया गया बल्कि व्यक्तित्व और चरित्र विकास के महत्व पर भी जोर दिया गया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने कदम-ताल, मास ड्रिल और एथलेटिक्स में अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न खेल-प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उनमें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सौहार्द की भावना स्पष्ट थी। सीनियर विंग के छात्रों के नृत्य प्रदर्शन ने कार्यक्रम में कलात्मकता का स्पर्श जोड़ा। म्यूजिकल चेयर में शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि डॉ. मोहन ने कहा कि खेल शिक्षा का एक महत्त्वपूर्ण अंग ही नहीं बल्कि स्वयं में सम्पूर्ण शिक्षा है। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए खेल जरूरी है। उन्होंने बच्चों को शैक्षणिक के साथ-साथ सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके प्रोत्साहन के शब्द पूरे कार्यक्रम में गूँजते रहे, जिससे छात्रों को उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की प्रेरणा मिली। प्रो. वाइस चेयरमैन-एन मुरलीधरन ने कहा कि खेल हमें स्वस्थ रखने के साथ-साथ करियर बनाने का भी विकल्प देता है। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक एथलीट विद्यार्थी ने जीत या हार के बावजूद अविश्वसनीय खेल भावना दिखाई है। इस खेल दिवस की यादें और सबक उन्हें न केवल खेल में, बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यालय की निदेशिका डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि वार्षिक खेल दिवस केवल मैदान पर जीत के बारे में नहीं है; यह प्रत्येक छात्र द्वारा की गई सह-शैक्षणिक प्रगति का उत्सव है। यह खेल दिवस बच्चों को लक्ष्य के प्रति सजग रहने व जोशपूर्वक कार्य करने की सीख देता है जो बच्चों के भीतर गूँजता रहेगा। विद्यार्थियों ने न केवल खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, बल्कि शारीरिक व मानसिक संतुलन की भावना का भी प्रदर्शन किया है। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों ने मेडल व प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया। समारोह का संचालन विवेक कुमार व शिप्रा द्विवेदी के निर्देशन में कक्षा-नौवीं के कुमार मंगलम, स्नेहा कुमारी, रिषुराज कुमार .तथा कृशांक तरेनिया ने किया।

क्रिसमस उत्सव पर एमजीएम स्कूल में मेरी मीटिंग का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में क्रिसमस उत्सव पर मेरी मीटिंग का आयोजन किया गया। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि परमेश्वर ने मानव कल्याण के लिए अपने इकलौते पुत्र को धरती पर भेजा। प्रभु यीशु मसीह धरती पर अवतरित हुए। प्रभु ने मानव को कष्ट से मुक्ति दिलाई। प्रभु यीशु ने लोगों को दया, प्रेम, अहिंसा व आपसी सद्भाव का संदेश दिया। प्रभु के उपदेश को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। संत मेरी स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर दीनू एम डैनियल ने कहा कि प्रभु यीशु ने लोगों को अपने शत्रुओं को माफ करने एवं करुणा की सीख दी। प्रभु के बताए मार्ग का अनुसरण करने

से जीवन में खुशहाली आएगी। विद्यालय के शिक्षकों व क्वायर ग्रुप ने क्रिसमस कैराल प्रस्तुत किया। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल, संत मेरी स्कूल व बालवाड़ी के शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के अलावा सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मनोरंजक खेलकूद में भाग लिया। लोगों ने नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया। लोगों ने आपस में क्रिसमस की खुशियां बांटीं।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त ने नीति आयोग अंतर्गत अवार्ड मनी से निर्मित योजनाओं का औचक निरीक्षण किया

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने नीति आयोग अंतर्गत अवार्ड मनी से निर्मित योजनाओं का औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने सर्वप्रथम कुडू प्रखंड के जीमा पंचायत में डेयरी यूनिट का निरीक्षण किया जिसमें उन्होंने योजना के अधिष्ठापन की प्रगति का अवलोकन किया। यूनिट में उत्पादन हेतु अधिष्ठापित मशीनों की गुणवत्ता संबंधित जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त द्वारा इसके उपरांत किस्को प्रखंड में नीति आयोग योजना मद अंतर्गत 1.71 करोड़ रुपये की राशि से निर्मित 45 बेड के छात्रावास, इंडोर जिम का निरीक्षण किया। इसमें जिम में इस्तेमाल किये गये उपकरणों के गुणवत्ता का भी अवलोकन किया व आवश्यक निर्देश जिला योजना पदाधिकारी को दिए। आज इस मौके पर जिला योजना पदाधिकारी संजीव कुमार सिंह, सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, पीपीआइएफेलो आदि उपस्थित थे।

बड़की चांपी पंचायत भवन प्रांगन में पेशा दिवस कार्यशाला का आयोजन

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। जिले के कुडू प्रखंड क्षेत्र के बड़की चांपी पंचायत भवन प्रांगन में मंगलवार 24 दिसंबर पूर्वाहन11:00 बजे पंचायती राज विभाग भारत सरकार का पत्रांक DO.NO M-11015/322/2024-Policy दिनांक 16-12-2024 एव पत्रांक M-11015/ 157/ 2024- PESA दिनांक 18-12-2024 के आलोक में पेशा 1996 का झारखण्ड पंचायती राज अधिनियम 2001 अनुसूचित क्षेत्र के तहत सभी विषयो से सम्बधित प्रावधान तथा शक्तियों के बारे में जानकारी हेतू पेशा दिवस कार्यशाला का आयोजन ग्राम प्रधान बड़की चाँपी एतवा उराँव की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर बड़की चाँपी पंचायत के मुखिया राजधन भगत,पंचायत सचिव जीतवाहन उरांव,बड़की चाँपी पंचायत के उप मुखिया हेना तिवारी,वार्ड सदस्य गीता भगत,अनिता लकड़ा, परमेश्वर उराँव, ग्राम प्रधान एतवा उरांव, ग्राम प्रधान होटवार जितवाहन मुंडा, ग्राम प्रधान जरियो हरिश्चंद्र उरांव ,ग्राम प्रधान चुन्द् पाकर टोली घुरामल उराँव, सहयोगी सुभाष साहू,वीएलई राहुल साहू,मेठ शांति देवी, ग्रामीण रणजीत तिवारी, रमेश महतो, राहुल साहू ,अनिरुद्ध महतो, बबली देवी, लीला देवी ,चरकी देवी , संगीता कुमारी,संतोष पांडेय,देवाशीष कुमार,लालचंद मोची, फूलमैत देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बॉक्साइट ट्रकों को परमिट नहीं मिलने पर होगा आंदोलन : ट्रक ऑनर एसोसिएशन

लोहरदगा/बिभा संवाददाता। गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक ऑनर एसोसिएशन विमरला का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को लोहरदगा जिला परिवहन पदाधिकारी सुधीर प्रकाश एवं मोटर यान निरीक्षक गौतम कुमार से मिला एवं मांग पत्र सौंपा ,मांग पत्र सौंपते हुए एसोसिएशन ने यह कहा है कि प्रादेशिक परिवहन प्राधिकार रांची के द्वारा 15 वर्षों से पुराने व्यावसायिक वाहनों को रोड परमिट नहीं दिया जा रहा है जबकि उन्हें वाहनों से रोड टैक्स वसूला जा रहा है और परमिट रोके जाने का स्पष्ट कारण नहीं बताया जा रहा इसलिए एसोसिएशन ने जिला परिवहन पदाधिकारी से आग्रह किया है कि किस कारण से परमिट रोके गए हैं हमें अवगत कराया जाए क्योंकि लोहरदगा गुमला लातेहार गरीब आदिवासी बहुत क्षेत्र है और ट्रक यहां की लाइफ लाइन है और यहां की व्यवसाय की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं है और एक ओर परिवहन विभाग परमिट नहीं दे रहा है और दूसरी ओर विभाग कंपनी को दबाव डालकर गरीब मालिकों को तंग करा रहा है और एक ओर परमिट नहीं दे रहे हैं और कहा जा रहा है की पुरानी गाड़ियों का री रजिस्ट्रेशन कराईए, जबकि लोहरदगा में री रजिस्ट्रेशन भी पुराने व्यावसायिक वाहनों का नहीं किया जा रहा है और उन्ही वाहनों को रोक कर फाइन भी लिया जा रहा है, क्या यह न्याय संगत है ?इसलिए एसोसिएशन ने अधिकारियों से मांग की है कि नियमानुसार शीघ्र परमिट निर्गत करने की कृपा करें ,परमिट नहीं मिलने की स्थिति में जोरदार आंदोलन की शुरुआत की जाएगी एवं न्यायालय की शरण में भी जाया जाएगा. आज के इस प्रतिनिधि मंडल में लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, उपाध्यक्ष अभय सिंह ,मोहम्मद गुड्डू ,मोहम्मद बबलू, आफताब आलम गुड्डू राजेश शर्मा एवं झारखंड ट्रक ओनर एसोसिएशन विमरला के सचिव रहमान अंसारी सहसचिव अजमल कुरैशी नीरज कुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता कलेश्वर सिंह के निधन पर भाजपा परिवार ने जताया शोक

कुडु/बिभा संवाददाता। कुडू प्रखंड के भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता सह समाजसेवी ककरगढ़ निवासी कलेश्वर सिंह का मंगलवार सुबह निधन हो गया है। बताया जाता है कि वे पिछले कई महीनों से बीमार थे। इधर शोक संवेदना प्रकट करने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, प्रदेश के वरिष्ठ ओम प्रकाश सिंह,उपाध्यक्ष नवीन कुमार टिंकु, अजय पंकज, पशुपतिनाथ पारस, अनिल उरांव, बालकृष्णा सिंह, वरिष्ठ सुदामा प्रसाद, विश्वजीत भारती, विवेक सोनी, अशोक साहू, राजकुमार मुंडा,विवेक चौहान, सचिन सिंघानिया,सजल कुमार, बाल्मिकी कुमार, प्रकाश नायक, यदुनंदन तिवारी, पंकज भारती, शशि कुमार,वरुण बैठा एवम् अन्य भाजपाई शामिल हैं।

ग्रामीण कार्य विभाग प्रमंडल कार्यालय में पीएमजीएसवाई का रजत जयंती मनाया गया

पीएमजीएसवाई का सड़क निर्माण से गाँवों का हुआ विकास : जयप्रकाश सिंह

बिभा संवाददाता

खूँटी। केंद्र सरकार की योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के 25 वर्ष पूरा होने पर शनिवार को खूँटी के कार्य प्रमंडल ग्रामीण कार्य विभाग खूँटी में उपलब्धि समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में झारखंड के ग्रामीण कार्य विभाग अभियंता प्रमुख जयप्रकाश सिंह और झारखंड के सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रक सुबोध कुमार पासवान विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं रोड कनेक्टीविटी प्रोजेक्ट पर जागरूकता सप्ताह योजना की शुरुआत की गयी। जिसके कार्यक्रम में आज उपलब्धि पर जानकारियाँ दी। इस रजत जयंती समारोह का अभियंता सुशील कुमार झा की अध्यक्षता में कार्यक्रम की गयी। जिन्होंने आगंतुक मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का पुष्प कुछ देकर सम्मानित किया।

मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अभियंता प्रमुख जयप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने की थी। तब से आज तक 31000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया है। वहीं खूँटी में हमने 1394.32 किलोमीटर सड़क बनवाया है। और इस बार लगभग 100 किलोमीटर सड़क निर्माण करने का कार्यान्वयन हो रहा है। और पूरे झारखंड के में सड़क निर्माण की बात की जाए तो 2800 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि खूँटी में सड़क निर्माण होने से नक्सली गतिविधि कम हुई है लोगों को सुविधा मिला है विशेष कर बच्चियों को विकास में लड़कों के बराबरी का दर्जा जैसा लाभ मिला जिससे उन्हें साइकिल मिली और विद्यालय जाने में सुविधा हुई है।

मौके पर झारखंड के सांख्यिकीय गुणवत्ता नियंत्रक सुबोध कुमार पासवान ने कहा कि उलिहातू कनेक्टिविटी प्लान के तहत सड़कों का निर्माण कराया जाना है। जिसकी शुरुआत खूंटी के उलिहातु में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आई थी इस समय ही ब्लूप्रिंट तैयार हो चुका था। जिसमें उलिहातु कनेक्टिविटी प्लान तैयार किया जा चुका है। इस सड़क के निर्माण से अनेक गाँवों का विकास होगा। वहीं सड़कों के निर्माण की बात कही जाए तो सड़क निर्माण होने से अब आगमन बड़ा है चिकित्सा और शिक्षा सेवा अच्छी मिलने लगी है।

इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कार्यपालक अभियंता सुशील कुमार झा ने कहा कि एक समय ऐसा था कि सर्वो घाटी में चल पाना मुश्किल था। वही खूंटी जिले के रनिया प्रखंड से मनोहरपुर के सीमा क्षेत्र तक सड़क निर्माण होकर लोगों को आवागमन में सुविधा मिला है। मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष ने बतायी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई में सड़कों का जाल पूरे झारखंड में ही नहीं पूरे देश में बन गया है। इधर-उधर पांच वर्षों में दूरस्थ इलाके तक काफी सड़क बनी है। सड़क निर्माण होने से किसानों, मरीजों और विद्यार्थियों को आवागमन के लिए अब उतनी दिक्कतें नहीं होती है। वहीं अनेक ग्रामीणों ने सड़क निर्माण से होने वाली सुविधाओं और उसमें सुधार की आवश्यकता पर अपनी अपनी बातें रखी। इस कार्यक्रम में मनीष केसरी, संवेदक अंकित कुमार शुक्ला, गुड्डू जायसवाल, विभागीय अभियंता गण, एवं कार्यालय के कमी तथा अनेक संवेदक व आमजन उपस्थित थे।

सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिभा संवाददाता

दुमका। सुशासन सप्ताह-प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत काठीकुंड प्रखंड के बड़ाचापुड़िया पंचायत में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर लाभुकों से आवेदन प्राप्त किये गए साथ ही लाभुकों के कई समस्याओं को मौके पर ही समाधान कर दिया गया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे ने कहा कि राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं को दूर करने के लिए कृतसंकल्पित है। सरकार आपके लिए ही योजनाएं बनाती है ताकि आपके जीवन में बदलाव आए।जब तक आप सभी जागरूक होकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं लेंगे तब तक योजनाओं का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।कहा कि सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं उसका लाभ अवश्य लें।आपके सुविधा तथा आपको योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आज सभी विभागों द्वारा अपने विभाग का काउंटर लगाया गया है।संबंधित काउंटर पर जाकर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें एवं आवेदन दें।उन्होंने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना का लाभ लें जो भी छुटे है वे आवेदन दें।माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेश पर मंईया सम्मान योजना के लाभुको को 2500 रुपये मिलेंगे।कई भी योग्य लाभुक अगर मंईया सम्मान योजना लाभ लेने हेतु आवेदन नहीं किए हैं तो वे संबंधित काउंटर पर जाकर अवश्य आवेदन करें।कहा कि वैसे लाभुक जिन्हें पेंशन योजना का लाभ नहीं मिल रहा है तो आवेदन करें आपको लाभ अवश्य मिलेगा।इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से भी बात की। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से आंगनबाड़ी खुल रहा है अथवा नहीं इसकी जानकारी प्राप्त की, डीलर द्वारा राशन दिया जा रहा है अथवा नहीं इसके बारे में पूछा।

इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष जॉयस बेसरा ने कहा कि पूरा प्रशासन आपके बीच मे है। आप सभी को अगर किसी प्रकार की समस्या है तो उसकी जानकारी दें,आपकी समस्याओं को नियमानुसार ढंग से अविलंब दूर किया जाएगा। कहा कि आधार कार्ड में गड़बड़ी राशन, पेंशन नहीं मिल रहा है सहित अगर अन्य कोई समस्या है तो अपना आवेदन आज ही संबंधित विभाग के स्टॉल पर जमा करें। इस आयोजन का उद्देश्य है कि सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से आपको जोड़ा जा सके। अगर आपके किसी सरकारी दस्तावेज में कोई गरबड़ी है तो सुधार करा लें।कागज को सुधार कर रखे।

भाजपा आज मनाएगी सुशासन दिवस, याद किये जायेंगे वाजपेयी

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी जिला कमिटी द्वारा जिला अध्यक्ष मनीर उराँव की अध्यक्षता में सदर प्रखंड के ब्रांटपुर गांव के खेल मैदान में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई जायगी। इसकी जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी विजय सोनी ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री सह राज्य सभा सांसद प्रदीप वर्मा एवम प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जिला महामंत्री संजय प्रसाद ने इसकी जानकारी देते हुए जिला के सभी वरिष्ठ सदस्यों,सभी पूर्व जिला अध्यक्ष, जिला कमिटी के पदाधिकारियों ,सदस्यों एवम मंच मोर्चा के सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

ईंट भट्टे खत्म कर रहे नदी तटों का अस्तित्व : प्रमुख गायत्री देवी

बिभा संवाददाता

पलामू। जिला मुख्यालय मेदिनीनगर से सटे चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के बूढ़ीवीर पंचायत के टोला ईटकों में चल रहे ईट भट्ठे का प्रखंड प्रमुख गायत्री देवी ने मंगलवार औचक निरीक्षण किया। प्रमुख गायत्री ने कहा कि संचालक अजय चौधरी के जरिये ईट भट्ठे के बगल से गुजरी तहले नदी का क्षेत्रफल के अनुसार दोहन किया जा रहा हैं।

संचालित ईट भट्ठे का मौज़ा ईटकों खाता सं-29, प्लॉट सं-1 का रकबा एक एकड़ बीस डिसमिल हैं लेकिन अजय चौधरी द्वारा नदी की भरावट कर ईट भट्ठे का क्षेत्रफल अवैध तरीके से बढ़ाया गया हैं, लेकिन प्रशासन का हमेशा आना जाना उस रास्ते लगा रहता है, लेकिन ईट भट्ठा संचालक द्वारा प्रशासन के साथ आंख मिचौली कर नदी का कुछ अवैध तरीके से कब्जा कर ईट भट्ठा संचालित किया जा रहा हैं। अवैध कनेक्शन लेकर मोटर पम्प से पानी भी खींचा जा रहा है। ईंट बनाने के लिए बड़ी मात्रा में भूमिगत जल का दोहन किया जा रहा है। ऐसे में भूमिगत जल का लगातार दोहन से वाटर लेबल भी गिरेगा। संचालक की ओर से मोटर पंप चलाने के लिए विधिवत विद्युत कनेक्शन भी नहीं लिया गया है, जिससे आने वाले भविष्य गांव के ग्रामीणों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन को गंभीरता से लेते हुए नदी का दोहन होने से बचाव करने की जरूरत हैं, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के भविष्य पर कोई संकट उत्पन्न न हो। इधर, इस संदर्भ में ईट भट्ठा संचालककर्ता अजय चौधरी ने कहा कि ईट भट्ठा का संचालन दो एकड़ में किया जा रहा हैं। मेरे द्वारा किसी प्रकार की नदी का दोहन नहीं किया जा रहा हैं।

चरनी में प्रभु येशु ने लिया जन्म चारों ओर क्रिसमस की बढ़ी खुशियाँ

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिलेभर में लोग इसाई समुदाय क्रिसमस मना रहे हैं। यह प्रक्रिया मंगलवार की रात 12:00 बजे येशु मसीह जन्म लेने के बाद खुशियाँ बढ़ गयी और लोग एक दूसरे को येशु सहाय कहकर बधाई दिये। इसके पहले जिसकी तैयारी को लेकर के खूँटी जिले के विभिन्न गिरजाघर में लोग जोर-शोर से लगे हुए हैं। वहीं लोग अपने घरों को सजाने के लिए तरह-तरह के सामानों की खरीदारी किये। गिरजाघर को लाइट से सजा दिया गया है। साथ ही, जगह-जगह चरनी बना दिया गया है। माना जाता है कि ईशा मसीह येरुशलम में एक साधारण परिवार के घर गौशाला में जन्म लिये थे। क्रिसमस पर चरनी यानि गौशाला का विशेष महत्व है। इसलिए उनकी यादगार में जिले के सभी गिरजाघरों में चरनी बनाया गया है। जहाँ आज रात को क्रिसमस के अवसर पर बालक येशु को चूमा गया। खूँटी के रोमन कैथोलिक महा गिरजाघर में रात को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फादर विशु बेंजामिन आईंद ने बताया कि प्रभु येशु बेथलहेम में एक गौशाला में जन्म लिये थे। इसलिए चरनी का एक विशेष महत्व है। वहीं पूरे गिरजाघरों को लाइटिंग से सजा दिया गया है। लाइटिंग का मतलब है जीवन में प्रकाश लाना। इस लाइटिंग सजा के बीच आज रात को गिरजाघर में विशेष प्रार्थना मिश्शा अनुष्ठान के साथ प्रभु यीशु का जन्म का इंतजार किया गया और जब प्रभु यीशु मनुष्य रुप में जन्म लिये तब फिर खुशी खुशी जन्मदिन मनाया गया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार घायल, सदर अस्पताल में भर्ती

लोहरदगा। सदर थाना क्षेत्र के निगनी पेट्रोल पंप के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए 108 एंबुलेंस के माध्यम से सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां घायल का इलाज चल रहा है। गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान नदिया गांव निवासी ठकुरु उरांव के पुत्र पवन उरांव के रूप में हुई है। युवक अपने बाइक में सवार होकर अपनी बाइक से घर लौट रहा था इसी क्रम में पेट्रोल पंप के सभी ठोकर में अनियंत्रित होकर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर लोहरदगा कांग्रेसियों में रोष

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस्तीफा की मांग को लेकर समाहरणालय स्थित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पदयात्रा करते हुए लोहरदगा समाहरणालय के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुखैर भगत ने किया। एवं उपस्थित कांग्रेसजनों ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह का पुरजोर विरोध करते हुए नारेबाजी किया । तत्पश्चात अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन उपायुक्त लोहरदगा के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को भेजा गया। धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि बीजेपी आरएसएस के जीन में ही अंबेडकर का अपमान- भाजपा नेता करते हैं दलितों आदिवासियों अल्पसंख्यको एवं पिछड़ों से घृणा और नफरत। अमित शाह ने लोकतंत्र के मंदिर में बाबा साहब को जिस तरह अपमानित किया वह एक कुंठा और व्देष से भरे मानसिकता वाला व्यक्ति ही कर सकता है। गृह मंत्री जैसे पद पर विराजमान व्यक्ति द्वारा संविधान निर्माता का सरे आम अपमान करना बताता है कि भाजपा के नेताओं में दलितों के प्रति कितनी नफरत और घृणा भरी है दरअसल अमित शाह ने बाबा साहब का नहीं बल्कि देश के करोड़ों दलितों शोषितो वंचितों को अपमानित किया है। उन्होंने हर उस आदमी को अपमानित और जलील करने की कोशिश की है जो न्याय, लोकतंत्र और संविधान में विश्वास रखता है लेकिन इस देश के करोड़ों व्यक्तियों को यह याद रखना पड़ेगा की अमित शाह द्वारा बाबा साहब अंबेडकर का अपमान करना बीजेपी आरएसएस की परंपरा का हिस्सा है संघ की शाखाओं में यही तो सिखाया जाता है गरीबों दलितों आदिवासियों पर अत्याचार करना यह लोग अपना अधिकार समझते हैं। अब देश के दलित शोषितों और आदिवासियों को यह सोचना पड़ेगा की वह उन्हें अधिकार और न्याय दिलाने वाले बाबा साहेब के साथ है या वोट बैंक के तौर पर उपयोग करने वाले मनुवादी विचारधारा भाजपा आरएसएस के साथ है।

इस अवसर पर प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने कहा कि सत्ता का अहंकार बीजेपी के सिर चढ़कर बोल रहा है अमित शाह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान करने के बाद माफी तक नहीं मांगते बल्कि इस मुद्दे से देश का ध्यान भटकाने के लिए बीजेपी धक्का देने वाले मुद्दे को जानबूझकर तूल दे रही है क्योंकि यह लोग देश के लोगों को बेवकूफ समझते हैं लेकिन अमित शाह और उनकी मंडली को याद रखना चाहिए कि इस देश के एससी एसटी ओबीसी और माइनॉरिटी वंचित समाज के लोग अपने भगवान परम पूजनीय बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के अपमान को कभी नहीं भूलेंगे देश के इतिहास को कलंकित करने वाली ऐसी घटना संसद में पहले कभी नहीं हुई जब हजारों वर्ष से प्रताड़ित हो रहे करोड़ों दलितों शोषितों और महिलाओं को न्याय दिलाने वाले मसीहा अंबेडकर जी को इस तरह अपमानित किया गया पूरा देश अमित शाह और बीजेपी से आक्रोशित है।

विश्व हिंदू परिषद ने चलाया धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान

बिभा संवाददाता

चतरा। विश्व हिंदू परिषद के धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान ने मंगलवार को चतरा जिले में गति पकड़ी। इस अभियान के तहत संगठन के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों और विभिन्न वर्गों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिलकर धर्म रक्षा निधि में योगदान देने का आग्रह कर रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य केवल आर्थिक योगदान प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज में धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस अभियान में चतरा सांसद कालीचरण सिंह ने अपनी भागीदारी दर्ज की और धर्म रक्षा निधि में समर्पण देकर समाज को प्रेरणा दी। उनके साथ-साथ जिला मंत्री सुधीर कुमार और बजरंग दल के जिला संयोजक अंकित पांडेय ने भी इस अभियान को नेतृत्व प्रदान किया। दोनों ने बुद्धिजीवियों से बातचीत के दौरान धर्म रक्षा निधि अभियान के महत्व और संगठन की नीतियों पर प्रकाश डाला। धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान में अपनी सहभागिता मुख्य रूप से राजेश पासवान, चंपा देवी और अन्य स्थानीय लोगों ने दी। संगठन के प्रतिनिधियों ने इसे समाज में धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए एक आवश्यक कदम बताया और सभी से इस अभियान में सहयोग देने की अपील की।

महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

ललित गर्ग

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हजार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे

सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति 'विजय पताका' पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक दृष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊचाइयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की दृष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात् पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया।

अटल विहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं दृष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे 'जय जवान जय किसान' में बदलाव किया और 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई दृष्टि एवं दिशा दी। इस दृष्टि से वे एक महान् राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के 'महान सपूतों' की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल विहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेडक्रोस रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है।

भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में वाजपेयीजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र के बदलाव की सोचते रहे, साइनिंग इंडिया- उदय भारत के सपने को आकार देते रहे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। 100वी जन्म जयन्ती पर मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

संपादकीय

व्यापार और दोस्ती

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुवैत के महामहिम अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ अपनी बैठक को उत्कृष्ट बताया। दोनों नेताओं ने व्यापक चर्चा की और भारत व कुवैत के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक विस्तारित हो गए। सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि, फिनटेक, बुनियादी ढ़ांचे और सुरक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। मोदी ने सोशल मीड़िया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, मैं आशावादी हूं कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी विकसित होगी। प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय यात्रा पर वहां गए थे। जो बीते 43 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है। उन्होंने बहुत ही सधे शब्दों में बयान किया, हिन्दुस्तान से यहां आने में चार घंटे लगते हैं मगर प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गये। कुवैत में दस लाख की आबादी वाला भारतीय समुदाय सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। मोदी ने भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया। वे वहां प्रवासियों से भी मिले। यह मोदी का अपना तरीका है। वे अपनी विदेश यात्राओं के दौरान प्रवासी भारतीयों से मिलकर अपनी लोकप्रियता ही नहीं बढ़ाते बल्कि प्रवासियों के विषय में वे खुलकर बात करते हैं और विशाल मंच से भारतीयता तथा देसी यादों का पिटारा भी पेश करने से नहीं चूकते। कुवैत भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता है। देश में कुवैत निवेश प्राधिकरण का निवेश दस अरब अमेरिकी ड़ॉलर से अधिक हो चुका है। कुवैत ने व्यापारिक आयात-निर्यात के लिए मुंबई, कोलकाता, पोरबंदर व गोवा में इन व्यापारिक गतिविधियों के मद्देनजर अपने दफ्तर भी बनाए हैं। मोदी ने उन्नीसवीं सदी में कुवैती व्यापारियों के गुजरात आने का जिक्र भी किया। भारत और कुवैत के अरब सागर के दो किनारों पर बसे होने के बावजूद लंबे समय से रोजमर्रा के प्रयोग की चीजों समेत आभूषणों के व्यापार का आदान-प्रदान होता रहा है। मोदी ने अपनी कूटनीति में व्यापक परिवर्तन दशार्ये हैं। चूंकि इस वक्त भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है, इसलिए अपनी गति बनाए रखने के लिहाज से उसे व्यापक परिवेश में सोचना होगा। देश के दीर्घकालिक हितों व विकास के नये तरीकों के प्रति विशेष रुचि रखते हुए हमें सिर्फ उपभोक्ता बने रहने की बजाए निर्यात के मार्ग भी प्रशस्त करने हैं। विश्व के विभिन्न देशों के साथ व्यापारिक संबंध भारत को तेजी से आगे बढ़ता देखने के लिए जरूरी हैं।

चिंतन-मनन

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे।

तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ?सी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं। ?सा डाल देते हैं कि तुम भूल ही जाते हो कि यहां द्वार है, तुम समझने लगते हो दीवार है। ध्यान का अर्थ है, इस पर्दे को हटाना। और इसे अनायास होने दो इसे कभी-कभी तुम्हें पकड़ लेने दो- और जब तुम्हें यह तरंग पकड़े, तो लाख काम छोड़कर बैठ जाना।

शेख हसीना भारत के गले में हड्डी की तरह फंसी

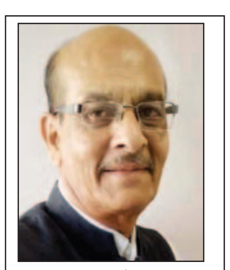
सनत जैन

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने औपचारिक रूप से शेख हसीना को बांग्लादेश वापस भेजने की मांग भारत सरकार से की है। शेख हसीना पिछले 5 महीने से भारत में हैं। बांग्लादेश में उनकी सरकार के खिलाफ तख्ता पलट हुआ था। उन्हें बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा। भारत सरकार ने सुरक्षित रूप से उन्हें बांग्लादेश से निकालकर भारत में शरण दी थी। शेख हसीना भारत में रहकर वर्तमान सरकार के खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रही हैं। बांग्लादेश में हसीना के समर्थक आए दिन वहां पर सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। जिसके कारण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। पिछले 5 महीने में भारत सरकार और बांग्लादेश सरकार के बीच में तनाव बढ़ता चला जा रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर लगातार जो हमले हो रहे हैं और मंदिरों को निशाना बना तोड़ा जा रहा है, उसमें मूल कारण शेख हसीना को भारत सरकार द्वारा शरण दिया जाना है। यही नहीं भारत में बैठकर शेख हसीना द्वारा बांग्लादेश में राजनीतिक गतिविधियों को चलाने का विरोध भी बांग्लादेश की जनता कर रही है। इसी कारण वहां की जनता हिंदुओं के खिलाफ खड़ी हो रही है। हाल ही में भारत के विदेश सचिव बांग्लादेश गए थे, लेकिन वह भी कोई सार्थक परिणाम लेकर वापस नहीं लौटे हैं। बांग्लादेश में अडानी द्वारा महंगी बिजली सप्लाई करने का समझौता किया गया है। इसमें कथित तौर पर शेख हसीना द्वारा भारी भ्रष्टाचार किया गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने अडानी का भुगतान रोक दिया है। उसके बाद से भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच में लगातार दूरियां बढ़ती चली जा रही है। भारत सरकार और बांग्लादेश के बीच अपराधियों की अदला-बदली को लेकर पहले से ही समझौता है। इसी समझौते के तहत बांग्लादेश शेख हसीना को वापस लौटाने की मांग कर रहा है।

शेख हसीना के ऊपर हत्या, अपहरण और देशद्रोह के लगभग 225 मामले दर्ज हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत सरकार को चेतावनी दी है, कि शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंप दिया जाए। अन्यथा बांग्लादेश, भारत सरकार के साथ संबंधों को लेकर कडा रूख अख्तियार करेगा। शेख हसीना के द्वारा किया गया भ्रष्टाचार और तानाशाही वाले रवैये को लेकर बांग्लादेश में उनके खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। आरोप तो यह भी लगा कि बांग्लादेश के चुनाव में भी उन्होंने भारी गड़बड़ी कर बहुमत हासिल किया था। जिसके कारण जनता में उनके प्रति बहुत नाराजी है। भारत सरकार शेख हसीना को भारत छोड़कर किसी अन्य देश में भेज देती, तो भारत और बांग्ला देश के संबंध इतने ज्यादा नहीं बिगड़ते। बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले भी नहीं होते। भारत में जो कुछ मुसलमानो के साथ हो रहा है, वैसी ही प्रतिक्रिया अब बांग्लादेश में हिंदुओं को लेकर हो रही है। इस समय अमेरिका-चीन के रडार पर भारत है। दोनों ही देश भारत को अपने पाले में बनाए रखने के लिए तरह-

तरह की पेंतरेबाजी कर रहे हैं। अमेरिका की निगाह बांग्लादेश के ऊपर है। बांग्लादेश को अमेरिका से जो ताकत मिल रही है। अकारण भारत को उसमें फसना पड़ रहा है। भारत सरकार को चाहिए कि वह शेख हसीना को किसी अन्य राष्ट्र में शरण दिलाने में उनकी मदद करे। भारत से शेख हसीना चली जाएंगी, तो बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में शेख हसीना के कारण भारत सरकार के जो रिश्ते खराब हो रहे हैं, वह सामान्य होना शुरू हो जाएंगे। सरकार को समय रहते हुए सार्थक निर्णय करने की जरूरत है।

रोशनी, प्रेम और सद्भाव का पर्व है क्रिसमस

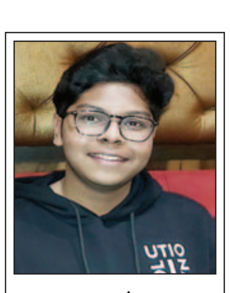
अतुल गोयल

'क्रिसमस' पर्व पूरी दुनिया में 25 दिसम्बर को मनाया जाने ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है। यह पर्व वास्तव में केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है।

मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था। तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ़य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है।

जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता था।

यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया। यहूदियों के इस देश में उस समय रोमन सम्राट हेरोद का शासन था, जो बहुत पापी और अत्याचारी था। हेरोद को जीजस के जन्म की सूचना मिली तो वह बहुत घबराया क्योंकि भविष्यवक्ताओं ने भविष्यवाणी की थी कि यहूदियों का राजा इसी वर्ष पैदा होगा और उसके बाद हेरोद राजा नहीं रह सकेगा। हेरोद ने जीजस की खोज में अपने सैनिकों की टुकड़ियां भेजी लेकिन वे जीजस के बारे में कुछ पता नहीं लगा सके।

घोर गरीबी के कारण जीजस की पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था तो नहीं हो पाई पर उन्हें बाल्यकाल से ही ज्ञान प्राप्त था। गरीबों, दुखियों व रोगियों की सेवा करना उन्हें बहुत अच्छा लगता था। इतना ही नहीं, बड़े-बड़े धार्मिक नेता भी उनके सवाल-जवाबों से अक्सर चकित हो जाते थे। उन दिनों लोग मूर्तिपूजा किया करते थे और सर्वत्र धर्म के नाम पर आडम्बर फैला था। यीशु ने मूर्तिपूजा के स्थान पर एक निराकार ईश्वर की पूजा का मार्ग लोगों को बताया और उन्हें अपने हृदय में आविर्भूत ईश्वरीय ज्ञान का संदेश सुनाया। उनके उपदेशों से प्रभावित होकर उनके शिष्यों की संख्या दिनोंदिन बढ़ने लगी तथा उनकी दयालुता और परोपकारिता की प्रशंसा सर्वत्र फैल गई, जिससे यहूदियों के पुजारी और धर्म गुरू उनके घोर शत्रु बन गए।

एक बार यीशु प्रार्थना कर रहे थे तो उन्हें अपना शत्रु मान चुके यहूदियों के पुजारी व धर्मगुरू उनको पकड़कर ले गए। जब उन्हें न्यायालय में उपस्थित किया गया तो न्यायाधीश ने राजा और धर्मगुरूओं के दबाव में यीशु को प्राणदंड की सजा सुना दी। यहूदियों ने यीशु को कांटों का ताज पहनाया और फटे कपड़े पहनाकर कोड़े मारते हुए उन्हें पूरे नगर में घुमाया। फिर उनके हाथ-पांवों में कीलें ठोंककर उन्हें 'क्रॉस' पर लटका दिया गया लेकिन यह यीशु की महानता ही थी कि इतनी भीषण यातनाएं झेलने के बाद भी उन्होंने ईश्वर से उन लोगों के लिए क्षमायाचना ही की। सूली पर लटके हुए भी उनके मुंह से यही शब्द निकले, 'हे ईश्वर! इन लोगों को माफ करना क्योंकि इन्हें नहीं पता कि ये क्या कर रहे हैं? ये अज्ञानवश ही ऐसा कर रहे हैं।' उसके बाद से ही ईसाई समुदाय द्वारा 25 दिसम्बर अर्थात ईसा मसीह के जन्मदिवस को क्रिसमस के रूप में मनाया जाने लगा।

(लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं)

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है.

अनेक बाधाओं से जूझने के बाद मिली क्रिसमस को मान्यता

सामान्यतः 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस माना जाता है और उसी रूप में क्रिसमस का आयोजन होता है परंतु प्रारंभ में स्वयं धर्माधिकारी भी इस रूप में इस दिन को मान्यता देने के लिए तैयार नहीं थे। यह वास्तव में रोमन जाति के एक त्योहार का दिन था, जिसमें सूर्यदेवता की आराधना की जाती थी। यह माना जाता था कि इसी दिन सूर्य का जन्म हुआ। उन दिनों सूर्य उपासना रोमन सम्राटों का राजकीय धर्म हुआ करता था। बाद में जब ईसाई धर्म का प्रचार हुआ तो कुछ लोग ईसा को सूर्य का अवतार मानकर इसी दिन उनका भी पूजन करने लगे मगर इसे उन दिनों मान्यता नहीं मिल पाई। प्रारंभ में तो ईसाइयों में इस प्रकार के किसी पर्व का सार्वजनिक आयोजन होता ही नहीं था। चौथी शताब्दी में उपासना पद्धति पर चर्चा शुरू हुई और पुरानी लिखित सामग्री के आधार पर उसे तैयार किया गया। 360 ईस्वी के आसपास रोम के एक चर्च में ईसा मसीह के जन्मदिवस पर प्रथम समारोह आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं पोप ने भी भाग लिया मगर इसके बाद भी समारोह की तारीख के बारे में मतभेद बने रहे। यहूदी धर्मावलंबी गड़रियों में प्राचीनकाल से ही 8 दिवसीय बसंतकालीन उत्सव मनाने की परंपरा थी। ईसाई धर्म के प्रचार के बाद इस उत्सव में गड़रिए अपने जानवरों के पहले बच्चे की ईसा के नाम पर बलि देने लगे और उन्हीं के नाम पर भोज का आयोजन करने लगे मगर यह समारोह केवल गड़रियों तक सीमित था। उन दिनों कुछ अन्य समारोह भी आयोजित किए जाते थे, जिनकी अवधि 30 नवंबर से 2 फरवरी के बीच में होती थी। जैसे नोर्समेन जाति का यूल पर्व और रोमन लोगों का सेटरनोलिया पर्व, जिसमें नौकरों को मालिक के रूप में आचरण करने की पूरी छूट होती थी। इन उत्सवों का ईसाई धर्म से उस समय तक कोई संबंध नहीं था। तीसरी शताब्दी में ईसा मसीह के जन्मदिन का समारोह करने पर गंभीरता से विचार किया जाने लगा मगर अधिकांश धर्माधिकारियों ने उस समय उस चर्चा में भाग लेने से ही मना कर दिया। फिर भी ईसाई धर्मावलंबियों में विचार-विमर्श हुआ और यह तय किया गया कि बसंत ऋतु का ही कोई दिन इस समारोह के लिए तय किया जाए।

तद्नुसार इसके लिए पहले 28 मार्च और फिर 19 अप्रैल के दिन निर्धारित किए गए। बाद में इसे भी बदलकर 20 मई कर दिया गया। इस संदर्भ में 8 और 18 नवंबर की तारीखों के भी प्रस्ताव आए। लंबी बहस और विचार-विमर्श के बाद चौथी शताब्दी में रोमन चर्च तथा सरकार ने संयुक्त रूप से 25 दिसंबर को ईसा मसीह का जन्मदिवस घोषित कर दिया। इसके बावजूद इसे प्रचलन में आने में लंबा समय लगा। इससे पूर्व मनाए जाने वाले अन्य जातियों के उत्सव इनके साथ घुले-मिले रहे और बाद में भी उनके कुछ अंश क्रिसमस के पर्व में स्थायी रूप से जुड़ गए। ईसा की जन्मभूमि यरुशलम में इस तारीख को पांचवीं शताब्दी के मध्य में स्वीकार किया गया। इसके बाद भी क्रिसमस दिवस की यात्रा सहज नहीं रही। विरोध और अंतर्विरोध चलते रहे। 13वीं शताब्दी में जब प्रोटस्टेंट आंदोलन शुरू हुआ तो इस पर्व पर पुनः आलोचनात्मक दृष्टि डाली गई और यह महसूस किया गया कि उस पर पुराने पैगन धर्म का काफी प्रभाव शेष है। इसलिए क्रिसमस केरोल जैसे भक्ति गीतों के गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया और 25 दिसंबर 1644 को इंग्लैंड में एक नया कानून बना, जिसके अंतर्गत 25 दिसंबर को उपवास दिवस घोषित कर दिया गया। क्रिसमस विरोधी यह आंदोलन अन्य देशों में भी फैला। अमेरिका में भी इसका प्रभाव हुआ। बोस्टन में तो 1690 में क्रिसमस के त्योहार को प्रतिबंधित ही कर दिया गया। 1836 में अमेरिका में क्रिसमस को कानूनी मान्यता मिली और 25 दिसंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया। इससे विश्व के अन्य देशों में भी इस पर्व को बल मिला।

योरप के विभिन्न भागों में हंसी-खुशी के विभिन्न अवसरों पर वृक्षों को सजाने की प्राचीन परंपरा थी। जर्मनी में 24 दिसंबर को एक पर्व मनाया जाता था और उसी दिन एक रहस्यात्मक नाटक भी खेला जाता था- 'अदन का वृक्ष'। संभव है इन परंपराओं ने क्रिसमस वृक्ष की विचारधारा को जन्म दिया हो। इस विचारधारा के साथ बाद में अनेक दंतकथाएं भी जुड़ गईं। 1821 में इंग्लैंड की महारानी ने एक 'क्रिसमस वृक्ष' बनवाकर बच्चों के साथ समारोह का आनंद उठाया था। उन्होंने ही इस वृक्ष में एक देव प्रतिमा रखने की परंपरा को जन्म दिया। बधाई के लिए पहला क्रिसमस कार्ड लंदन में 1844 में तैयार हुआ और उसके बाद क्रिसमस कार्ड देने की प्रथा 1870 तक संपूर्ण विश्व में फैल गई। जहां तक सान्ता क्लॉज का संबंध है, इसकी परंपरा क्रिसमस के साथ काफी बाद में जुड़ी। मध्ययुग में संत निकोलस (जन्म 340 ईस्वी) का जन्म दिवस 6 दिसंबर को मनाया जाता था और यह मान्यता थी कि इस रात्रि को संत निकोलस बच्चों के लिए तरह-तरह के उपहार लेकर आते हैं। यही संत निकोलस अमेरिकी बच्चों के लिए 'सान्ता क्लॉज' बन गए और वहां से यह नाम संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय हो गया। आज विश्व के लगभग 100 देशों में क्रिसमस का त्योहार बड़े उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। अनेक देशों में इस दिन राजकीय अवकाश घोषित किया जाता है तथा सभी ईसाईजन बड़े आमोद-प्रमोद और तरह-तरह के पकवानों के साथ उत्सव का आयोजन करते हैं! इस मंजिल तक पहुंचने में इस पर्व को लंबा समय लगा है और उसे अनेक बाधाओं से जूझना पड़ा है। पिछली लगभग डेढ़ शताब्दी से ही क्रिसमस का पर्व अपने वर्तमान रूप में निर्विघ्न आयोजित होने लगा है।बदलते समय के साथ दिन-प्रतिदिन इसका चलन और ज्यादा बढ़ गया है।

क्रिसमस को बड़ा दिन क्यों कहा जाता है?

भारतीय संस्कृति को परंपराओं का संगम कहें तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। सभी त्योहारों की तरह क्रिसमस यानी बड़े दिन का त्यौहार पूरे विश्व की तरह भारत भर में मनाया जाता है, मगर क्या कभी आपने सोंचा है भारत में क्रिसमस को बडे दिन के नाम से क्यों पूकारा जाता है। वैसे तो क्रिसमस को प्रभु ईसा मसीह या यीशु के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है।पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा। इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ईपू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं। क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं। क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे। चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्राकृतियाँ, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

क्रिसमस पर्व की खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है क्रिसमस

कहते हैं कि यीशु का जन्म 25 दिसंबर 6 ईसा पूर्व हुआ था। इसीलिए हर वर्ष 25 दिसंबर को जीसस क्राइस्ट के जन्म दिवस को क्रिसमस पर्व के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं इस त्योहार की 15 खास परंपराएं, जिनके बिना अधूरा है यह फेस्टिवल।

- **गोशाला** : क्रिसमस के दिन चर्च में ईसा के जन्म की झांकी बनाई जाती है जिसमें गौशाला बनाकर उसमें बालक येशु को मदर मैरी के साथ दर्शाया जाता है।
- **क्रिसमस ट्री** : सदाबहार क्रिसमस वृक्ष डगलस, बालसम या फर का पौधा होता है जिस पर सजावट की जाती है। क्रिसमस ट्री को रिबन, गिफ्ट, घंटी और लाइट्स लगाकर सजाया जाता है।
- **सैंटा क्लॉज** : मान्यता अनुसार सैंटा क्रिसमस के दिन स्वर्ग से आकर बच्चों के लिए टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटकर वापस स्वर्ग में चले जाते हैं। सैंटा क्लॉज चौथी शताब्दी में मायरा के निकट एक शहर में जन्मे थे। उनका नाम निकोलस था। अब लोग उन्हीं के भेष में बच्चों को गिफ्ट देते हैं।
- **गिफ्ट देना** : परंपरा से अब सिर्फ सांता ही उपहार नहीं देते हैं बल्कि क्रिसमय पर लोग एक दूसरे को उपहार देते हैं। कई लोग सैंटा का भेष धारण करके बच्चों को टॉफियां, चॉकलेट, फल, खिलौने व अन्य उपहार बांटते हैं।
- **जिंगल बेल** : गिरजाघरों में पारंपरिक तरीके से ईसा मसीह के लिए गाए जा रहे भक्ति गीत के अलावा 'जिंगल बेल्स', 'ओह होली नाइट' और 'सैंटा क्लॉज इज कमिंग टु टाउन' सरीखे गानों से भी माहौल खुशनुमा हो जाता है।
- **क्रिसमस कार्ड** : कहते हैं कि सर्वप्रथम क्रिसमस कार्ड विलियम एंगले द्वारा सन्? 1842 में अपने दोस्तों को भेजा था। बाद में यह कार्ड महारानी विक्टोरिया को दिखाया गया। इससे खुश होकर उन्होंने अपने चित्रकार डोबसन को बुलाकर शाही क्रिसमस कार्ड बनवाने के लिए कहा और तब से क्रिसमस कार्ड की शुरुआत हो गई।
- **स्वादिष्ट पकवान** : कई पश्चिम देशों में स्मोक्ड टर्की, फ्रुअ केक, विगिल्ला, जेली पुडिंग, टुररॉन आदि को बनाना पसंद किया जाता है। भारत में भी कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते हैं। क्रिसमस पर हर देश में अलग परम्परागत भोजन भी बनता है। कुछ लोग दूध और कुकीज के रुप में सैंटा के लिये भोजन रखते हैं।
- **क्रिसमय पुडिंग** : पुडिंग बनाने की परंपरा 1970 में प्रारंभ हुई। यह आलू बुखारे से दलिया जैसा व्यंजन बनाया जाता है। बाद में मांस, शराब और रोटी मिलाकर पुडिंग बनाने की परंपरा प्रारंभ हुई।
- **रिंगिंग बेल्स** : क्रिसमस के दिन घंटी को बजाने का भी रिवाज है जिसे रिंगिंग बेल कते हैं। यह बेल सदियों में सूर्य के लिए भी बजाई जाती है और खुशियों के लिए भी। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।
- **प्रार्थना** : इस दिन चर्च में विशेष तौर पर सामूहिक प्रार्थना भी की जाती है। इस दिन लोग चर्च जाते हैं और क्रिसमस कैरोल (धार्मिक गीत) गाते हैं।
- **मोजे लटकाना** : संत निकोलस के काल में बच्चे मौजे लटका देते थे ताकि सैंटा उसमें टॉफियां या तोहफे रख सके। हलांकि आज भी कई जगहों पर यह किया जाता है ताकि सैंटा क्लॉज आ सकें और उनमें अपने उपहार डाल सकें।
- **नए वस्त्र** : इस दिन लाल और हरे रंग का अत्यधिक उपयोग होता है क्योंकि लाल रंग जामुन का होता है और यह ईसा मसीह के खून का प्रतीक भी है। इसमें हरा रंग सदाबहार परंपरा का प्रतीक है।
- **पिकनिक** : क्रिसमय की 10 दिन की छुट्टियों के दौरान लोग या तो अपने पैत्रक घर, नाना नानी या दादा दादी के घर जाकर क्रिसमय मनाते हैं। कुछ लोग समुद्र के तट पर जाकर क्रिसमस का आनंद लेते हैं।
- **मोमबत्तियां** : क्रिसमय पर गिरजाघरों में जाकर लोग ईसा मसीह और मदर मैरी की मूर्ति के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर अपनी खुशी का इजहार करते हैं। मान्यता है कि अलग-अलग रंगों की मोमबत्तियां जलाने से जीवन में खुशियां और सफलता आती हैं।
- **केक** : ईसा मसीह के जन्मदिन पर खुशियां बांटने के लिए केक खाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।

क्रिसमस की ये हैं सदाबहार पवित्र चीजें

होली (शूलपर्णी), मिसलटो (वांदा), लबलब (आइव) यह कुछ सदाबहार चीजें हैं, जिन्हें पवित्र माना जाता है। इन सभी का अपना एक अलग अर्थ है।

होली माला – परंपरागत रूप से होली माला घरों तथा गिरजाघरों में लटकाई जाती है। इसे सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। भारत में इन होली मालाओं में मोमबतियां लगाई जाती हैं।

मिसलटो – आम तौर पर यह बेर के आकार की सफेद रचनाएं होती हैं जो सेबफल के वृक्षों की शाखाओं पर पाई जाती हैं। इसका सर्वाधिक प्रचलित और लोकप्रिय अर्थ यह है कि इसके नीचे खड़ा रहने वाला किसी का भी चुंबन ले सकता है।

परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि मिसलटो के नीचे मिलने वाले दो मित्रों पर भाग्य हमेशा मुस्कुराता रहता है और यदि दो दुश्मन इसके नीचे मिल जाएं तो दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है यानि कि यह मित्रता और प्रेम का प्रतीक है।

आइव – यह मित्रता का प्रतीक है। ऐसा प्रेम जो स्थायी तथा अटूट होता है।

संत निकोलस (सांता क्लॉज) – सांता क्लाज शब्द की उत्पत्ति डच सिंटर क्लाज से हुई है। यह संत निकोलस का लोकप्रिय नाम है। दिलचस्प बात तो यह है कि संत निकोलस की कहानी का येसु के जन्मोत्सव से कोई लेना-देना नहीं है। निकोलस पर्व 6 दिसंबर को मनाया जाता है तथा इस दिन परंपरानुसार बच्चों को फलों तथा मिठाइयों के तोहफे दिए जाते हैं।

ऐसी धारणा है कि संत निकोलस एक ईसाई पादरी थे जो एशिया माइनर में कोई डेढ़ हजार साल पहले रहते थे। वे बहुत उदार तथा दयालु थे तथा हमेशा जरूरतमंदों की सहायता करते रहते थे।

बच्चों से उनके संबंधों के बारे में एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार वे ऐसे मकान में ठहरे थे, जहां तीन बच्चों की हत्याएं कर उनके शवों को अचार की बरनियों में छिपा दिया गया था। संत निकोलस ने चमत्कार द्वारा उन बच्चों को जीवित कर दिया। तभी से उन्हें बच्चों का संत कहा जाने लगा। एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरुरतमंद बच्चों को चाकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

क्रिसमस ट्री कैसे बना ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक

क्रिसमस ट्री/वृक्ष- सदाबहार झाड़ियों तथा वृक्षों को ईसा युग से पूर्व भी पवित्र माना जाता रहा है। इसका मूल आधार यह रहा है कि फर वृक्ष की तरह के सदाबहार वृक्ष बर्फीली सर्दियों में भी हरे-भरे रहते हैं। इसी धारणा के आधार पर रोमनवासियों ने सर्दियों के भव्य भगवान सूर्य के सम्मान में मनाए जाने वाले सैटर्नेलिया पर्व में चीड़ के वृक्षों को सजाने की परंपरा आरंभ की थी। क्रिसमस के परिप्रेक्ष्य में सदाबहार फर का प्रतीक ईसाई संत बोनिफेस द्वारा ईजाद किया गया था। जर्मनी में यात्राएं करते हुए वे एक ओक वृक्ष के नीचे विश्राम कर रहे थे, जहां गैर ईसाई ईश्वरों की संतुष्टि के लिए लोगों की बलि दी जाती थी। संत बोनिफेस ने वह वृक्ष काट डाला और उसके स्थान पर फर का वृक्ष लगाया। तभी से अपने धार्मिक संदेशों के लिए संत बोनिफेस फर के प्रतीक का प्रयोग करने लगे थे। इसके बारे में एक जर्मन किंवदंती यह भी है कि जब नवजात शिशु के रूप में येसु का जन्म हुआ वहां चर रहे पशुओं ने उन्हें प्रणाम किया और देखते ही देखते जंगल के सारे वृक्ष सदाबहार हरी पत्तियों से लद गए। बस, तभी से क्रिसमस ट्री को ईसाई धर्म का परंपरागत प्रतीक माना जाने लगा।

एक अन्य किंवदंती के अनुसार संत निकोलस क्रिसमस की रात को गलियों में घूमकर गरीब व जरूरतमंद बच्चों को चॉकलेट-मिठाई आदि वितरित करते थे जिससे वे भी क्रिसमस को हर्षोल्लास से मना सकें। इस तरह क्रिसमस व बच्चों के साथ सांता क्लॉज के रिश्ते जुड़ गए।

झारखंड दौरे के दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री डॉ एल. मुरुगन ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की

बिभा संवाददाता

पलामू। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण (राज्य) मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री, भारत सरकार डॉ एल मुरुगन अपने तीन दिवसीय झारखंड यात्रा के दूसरे दिन 24 दिसंबर को पलामू उपायुक्त के सभागार में आकांक्षी जिला कार्यक्रमों के तहत जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में मंत्री के साथ पलामू सांसद विष्णु दयाल राम, पलामू उपायुक्त शशि रंजन और विभिन्न विभागो और योजनाओं से जुड़े जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, आधारभूत संरचना, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन से जुड़े पलामू में जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों और इनसे जुड़े आंकड़ों की समीक्षा कर अपने विचार और सुझाव साझा किए। मंत्री ने इस क्षेत्रों में आकांक्षी जिला घोषित होने से पहले और वर्तमान के आंकड़ों पर दृष्टि डाली ताकि विकास का तुलनात्मक आकलन किया जा सके। जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति, कुपोषित बच्चों से जुड़े आंकड़ों, टीबी के इलाज और प्रबंधन, आंगनवाड़ी केंद्रों को स्थिति, सड़क, बिजली, पानी, विद्यालयों की संख्या और वर्तमान स्थिति, सेल्फ हेल्प ग्रुप की स्थिति, जन धन खातों की संख्या, मृदा स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े, पीएम आवासों की स्थिति, एक जिला एक उत्पाद से जुड़े कार्यों की बारीकी से समीक्षा की और अपने सुझाव दिए। इस बैठक के दौरान स्थानीय सांसद बीडी राम भी उपस्थित रहे और अपने जिले से संबंधित जानकारी और योजनाओं के कारगर होने की जमीनी हकीकतों के बारे मंत्री और जिला प्रशासन के लोगो को रूबरू कराया।

तदोपरांत मंत्री ने स्थानीय टाऊन हॉल में 19 दिसंबर से 24 दिसंबर तक के सुशासन सप्ताह के समापन पर जिला सुशासन कार्यशाला को संबोधित किया जहां बड़ी संख्या में जिले के जन प्रतिनिधि, और आम जन उपस्थित रहे और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाए जानेवाले सुशासन दिवस पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा विभिन्न वर्गों के कल्याण हेतु चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में जिले से आए विभिन्न पंचायत प्रतिनिधियों ने विभिन्न लाभार्थी योजनाओं से मिल रहे लाभ के बारे में अपने-अपने अनुभव साझा किया। आयोजित सभी कार्यक्रमों के जरिए जिला प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों जैसे शिक्षा, कृषि आदि क्षेत्रों में अंकन जिला योजनाओं के क्रियान्वयन की एक तस्वीर मंत्री महोदय के सामने रखा, जिसे उन्होंने काफी सराहा।

इसके बाद एक वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य और जिले के लखपति दीदी के अनुभव को प्रस्तुत किया गया।

इस सभा के बाद मंत्री ने मीडिया को भी संबोधित किया और पलामू जिले में आकांक्षी जिला कार्यक्रम से जुड़े प्रमुख पहलुओं पर ठोस आंकड़ों के साथ हो रहे विकास की जानकारी दी। साथ ही उनके प्रश्नों का भी जवाब दिया।

टाउनहॉल मीटिंग के बाद माननीय मंत्री डॉ एल मुरुगन और सांसद विष्णु डायल राम ने चियांकी स्थित कृषि विभाग के जोनल रिसर्च सेंटर कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे बागवानी परियोजना का निरीक्षण किया, जहां वहां के वैज्ञानिक डॉक्टर प्रमोद कुमार ने उन्हें विस्तार से परियोजना की जानकारी दी। इस बाग में अमरूद और संतरे की सफल खेती की जा रही है। साथ ही आम और अमरूद तथा कुछ अन्य फलों की प्रजातियों को भी विकसित कर लोगों के बीच इनको प्रचलित करने का प्रयास किया जा रहा है।

इसके बाद मंत्री जिले में चल रहे मेदिनीनगर सदर कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए और मौजूद बच्चियों को उनके प्रयासों और मेहनत के लिए उत्साह वर्धन किया और उन्हें देश की विकास यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई

दुमका/बिभा संवाददाता। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आहूत की गई। बैठक में जिले में हुए सड़क दुर्घटनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को लेकर चर्चा की गई। निर्देशित दिया गया कि नियमित वाहनों की जांच करें एवं नियम का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सड़क सुरक्षा के तहत बनाए गए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। बैठक में हिट एंड रन मामलों की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। बैठक में उपस्थित थाना प्रभारियों को नियमित रूप से दो पहिया एवं चार पहिया वाहन जांच अभियान चलाकर नियमानुसार जुर्माना करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने जांच में हेलमेट ना पहनने, गाड़ी के कागजात समेत शराब पीकर गाड़ी चलाने की भी जांच करने तथा कारवाई करने एवं ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन हेतु जिला परिवहन पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में संबंधित पदाधिकारी एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य मनोज कुमार घोष, रमन कुमार वर्मा, प्रदीपतो मुखर्जी, मुस्ताक अली,एवं जिला सड़क सुरक्षा कार्यालय के कर्मी दीपक कुमार ,मनोज, कुमार अमित कुमार उपस्थित थे।

एक व्यक्ति का शव कई दिनों से झाड़ी में है पड़ा सोशल मीडिया में शव का तस्वीर वायरल

सिल्ली/बिभा संवाददाता। थाना क्षेत्र के साहिदा गांव के समीप सुवर्ण रेखा नदी के एक झाड़ी में बीते कई दिनों से एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मंगलवार को किसी ग्रामीण ने शव को देखा तो सनसनी फैल गई, शव का तस्वीर सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है समाचार लिखें जाने तक शव झाड़ी पर ही पड़ा है शव का शरीर में भारी ज़ख्म दिखाई पड़ रहा है ग्रामीण चर्चा कर रहे है की शव पानी में बह के आया होगा। हालांकि पुलिस जबतक शव को अपने कब्जे मे लेकर जांच नही करती है तबतक यह कहना जल्दी बाजी होगा की उक्त व्यक्ति का मौत कैसे हुआ है और कहां का रहने वाला है।

पीएलएफआई उग्रवादी कैला यादव गिरफ्तार, कई थानों में दर्ज हैं केस

लातेहार। लातेहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर PLFI उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य कैला यादव को गिरफ्तार कर लिया है। SDPO बरवाडीह के नेतृत्व में मनिका थाना क्षेत्र के ग्राम डोंकी से कैला यादव उर्फ संदीप गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसे एक देशी कट्टा और 7 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। कैला यादव के खिलाफ विभिन्न थानों में 20 केस दर्ज हैं।

गिरिडीह में 4 साल की बच्ची का रेप, 17 साल का किशोर है आरोपी

गिरिडीह। गिरिडीह के बगोदर में एक 4 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपी एक 17 साल का नाबालिग लड़का है, जो बच्ची का पड़ोसी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और बच्ची को इलाज के लिए गिरिडीह भेजा गया है।

सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत विशेष शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

सिमडेगा। जिले में 19 से 24 दिसंबर तक सुशासन सप्ताह मनाया जा रहा था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जिले भर में सार्वजनिक सेवा वितरण तंत्र में सुधार करना और विभिन्न व्यक्तिगत लाभ योजनाओं के तहत शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल करना है। इसी क्रम में 24 दिसंबर कार्यक्रम के अंतिम दिन में सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम के तहत जिले के अंतर्गत सिमडेगा प्रखंड, ठेठईटांगर प्रखंड, बांसजोर प्रखंड, कोलेबिरा प्रखंड, कुरडेग प्रखंड, जलडेगा प्रखंड एवं बानो प्रखंड में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जहां जिला स्तरीय पदाधिकारियों के अलावा संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी/ अंचलाधिकारियों द्वारा आन द स्पाट सैकड़ों मामलों का निष्पादन करके सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर केन्द्र व राज्य सरकार से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। सरकार की कल्याणकारी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से यह शिविर लगाया गया है। शिविर में स्थास्थ्य जांच के साथ ही दवा का वितरण किया गया। नया आधार, जाति प्रमाण, स्थानीय प्रमाण एवं आय प्रमाण, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, ई-श्रम कार्ड, लगान रसीद, दाखिल खारिज, जॉब कार्ड, राशन कार्ड व अन्य योजनाओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में आयुष्मान कार्ड निर्गत किया गया। प्रखंड स्तरीय शिविर में सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं से योग्य लाभुकों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान विभिन्न योजनाओं को लेकर आवेदन प्राप्त हुए, इसमें विभिन्न आवेदनों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। कुरडेग प्रखंड के प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में कुल 168 मामले से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जिसके तहत मौके पर 160 आवेदन का निष्पादन किया गया। तथा लंबित व प्रक्रियाधीन आवेदनों की संख्या 11 है। बांसजोर प्रखण्ड के प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में कुल 893 आवेदन प्राप्त हुए जिसके तहत मौके पर सभी आवेदनों का निष्पादन किया गया। ठेठईटांगर प्रखंड के प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में कुल 206 मामले से संबंधित आवेदन दिया गया। जिसका मौके पर शत प्रतिशत आवेदनों निष्पादन सुनिश्चित किया गया। कोलेबिरा प्रखण्ड के प्रशासन गांव की ओर कार्यक्रम में कुल 394 आवेदन प्राप्त हुए जिसके तहत मौके पर 379 आवेदन का निष्पादन किया गया।

राहे बीडीओ से झामुमो नेता राजू कुमार ने किया मुलाकात

बिभा संवाददाता

राहे। झारखंड छात्र मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष सह झामुमो छात्र नेता राजू कुमार उर्फ राजीव ने राहे बीडीओ अशोक कुमार से प्रखंड कार्यालय में मुलाकात कर प्रखंड क्षेत्र में होने वाले समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही राहे क्षेत्र की आवश्यकताएं और समस्याओं की जानकारी दी। इन्होंने आम जनमानस को सुविधा देने, दूरदराज क्षेत्र से आने वाले हर व्यक्ति का प्रखंड कार्यालय में सम्मान के साथ उनकी समस्या या आने का उद्देश्य की जानकारी प्राप्त करने का अपील बीडीओ से किया।

जानकारी

मन और शरीर दोनों को स्वस्थ रखती है प्रार्थना

तनाव से निपटने के लिए आप क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम से लेकर डॉक्टरी सलाह तक, लेकिन, इन सबके अलावा भी एक अन्य उपाय है। जो आसान होने के साथ-साथ बेहद कारगर भी है और वो है प्रार्थना। आपने कभी तनाव करने के लिए प्रार्थना का सहारा लिया है। जी, प्रार्थना से न सिर्फ तनाव का स्तर कम होता है, बल्कि यह कई बीमारियों से बचाने में भी मददगार साबित होती है।

एक शोध के मुताबिक प्रार्थना मन के साथ-साथ शरीर को भी स्वस्थ रखती है। इसके साथ ही इससे उम्र में भी इजाफा होता है। यही नहीं प्रार्थना करने से ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुए इस शोध में पाया गया कि धार्मिक प्रवृत्ति के लोगों में कई तरह की बीमारियां होने की आशंका भी कम होती है।

जीवनशैली पर पूजा का प्रभाव

नियमित रूप से पूजा और प्रार्थना करने से मन में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और प्रार्थना करने वाले व्यक्ति भीतर से अच्छा और बेहतर महससू करता है। इससे जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। आजकल अनियमित जीवनशैली कई रोगों की मुख्य वजह है। जब आप पूजा और प्रार्थना को अपने जीवन में एक आदत के तौर पर शामिल करते हैं तो निश्चित ही आप अपने अंदर अच्छा बदलाव महसूस करेंगे। विशेषज्ञों की मानें तो पूजा और संगीत व्यक्ति में बढ़ रहे दबाव का स्तर कम करते हैं। इसका मतलब है ये गतिविधियां जीवन में संतुलन बनाए रखती हैं। प्रार्थना का सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए जरूरी है कि उसे दिल से किया जाए। नियमित योग करने वाले लोग हमेशा फिट रहते हैं वह भी एक किस्म की पूजा प्रार्थना कर रहे होते हैं।

प्रार्थना के अन्य लाभ

- प्रार्थना करने से मन स्थिर और शांत रहता है। क्रोध पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है।
- इससे स्मरण शक्ति और चेहरे की चमक बढ़ती है।
- प्रार्थना से मन में सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है, जिससे मन निरोगी बनता है।
- शोध में पाया गया है नियमित तौर पर ईश्वर का ध्यान करने और प्रार्थना करने से रक्त संचार दुरुस्त रहता है।
- सामूहिक तौर पर प्रार्थना करने से व्यक्ति के मन में एकता का भाव बढ़ता है और अकेलापन दूर होता है।
- धार्मिक स्थल तक पैदल चल कर जाने से व्यायाम भी हो जाता है।

नोएटिक थैरेपी क्या है?

नोएटिक (मंत्रों, संगीत, स्पर्श और प्रार्थना) थैरेपी वह थैरेपी होती है, जिसमें बिना दवाई, उपकरण और सर्जरी के इलाज किया जाता है। कई मरीजों पर नोएटिक थैरेपी का इस्तेमाल करने से पाया गया है कि वह,जो सिर्फ दवाई लेते हैं, उनके मुकाबले इनके 30 प्रतिशत ज्यादा सही होने की संभावना होती है साथ ही इन लोगों में एक आश्वासन इस बात का भी होता है कि ये मरीज लंबे समय तक बीमार नहीं पड़ते।

शरीर में दिखें ये संकेत तो तुरंत बंद कर दें उपवास

आयुर्वेद के अनुसार, शरीर मे मौजूद विषाक्त पदार्थों को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका उपवास अर्थात व्रत रखना है। उपवास गैस की समस्या को खत्म करता है और शरीर को स्वस्थ रखता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि उपवास के कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। व्यक्ति को लंबे समय तक लगातार व्रत रखने के बजाय सप्ताह में 2-3 दिन उपवास रखना चाहिए। व्रत रखने में नियमित होना भी बहुत जरूरी है। आपको कितने दिन व्रत रखना चाहिए, आयुर्वेद में इस बात के भी अलग-अलग आधार तय किए गए हैं, जो आपके शरीर में वात, पित्त और कफ दोषों के आधार पर तय होते हैं। आइए आपको बताते हैं कि किन लोगों के लिए कितने दिन का व्रत रखना सुरक्षित हो सकता है।

आयुर्वेद के अनुसार व्रत के ये हैं नियम

वात : वात दोष वाले लोगों को सप्ताह में तीन दिनों से अधिक समय तक उपवास नहीं करना चाहिए, क्योंकि ऐसे लोगों के लंबे समय तक उपवास करने से शरीर में वात की विकृति हो सकती है और शरीर में कमजोरी एवं घबराहट हो सकती है।

पित्त : पित्त दोष वाले लोगों को सप्ताह में चार दिन से ज्यादा उपवास नहीं करना चाहिए। चार दिनों से अधिक उपवास करने से शरीर में अग्नि तत्व बढ़ जाता है, जिससे गुस्सा आने के साथ-साथ चक्कर आने की समस्या हो सकती है।

कफ : कफ दोष वाले लोग लंबे समय तक उपवास रख सकते हैं। उपवास रखने से वे अच्छा महसूस करते हैं और उनका ध्यान भी बेहतर होता है। यानी ऐसे लोग किसी काम को केंद्रित होकर कर पाते हैं।

उपवास रखना कब बंद करें?

हमारा पाचन तंत्र उपवास के समय आराम कर रहा होता है, इसलिए पाचन अग्नि पर दबाव न डालना बहुत महत्वपूर्ण है। यदि आप इनमें से किसी भी लक्षण को महसूस करते हैं, तो उपवास बंद कर देना चाहिए। यदि

आपके पेट में दर्द, जलन या गैस्ट्राइटिस की समस्या महसूस हो, तो तुरंत उपवास रखना बंद कर दें। गैस्ट्राइटिस वह अवस्था है जिसमें म्यूकोसा और पेट में सूजन आती है यदि आप उपवास करते हैं, तो यह भी सुनिश्चित करें कि आप उचित सावधानी बरतें।

उल्टी या बेहोशी

यदि आपको ऐसा लग रहा हो कि आपको उल्टी, चक्कर या बेहोश होने की स्थिति हो रही है, तो यह संकेत है कि आपके शरीर को ग्लूकोज की जरूरत है। उल्टी आने का लक्षण शरीर में गैस्ट्रिक जलन और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन को दर्शाता है। ऐसे में आपको तुरंत उपवास खत्म कर देना चाहिए। अगर आप व्रत नहीं तोड़ सकते हैं, तो ऐसी स्थिति में जल्द से जल्द फलों का जूस लें। फलों में प्राकृतिक रूप से सुक्रोज होता है, जो शरीर में ग्लूकोज की जरूरत को पूरा करता है।

छाती और पेट में दर्द

उपवास रखने से पहले एक बात जरूर ध्यान रखें। अगर आपका शरीर उपवास के लिए तैयार न हो तो उपवास न रखने में भलाई है, क्योंकि आपका स्वास्थ्य आपकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। छाती, पेट या पेट के आसपास दर्द से कई अन्य बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए, यदि आप इस तरह छाती या पेट के आसपास दर्द महसूस करते हैं, तो आपको उपवास को बंद करना चाहिए।

डायरिया

डायरिया यानी अतिसार, दस्त अक्सर गलत खान-पान, शरीर में पानी एवं पोषक तत्वों की कमी के कारण होता है। उपवास के दौरान डायरिया आपके द्वारा लिए गए फलों या भोजन की मात्रा या गुणवत्ता के कारण भी हो सकता है। ज्यादातर फल प्रकृति में ठंडे होते हैं, इसलिए श्वसन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को ठंडी तासीर वाले फलों को खाने से बचना चाहिए। इसके कारण इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो सकता है। उपवास के दौरान इन सब लक्षणों को ध्यान में रखते हुए ही उपवास करें।

माहवारी

पीरियड्स के समय आपकी शारीरिक शक्ति सामान्य दिनों के मुकाबले कम हो जाती है। पीरियड्स के दौरान शरीर को एनर्जी की ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में यदि आप उस दौरान उपवास करते हैं, तो भी थोड़ी अतिरिक्त शारीरिक गतिविधि से वात में वृद्धि हो सकती है, जो शरीर के लिए अच्छा नहीं है। इस प्रकार, आपके लिए पीरियड्स के दौरान उपवास न करना ही बेहतर है।

उपवास खत्म करने का सही तरीका

उपवास को कैसे तोड़ा जाए, यह जानना उपवास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उपवास के दौरान आपका शरीर आराम की अवस्था में होता है, इसलिए आपका पेट सिकुड़ जाता है और आंतें भी निष्क्रिय हो जाती हैं। इसलिए हल्के और कम खाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे अन्य चीजें खाएं। व्रत के दौरान आपको हल्का भोजन करना चाहिए। अगर आप अचानक से भारी भोजन करते हैं तो आपको अपच हो सकती है और कई बार गंभीर स्थिति में आपके गुर्दे भी फेल हो सकते हैं। हमेशा याद रखें कि स्वस्थ तरीके से उपवास करने से आपकी ऊर्जा बढ़ती है और आपके शरीर में हल्कापन एवं मन में स्पष्टता विकसित होती है। उपवास कब्ज से राहत देने में भी मदद करता है।

काम को बार-बार टालने की आदत है, तो इस तरह पाएं इस बुरी आदत से छुटकारा

काम करते समय हमारे आसपास कई तरह के डिस्ट्रैक्शन होते हैं। कभी एक कॉल तो कभी मैसेज, हमारा ध्यान दूसरी तरफ खींचता है। कई बार फोन, मैसेज या किसी अन्य काम को करने में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि हमारा जरूरी काम छूट जाता है और जब हम दोबारा उसे करने बैठते हैं तो काफी वक्त बीत चुका होता है। ऐसे में कई बार हम उस काम को अगले दिन के लिए छोड़ देते हैं या फिर उस काम को टालने या दूसरों को सौंपने का प्रयास करते हैं। अगर आपकी भी आदत यही है और आप इससे निजात पाना चाहते हैं तो यह आसान टिप्स इसमें आपकी मदद कर सकते हैं-

खुद के लिए गोल्स सेट करें

घर और ऑफिस में लोगों की आप से कुछ उम्मीदें होंगी, जिन्हें आपको पूरा करना होता है, लेकिन अगर आप अपने स्वभाव में सच में परिवर्तन लाना चाहते हैं तो अपने लिए खुद भी कुछ गोल्स सेट करें। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि आपके द्वारा सेट किए गए गोल्स काफी बड़े हों। आप अपने डेली रूटीन में एक डायरी मेंटेंन करें और दिन की शुरुआत में लिखें कि आज आपको क्या-क्या करना है और खुद से यह वादा करें कि दिन के खत्म होने तक आप डायरी में लिखी गई चीजों को जरूर पूरा करेंगे। अगर आप ऐसा करने में सक्षम हो जाएं तो खुद को एक छोटी सी ट्रीट जरूर दें। इस तरह आपको काम समय पर खत्म करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

अनुकूल माहौल बनाएं

अमूमन लोगों का काम समय पर इसलिए पूरा नहीं हो पाता, क्योंकि उनके आसपास का माहौल सही नहीं होता। इससे छुटकारा पाने के लिए सबसे पहले तो आप ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें आपका काम करने का मन करे। जब आसपास का माहौल अच्छा होता है तो मन खुद ब खुद काम करने के प्रोत्साहित होता है। आप कोशिश करें कि आपके आसपास सफाई हो, साथ ही आप अपनी डेस्क पर या काम की जगह पर थोड़ी ग्रीनरी एड करें। इससे आपकी आंखों एवं मन को सुकून मिलेगा और फिर आप काम भी स्पीड में करेंगे।

व्यवस्थित करें चीजें

अगर आप अपने आसपास के डिस्ट्रैक्शन को दूर करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपनी चीजों को व्यवस्थित करके रखें। कोशिश करें कि आपकी जरूरत की चीजें जैसे पानी, कॉपी, पेन एवं अन्य चीजें डेस्क पर हो, ताकि आपको बार-बार उठने की जरूरत न पड़े। साथ ही हर चीज अपनी जगह पर रखी हो। कई बार देखने में आता है कि किसी चीज को ढूंढने में आपका काफी समय निकल जाता है, इसके साथ ही मूड खराब हो जाता है, जिससे फिर आपका काम करने का मन ही नहीं करता। इसी तरह, काम के दौरान अपने फोन को साइलेंट पर रखें और जब तक कोई कॉल बहुत अधिक जरूरी न हो, तब तक न उठाएं। कोशिश करें कि आप काम खत्म करने के बाद ही फोन का इस्तेमाल करें।

मेडिटेशन जरूर करें

सुनने में शायद आपको अजीब लगे, लेकिन यह भी आपकी कार्यक्षमता को बढ़ाने में मददगार है। कई बार लोग काम को इसलिए भी टालते हैं, क्योंकि वह उससे घबरा जाते हैं या उनके लगता है कि वह उसे पूरा नहीं कर सकते। कुछ लोगों को एंग्जाइटी की समस्या होती है, जो उनके काम को प्रभावित करती है। इन सभी समस्याओं को दूर करने में मेडिटेशन काफी कारगर है। मेडिटेशन न सिर्फ आपके मन के तनाव को कम करके आपको सुकून पंहुचाता है, बल्कि इससे आपकी एकाग्रता एवं चीजों को समझने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आपका काम समय पर बेहद आसानी से पूरा हो जाता है।

भारत में कार्यालय स्थल की मांग मजबूत, रिकॉर्ड बढ़ोतरी: रिपोर्ट

देश में कार्यस्थल की मांग बढ़कर रिकॉर्ड 6.64 करोड़ वर्ग फुट के पार

नई दिल्ली ।

भारत में इस साल कार्यालय स्थल की मांग तेजी से बढ़ी है, जैसा कि एक रिपोर्ट ने दर्शाया है। छह प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की मांग में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसने रिकॉर्ड 6.64 करोड़ वर्ग फुट को पार कर दिया है। एक रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार 2023 कैलेंडर वर्ष में 'ग्रेड ए' कार्यालय स्थलों की मांग 5.82 करोड़ वर्ग फुट थी, जो इस साल की मांग से काफी ऊपर थी। भारत के छह प्रमुख कार्यालय बाजारों के आंकड़े जारी करने वाले रियल एस्टेट सलाहकार के अनुसार, बेंगलुरु में कार्यालय स्थलों की मांग 39 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 2.17 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गई है। हैदराबाद में कार्यालयों की सकल मांग सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 1.25 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंची है, मुंबई में मांग 43 प्रतिशत बढ़कर एक करोड़ लाख वर्ग फुट हो गई है। हालांकि, दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और चेन्नई में मांग में गिरावट आई है। चेन्नई में कार्यालय स्थल की मांग 35 प्रतिशत घटकर 68 लाख वर्ग फुट हो गई है, दिल्ली-एनसीआर में यह 16 प्रतिशत घटकर 97 लाख वर्ग फुट रही है। प्रौद्योगिकी कंपनियों, इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों के अलावा वित्तीय सेवा प्रदाताओं ने कार्यालय स्थल की इस बढ़ती मांग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत सहित दुनिया के कई देशों पर है कर्ज

दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका पर सबसे ज्यादा कर्ज, चीन दूसरे नंबर पर

मुंबई ।

दुनिया के कई देश कर्ज में फसे हुए हैं। इसमें दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका भी शामिल है। साथ में भारत भी शामिल है। दरअसल, वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के हवाले से कर्ज वाले देशों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में सबसे टॉप पर अमेरिका का नाम है यानी अमेरिका के ऊपर सबसे ज्यादा कर्ज हैं। वहीं इस लिस्ट में दूसरे और तीसरे नंबर पर चीन और जापान हैं। वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया के देशों पर कुल मिलाकर 102 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। इस कर्ज में सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका का है। अमेरिका पर पूरे 36 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है। यह कर्ज पूरे कर्ज का 34.6 प्रतिशत है। चीन पर पूरे 14.69 ट्रिलियन का कर्ज है, जो पूरे कर्ज का 16.1 प्रतिशत है। इसके अलावा तीसरे स्थान पर जापान है, जिस पर कर्ज 10.80 ट्रिलियन डॉलर है। यह कुल कर्ज का 10 प्रतिशत है। इस लिस्ट में चौथा स्थान ब्रिटेन का है, जिस पर कुल 3.6 प्रतिशत का कर्ज है। इसके बाद लिस्ट में फ्रांस और इटली का नाम शामिल है। भारत की बात करें तो भारत इस लिस्ट में 7वें स्थान पर है। भारत पर पूरे कर्ज का कुल 3.2 प्रतिशत हिस्सा है। इन देशों के अलावा इस लिस्ट में जर्मनी, ब्राजील, कनाडा जैसे देश भी शामिल हैं।

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या हुई 25,202

नई दिल्ली ।

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या 25,202 हो गई है। देश में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जर की संख्या अब 25,000 के आंकड़े को पार कर चुकी है। देश के भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि कर्नाटक 5,765 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद महाराष्ट्र 3,728 स्टेशनों के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 1,989 स्टेशनों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 29 सितंबर 2024 को पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को नोटिफाई किया था, जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करना और देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है।

इस योजना के लिए दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपये सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने 17 सितंबर को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 भी जारी किए थे, जिसमें देश में कनेक्टेड और इंटरऑपरेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने के लिए मानकों और प्रोटोकॉल की रूपरेखा तैयार की गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, 4 दिसंबर तक देश में कुल 28,55,015 पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 2,57,169 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन हैं। भारतीय ईवी चार्जिंग मार्केट 2030 तक 3.7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे इस क्षेत्र में और विकास की संभावना जताई जा रही है। देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार, चलने के पैटर्न, इलाके और शहरीकरण की स्थिति पर निर्भर करती है।

नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में बजाज ने अपने नए चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च कर दिया है। बजाज चेतक की नई 35 सीरीज को एक नए प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। इसमें आधुनिक तकनीक और नए फीचर्स जोड़े गए हैं, जो उपयोगकर्ताओं के अनुभव को और भी समृद्ध बनाते हैं।

इस नई ईवी में कंपनी ने कई महत्वपूर्ण बदलाव और अपग्रेड्स किए हैं, जो इसे पहले से बेहतर बनाते हैं। चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर में 4.2 केडब्ल्यू (5.6 बीएचपी) की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है, जो इसे 73 किमी/घंटा की टॉप स्पीड देने में सक्षम है। स्कूटर में दो राइड मोड्स–इको और स्पोर्ट भी दिए गए हैं, जो राइडिंग को अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से कस्टमाइज करने की सुविधा प्रदान करते हैं। इसमें रेट्रो-इंस्पायर डिज़ाइन को बनाए रखा गया है, लेकिन इसकी स्टाइलिंग में कुछ छोटे बदलाव किए गए हैं। इसके अलावा, नए कलर ऑप्शन भी पेश किए गए हैं।

टॉप-स्पेक 3501 वेरिएंट में नॉन-टच यूनिट की जगह अब एक टचस्क्रीन डैशबोर्ड दिया गया है। दिसंबर के अंत तक 3501 वेरिएंट की डिलीवरी शुरू कर दी जाएगी। इसकी कीमत 3503 वेरिएंट के लिए 1.20 लाख रुपये और 3502 वेरिएंट के लिए 1.27 लाख रुपये रखी गई है। इसमें टीएफटी कंसोल, स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, म्यूजिक कंट्रोल, इंटीग्रेटेड मैप्स, जियो फेंसिंग जैसे सुविधाएं भी हैं। नई चेतक 35 सीरीज के लिए बुकिंग्स शुरू हो चुकी हैं और यह देशभर के 200 से ज्यादा डीलरशिप पर उपलब्ध है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ ही अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 85.20 पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन मजबूत रुख और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ 85.16 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति के कारण डॉलर की उच्च मांग के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बनाया। हालांकि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजारों से उसे कुछ समर्थन मिला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.10 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.16 प्रति डॉलर के अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दर्शाता है।

रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.11 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 107.92 पर रहा।

प्याज की कीमतों में भारी गिरावट

- मंडी में 36 रुपये से घटकर 17 रुपये प्रति किलो हुआ दाम

नासिक ।

महाराष्ट्र के नासिक जिले की लासलगांव प्याज मंडी में हाल ही में प्याज की कीमतों में गिरावट देखी गई है। पिछले कुछ दिनों से प्याज की कीमतें मात्र 17 रुपये 25 पैसे प्रति किलो तक आ गई हैं, जो पहले 36 रुपये प्रति किलो थी। इस गिरावट से प्याज उत्पादक किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। नासिक की लासलगांव मंडी में प्याज की आवक में भी इजाफा हुआ है, जिससे बाजार में 25,000 बोरी प्याज उपलब्ध हैं। दिसम्बर के महीने के लिए, प्याज के दाम में 700 रुपये से लेकर 2851 रुपये प्रति क्विंटल तक का अंतर है। प्रशासनिक स्तर पर प्याज उत्पादक किसान सरकार से मांग कर रहे हैं कि 20 फीसदी एक्सपोर्ट ड्यूटी को हटाया जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से इस मुद्दे पर विचार किया है, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यह मुद्दा न केवल नासिक के किसानों के लिए बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि सरकार जल्दी से जल्दी इस मसले पर कदम उठाएगी और किसानों की समस्याओं का समाधान करेगी।

नए साल के पहले इंडिगो का ऑफर, 1,199 रुपए से कर सकेंगे हवाई सफर

- यह शानदार ऑफर 25 दिसंबर तक

बिजनेस डेस्क: भारत की प्रमुख एयरलाइनों में से एक इंडिगो ने इस बार एक खास गेटअवे सेल की घोषणा की है, जिसमें यात्रियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर छूट दी जा रही है। यह शानदार ऑफर 25 दिसंबर तक के लिए है। डोमेस्टिक यात्रा के लिए किराया 1,199 रुपए से शुरू है, जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए किराया 4,499 रुपए से है। इसके साथ ही, इंडिगो ने 6ई ऐड-ऑन पर 15 फीसदी तक की बचत के विकल्प भी पेश किए हैं। इन ऐड-ऑन में प्रीपेड एक्सेस बैगेज, स्टैंडर्ड सीट सिलेक्शन, और इमरजेंसी एक्सएल सीटें शामिल हैं। इनकी कीमतें घरेलू उड़ानों के लिए 599 रुपये से शुरू हैं। इस खास ऑफर के तहत, एयरलाइन ने फेडरल बैंक के साथ कोलैब किया है, जिससे फेडरल बैंक के क्रेडिट कार्ड के उपयोग से टिकट बुक करने पर आपको अतिरिक्त छूट मिलेगी। यह ऑफर 31 दिसंबर, 2024 तक वैध है। इस सुनहरे मौके का लाभ उठाने के लिए इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर आप अपनी यात्रा की तिथि तथा डिस्टिनेशन के अनुसार टिकट बुक कर सकते हैं।

टाटा ग्रुप का आईपीओ लिस्टिंग की तैयारी में

टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर का हो सकता है

मुंबई । आईपीओ में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए गुड न्यूज है, जैसे कि देश का सबसे बड़ा औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप ने अपनी एक कंपनी को लिस्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा कैपिटल का आईपीओ लगभग 2 अरब डॉलर (करीब 17,035 करोड़ रुपए) का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक टाटा ग्रुप ने इसके लिए कुछ प्रमुख निवेश बैंकों के साथ चर्चा शुरू कर दी है और हाल ही में कोटक इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई है। जनवरी तक अतिरिक्त बैंकर्स की नियुक्ति भी की जा सकती है। इस खबर के बाद टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन के शेयरों में 8 फीसदी उछाल देखने को मिला। यह आईपीओ टाटा ग्रुप की रणनीतिक योजनाओं का हिस्सा है और निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर सकता है। आरबीआई के नियमों के अनुसार टाटा संस और टाटा कैपिटल को अपर लेयर एनबीएफसी के रूप में क्लासिफाई किया गया है और उन्हें सितंबर 2025 तक अपने शेयरों को लिस्ट कराना जरूरी है। टाटा कैपिटल में टाटा संस की 93 फीसदी हिस्सेदारी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने के कारण आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 67.30 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 25.80 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 23,727.65 पर बंद हुआ। मंथली एक्सपायरी के दिन निफ्टी बैंक 84 अंक गिरकर 51,233 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर पावर ग्रिड कॉर्प, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाइटन कंपनी और एसबीआई के शेयर नीचे आये। वहीं टाटा मोटर्स, अडानी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, बीपीसीएल और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे।

सेक्टरों में वाहन, उपलभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी), तेल एवं गैस में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी, मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक में बिकवाली हावी रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स सपाट ,जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ।

बाजार जानाकरों के अनुसार धीमी शुरुआत के बाद निफ्टी वाहन और आईटी कंपनियों के कारण ऊपर आने लगा पर तभी कई कारण से उसपर अंकुश लग गया। ऑटो और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही।

जहां मिडकैप्स ऊपर आये। स्मॉलकैप्स का प्रदर्शन भी अच्छा रहा और वह बढ़त पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों में निचले स्तरों पर खरीदारी देखने को मिली। जबकि मेटलऔर पीएसयू बैंक इंडेक्सों में ऊपरी स्तरों पर इंट्राडे मुनाफावसूली हुई। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो डाओ फ्यूचर्स और निक्केई भी सुस्त दिखाई दिए। कल की तेजी में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक फ्यूचर्स में 6500 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी की। घरेलू कोषों ने भी 2200 करोड़ से ज्यादा के शेयर खरीदे। अमेरिकी बाजार संभलकर दिन की ऊंचाई के पास बंद हुए। डाओ 400 अंकों की शानदार रिकवरी के साथ करीब 70 अंक चढ़ा तो नैस्डैक 200 अंक उछला। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरुआत हुई और दोनों प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में ओपन हुए हालांकि, कोई मजबूत ट्रिगर पॉइंट नहीं मिलने के कारण बाजार में उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। बीएसई सेंसेक्स 167 अंकों की बढ़त लेकर 78,707.37 पर खुला। इसी प्रकार तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 62.95 अंक की बढ़त लेकर 23,816.40 पर कारोबार कर रहा था। इससे पिछले ट्रेडिंग सेशन में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 168.71 करोड़ रुपये निकाले जबकि घरेलू निवेशकों ने 2,227.68 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

एडीबी भारत को 50 करोड़ डॉलर का कर्ज देगा

शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली । सरकार ने देश की जलवायु प्रतिबद्धताओं के साथ समर्थन के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 50 करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यह ऋण भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को गारंटी के साथ दिया जाएगा। इस समझौते से शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के निदेशक मियो ओका ने इस ऋण के लिए हस्ताक्षर किए। ओका ने इस समझौते को बहुत महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे देश की परियोजनाओं को विकास करने में मदद मिलेगी। एडीबी का यह वित्तपोषण आईआईएफसीएल को ऊर्जा बदलाव, शहरी परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक पूंजी प्रदान करेगा। इस समझौते से देश में हरित, टिकाऊ और सुस्त विकास के लिए जमीनी बुनियादी ढांचा मजबूत होगा। यह ऋण प्रोजेक्ट्स को सकारात्मक दिशा में बढ़ाएगा और समुदायों को सामूहिक उपयोग के लिए समर्थ बनाएगा। इस समझौते के माध्यम से एक और कदम हुआ जिससे देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है ईशा अंबानी की कार

- यह कार बेंटले बेंटायगा एसयूवी है, कीमत 4 करोड़ रुपए

मुंबई ।

एशिया के सबसे रईसों की सूची में शो मिल उद्योगपति मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी हाल ही में मुंबई में एक लग्जरी कार में नजर आई हैं। यह कार बेंटले बेंटायगा एसयूवी है, जिसकी खास बात यह है कि यह कार धूप में अपना रंग बदलती है। ईशा अंबानी की यह कार बेहद खास है। हाल ही में जिस बेंटले बेंटायगा एसयूवी में ईशा अंबानी दिखी है, वह कार अभिनेता रणबीर कपूर के घर के सामने भी दिखाई दी थी। ईशा अंबानी की यह कार गिरगिट की तरह रंग बदलती है।

ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी वैसे तो सफेद रंग की है, लेकिन यह कार छाया में काले या गहरे भूरे रंग की दिखाई देती है। वहीं सूरज की रोशनी में ये कार नीले, हरे और बैंगनी रंग की दिखाई देती है। दरअसल, इस कार में ऐसे कण हैं, जो अलग अलग तरह की रोशनी में अलग अलग तरह से अपना रंग बदलते हैं। इसे कलर-शिफ्टिंग रैप कहा जाता है। ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी की कीमत 4 करोड़ रुपये है।

इस कार का कलर-शिफ्टिंग रैप फीचर ही इस कार को और कारों से अलग और महंगा बनाता है।

सेविंग्स मामले में भारतीय दुनिया में चौथे नंबर पर

- भारत में बचत की दर 30.2 फीसदी है

नई दिल्ली । भारत में बचत का महत्व लंबे समय से बना हुआ है। आज भी भारत की बचत दर ग्लोबल एवरेज से ज्यादा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बचत की दर 30.2 फीसदी है, जो ग्लोबल औसत 28.2 फीसदी से भी ज्यादा है। इसमें गर्व की बात है कि भारत अब चौथे स्थान पर है। भारत से आगे चीन, इंडोनेशिया और रूस हैं। चीन की बचत दर 46.6 फीसदी, इंडोनेशिया की 38.1 फीसदी और रूस की 31.7 फीसदी है। घरेलू बचत में आर्थिक उछाल के साथ, भारतीय निवेशकों का विश्वास भी बढ़ रहा है। यह नहीं केवल अर्थव्यवस्था के विकास का संकेत है, बल्कि ऐसे निवेशकों की साख भी दर्शाता है जो समुदायिक विकास में योगदान करने के लिए उत्सुक हैं। साथ ही वित्तीय साधनों के विकल्प भी बढ़ते जा रहे हैं। म्यूचुअल फंड और इक्विटी निवेश हर दिन बढ़ते जा रहे हैं, जिससे घरेलू निवेशकों के पास अधिक विकल्प हो रहे हैं। इससे न केवल वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ रही है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार उच्च बाजार पूंजीकरण और कंपनियों द्वारा जुटाई गई पूंजी में वृद्धि, दोनों ही भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत हैं।

भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा

एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ किया समझौता

भुवनेश्वर । ओडिशा में एक महत्वपूर्ण योजना पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने ग्रिडको और सीआरयूटी के साथ उनकी हरित हाइड्रोजन परिवहन योजना के लिए समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य है ओडिशा में हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। एनटीपीसी की इस योजना के तहत भुवनेश्वर में हरित हाइड्रोजन ईंधन स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जिससे छोटी और लंबी दूरी तक की हाइड्रोजन बसें चलाई जा सकेंगी। इससे डीजल चलने वाली बसों पर निर्भरता कम होगी और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। एनटीपीसी ने पिछले कुछ सालों में कई बड़े शहरों में इसी प्रकार की पहल की है, जैसे कि सूरत, लेह, ग्रेटर नोएडा, और गुजरात के कांडला में। इसके साथ ही कंपनी विशाखापत्तनम में एक हरित हाइड्रोजन केंद्र भी विकसित कर रही है। एनटीपीसी का लक्ष्य है कि वर्ष 2032 तक 60,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करना। इस योजना से ओडिशा को हरित हाइड्रोजन परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे प्रदूषण कम होगा और वायु प्रदूषण पर प्रभाव भी कम होगा। यह साथ ही एनटीपीसी की योजनाएं भारत को ऊर्जा स्वायत्तता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल जारी, जानें कब होगा भारत-पाक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मंगलवार को आखिरकार चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक शेड्यूल घोषित कर दिया। हाइब्रिड मॉडल में आयोजित होने वाले इस एलीट टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच से होगी। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी का अपना पहला मैच 20 फरवरी को दुबई में खेलेगा।

आठ प्रतिस्पर्धी टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए में पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश हैं जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड हैं। भारत 23 फरवरी को दुबई में पाकिस्तान से खेलेगा। ढ्ढष्टष्ट ने कहा कि 8 टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे और ये मैच पाकिस्तान और दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान में रावलपिंडी, लाहौर और कराची तीन स्थान होंगे जहां टूर्नामेंट खेला जाएगा। प्रत्येक पाकिस्तानी स्थल पर तीन-तीन ग्रुप गेम खेले जाएंगे, जिसमें लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा।

लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी भी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता। भारत के फाइनल में क्वालीफाई के बाद यह दुबई में खेला जाएगा।

सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में रिजर्व दिन होंगे। भारत के तीन ग्रुप मैच और पहला सेमीफाइनल दुबई में खेला जाएगा।

ग्रुप

ग्रुप ए : पाकिस्तान, भारत, न्यूजीलैंड, बांग्लादेश
ग्रुप ए : दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, इंग्लैंड

चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शेड्यूल

20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई

चैंपियंस ट्रॉफी का पूरा शेड्यूल

19 फरवरी, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, कराची, पाकिस्तान
20 फरवरी, बांग्लादेश बनाम भारत, दुबई
21 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम दक्षिण अफ्रीका, कराची, पाकिस्तान
22 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
23 फरवरी, पाकिस्तान बनाम भारत, दुबई
24 फरवरी, बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड, रावलपिंडी, पाकिस्तान
25 फरवरी, ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका, रावलपिंडी, पाकिस्तान
26 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड, लाहौर, पाकिस्तान
27 फरवरी, पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश, रावलपिंडी, पाकिस्तान
28 फरवरी, अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया, लाहौर, पाकिस्तान
1 मार्च, दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, कराची, पाकिस्तान
2 मार्च, न्यूजीलैंड बनाम भारत, दुबई
4 मार्च, सेमीफाइनल 1, दुबई
5 मार्च, सेमीफाइनल 2, लाहौर, पाकिस्तान
9 मार्च, फाइनल, लाहौर (भारत के क्वालीफाई करने पर दुबई में)
10 मार्च, रिजर्व डे

आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद बनाते हैं : रोहित ने कोहली का समर्थन किया

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर विराट कोहली के संघर्ष को लेकर चिंताओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए टीम में लंबे समय के अपने साथी का पूर्ण समर्थन करते हुए मंगलवार को कहा, 'आधुनिक समय के महान खिलाड़ी अपने रास्ते को खुद तय कर लेते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के इस दौर पर कोहली ने पांच पारियों में 5, 100 नाबाद, 7, 11 और तीन रन बनाए है। इस दौरान उनका औसत 31.50 रन का रहा है। खुद भी खराब दौर से गुजर रहे रोहित को लय हासिल करने की उम्मीद है। जब उनसे कोहली के संघर्षों के बारे में सवाल पूछा गया तो चेहरे पर मुस्कान के साथ इसका जवाब दिया।

जब एक पत्रकार ने रोहित से पूछा कि खराब दौर से गुजर रहे मौजूदा युग के किसी महान खिलाड़ी को आप सलाह देना पसंद करेंगे या उनके हालात पर छोड़ देंगे। भारतीय कप्तान ने कहा, 'आप ने ही कहा कि वह मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी है। मौजूदा दौर के महान खिलाड़ी अपना रास्ता खुद तय कर लेते हैं।'

कोहली एमसीजी में नेट अभ्यास सत्र में भाग लेने वाले सबसे शुरुआती बल्लेबाजों में से एक थे और रोहित प्रमुख बल्लेबाजों में सबसे आखिरी में अभ्यास करने पहुंचे। भारतीय कप्तान ने आखिरी 20 मिनट में सिर्फ दो शॉट खेले और बाकी गेंदों को विकेट के पीछे जाने दिया। वह गेंद पर आक्रमण करने की अपनी नैसर्गिक प्रवृत्ति को नियंत्रित करने की कोशिश करते दिखे।'

अभ्यास के दौरान रोहित गेंदबाजों खासकर हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा से चौथे स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करने को कहा। इस दौरान वहां लगभग 500 की संख्या में मौजूद प्रशंसकों में से किसी ने कहा, 'रोहित भाई पुल मारो ना।' रोहित से जब उनकी बल्लेबाजी क्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने थोड़ा चिढ़ते हुए कहा, 'इसके बारे में चिंता न करें। मुझे लगता है कि कौन कहां बल्लेबाजी करेगा इस बारे में हमें टीम के अंदर चर्चा करनी चाहिए। मुझे हर संवाददाता सम्मेलन में इस सवाल का जवाब नहीं देना चाहिए।'

टीम में अक्षर पटेल और कुलदीप यादव की जगह तनुष कोटियान के चयन के बारे में पूछे जाने पर भारतीय कप्तान ने एक बार फिर चुटिले अंदाज में जवाब दिया। उन्होंने चेहरे पर बड़ी मुस्कान के साथ कहा, 'कुलदीप के पास वीजा नहीं है।' रोहित ने फिर बताया कि कुलदीप चोट से पूरी तरह से उबरे नहीं है। उन्होंने कहा, 'अक्षर अभी पिता बने हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं तनुष बुरा गेंदबाज है लेकिन वह यहां विकल्प के तौर पर है।' पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबरी पर है और इसके आखिरी दो मैच मेलबर्न और सिडनी में होंगे।

बेन स्टोक्स 3 महीने के लिए क्रिकेट से रहेंगे दूर, न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण होगी सर्जरी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स को बाएं हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करानी होगी और वे कम से कम तीन महीने तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से बाहर रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार 33 वर्षीय स्टोक्स को इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन गेंदबाजी करते समय चोट लगी थी। इस साल यह दूसरी बार है जब स्टोक्स की बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगी है, इससे पहले अगस्त में द हंड्रेड में खेलते समय भी उन्हें यही चोट लगी थी।

इंग्लैंड ने कहा कि डरहम के ऑलराउंडर स्टोक्स की जनवरी में सर्जरी होगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने जारी एक बयान में कहा है कि बेन स्टोक्स जनवरी में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी करवाएंगे। इसके बाद वह रिहैब की प्रक्रिया के कारण कम से कम तीन महीने के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे।

स्टोक्स ने एक्स पर पोस्ट किया, 'मेरे पास अभी बहुत कुछ बचा है और अपनी टीम और इस शर्ट के लिए मुझे बहुत खून, पसीना और आंसू बहाने हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'एक कारण है कि मेरे शरीर पर हमेशा के लिए फीनिक्स का टैटू गुदवा लिया गया है।' चोट के कारण स्टोक्स को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे और जनवरी और फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें जनवरी में दक्षिण अफ्रीका की फ्रैंचाइजी टी20 लीग SA20 में MI केप टाउन के लिए खेलना था, लेकिन अब वे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

स्टोक्स काउंटी चैंपियनशिप के पहले दौर के लिए फिर से फिट होने का लक्ष्य रखेंगे, जिसमें 4 अप्रैल को डरहम का सामना नॉटिंघमशायर से ट्रेंट ब्रिज में होगा, हालांकि यह सर्जरी से उनकी रिकवरी पर निर्भर करेगा। स्टोक्स ने अपने करियर को लंबा करने के लिए मार्च से मई तक होने वाली 2025 इंडियन प्रीमियर लीग की नीलामी में प्रवेश करने से इनकार कर दिया।

बाहर की गेंद छोड़कर: मैथ्यू हेडन ने भी दे दी विराट कोहली को सलाह

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन ने विराट कोहली से सिडनी में सचिन तेंदुलकर की अनुशासित पारी से प्रेरणा लेने और बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैच में फॉर्म हासिल करने के लिए ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने की अपनी प्रवृत्ति पर लगाम लगाने को कहा है। कोहली ने अपनी पिछली पांच पारियों में 05, नाबाद 100, 07, 11 और 03 रन के स्कोर से 31.50 की औसत से केवल 126 रन बनाए हैं।

हेडन ने कहा कि शानदार जीत हो सकती थी, हार हो सकती थी, स्पिन के अनुकूल हालात हो सकते थे, मेरा मतलब है, आप सैकड़ों अलग-अलग क्षेत्रों की सूची बना सकते हैं, जहां विराट कोहली ने अपने शानदार करियर के दौरान बल्लेबाजी की होगी। उन्होंने कहा कि लेकिन मेलबर्न में उसे बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट मिलेगा। उन्हें बस इतना करना है कि क्रीज पर बने रहने का तरीका खोजना है। ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर प्रहार करने से बचना होगा। और मेरा सुझाव है - वह थोड़ा और गेंद की लाइन में आएं और सीधे शॉट खेलने का प्रयास करें।

हेडन ने 2004 के सिडनी टेस्ट के दौरान तेंदुलकर की नाबाद 241 रन की ऐतिहासिक पारी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे आत्मसंयम से चीजें बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि उसके (कोहली) पास एक शानदार कवर ड्राइव है लेकिन सचिन तेंदुलकर के पास भी था और उसने इसे एक दिन के लिए दूर रखा। मैं गली में खड़ा होकर सोच रहा था कि यह शानदार, जिद्द से भरी बल्लेबाजी है। तेंदुलकर ने 2004 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान खराब फॉर्म से जूझते हुए क्रीज पर बिताए 613 मिनटों के दौरान अपने ऑफ-साइड ड्राइव से पूरी तरह बचते हुए उल्लेखनीय आत्मसंयम और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया।

बल्लेबाजी के दौरान क्रीज पर शुरुआती आधे घंटे सतर्क रहे : गावस्कर की पंत को सलाह

मेलबर्न । महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट मैचों में आक्रामक स्ट्रोक खेलने से पहले परिस्थितियों का 'सम्मान' करने की सलाह दी है। ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे पर गाबा में मैच जिताऊ पारी खेलने के साथ भारत की श्रृंखला जीत के नायकों में शामिल रहे पंत मौजूदा दौरे पर अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने में नाकाम रहे हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने अब तक तीन टेस्ट मैचों की पांच पारियों में 37, एक, 21, 28 और नौ का स्कोर बनाया है। अपने आक्रामक रवैये के लिए जाने जाने वाले पंत ज्यादातर मौके पर मैच की स्थिति की परवाह किए बिना आक्रामक शॉट खेलने को प्राथमिकता दी है। पांच मैचों की मौजूदा श्रृंखला में एडीलेड में खेले गये दिन-रात्रि टेस्ट में अपनी पारी की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के खिलाफ आक्रामक शॉट खेलने के उनके साहसिक फैसले ने काफी ध्यान आकर्षित किया था। गावस्कर ने कहा, 'ऋषभ पंत को वही करने की जरूरत है जो सभी के लिए जरूरी है। शुरुआती आधे घंटे का सम्मान करें। क्रीज पर पहुंचने के बाद चाहे जैसी भी परिस्थिति हो सावधानी से बल्लेबाजी करते हुए थोड़ा समय बिताये। अगर भारतीय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 525 रन के आसपास हो तो वह अपने तरीके से बल्लेबाजी कर सकते हैं।' पंत के लिए ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की चुनौती के बारे में उन्होंने कहा, 'वे एक कोण से गेंदबाजी करते है। पैट कमिंस और यहां तक कि (जोश) हेजलवुड भी ऐसी गेंदों से उन्हें परेशान करते हैं। स्कॉट बोलैंड से उन्हें थोड़ी परेशानी होगी क्योंकि बोलैंड भी उस क्षेत्र के आसपास गेंदबाजी करते हैं।'

खेल रत्न विवाद पर मनु भाकर ने चुप्पी तोड़ी, नामांकन दाखिल करने में मेरी तरफ से चूक हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की दोहरी कांस्य पदक विजेता मनु भाकर ने खेल रत्न पुरस्कार विजेताओं की सूची से उन्हें बाहर रखे जाने को लेकर उठे विवाद के बीच मंगलवार को स्वीकार किया कि इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिए नामांकन दाखिल करते समय शायद उनकी ओर से कोई चूक हुई है।

खेल मंत्रालय ने नुकसान की भरपाई के लिए कदम उठाते हुए कहा था कि पुरस्कार के लिए नामांकन की सूची को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है जिसके एक दिन बाद 22 वर्षीय स्टार पिस्टल निशानेबाज ने देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी स्थिति स्पष्ट की। मनु ने 'एक्स' पर लिखा, 'सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए मेरे नामांकन को लेकर चल रहे मुद्दे के संबंध में मैं यह कहना चाहूंगी कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है जिसे ठीक किया जा रहा है।' हरियाणा की इस निशानेबाज ने कहा कि उनका लक्ष्य देश के लिए प्रदर्शन करना है और इसमें बदलाव नहीं आएगा, फिर चाहे उन्हें पुरस्कार मिले या नहीं। इससे पहले उनके निजी जसपाल राणा और पिता रामकिशन भाकर ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'पुरस्कार और मान्यता मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन ये मेरा लक्ष्य नहीं हैं।'

मनु ने कहा, 'पुरस्कार मिले या नहीं, मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक जीतने के लिए प्रेरित रहूंगी। सभी से अनुरोध है कि कृपया इस पर अटकलें न लगाएं।' राणा और रामकिशन ने खेल मंत्रालय और चयन समिति पर उनकी शानदार उपलब्धियों के बावजूद उन्हें नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि खेल मंत्रालय के अनुसार सूची को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

खेल मंत्रालय ने कहा कि कुछ दिनों में जब नामों का खुलासा होगा तो उनका नाम उसमें शामिल होने की संभावना है। विश्वसनीय रूप से पता चला है कि पुरुष हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपिक स्वर्ण विजेता ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को खेल रत्न के लिए चुना गया है। इसके अलावा 30 अर्जुन पुरस्कार विजेताओं के नाम शामिल है जिसमें 17 पैरा खेलों से हैं।

पुरस्कार चयन समिति के अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम हैं और इसमें पूर्व महिला हॉकी कप्तान रानी रामपाल, मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पूर्व महान क्रिकेटर अनिल कुंबले भी शामिल हैं। समिति को उन लोगों के नाम पर विचार करने का अधिकार है जिन्होंने आवेदन किया हो। लेकिन यदि आवश्यक हो तो समिति उन नामों पर चर्चा करने के लिए भी अधिकृत है जो उस सूची में शामिल नहीं हैं। मनु ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली स्वतंत्र भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पेरिस में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते।

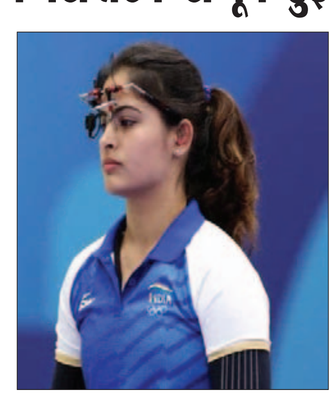

नए साल में खेली जाएगी एसए-20 क्रिकेट लीग

जोहांसबर्ग,(ईएमएस)। अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए-20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। स्मिथ ने कहा, ''यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूर्नामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया'' उन्होंने कहा, ''हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला।'' कार्तिक इस टूर्नामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा, ''जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था। मैं सोच रहा था कि मेरे लिए क्या विकल्प है और इसका पता कैसे करना है क्योंकि मैं कभी किसी अन्य लीग का हिस्सा नहीं रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने उन खिलाड़ियों से पूछा जो अन्य लीग का हिस्सा रहे हैं और एक बात जो सर्वसम्मति से सामने आई, वह यह थी कि एसए20 अभी आईपीएल के बाद सबसे बेहतर टूर्नामेंट है।

सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी : शेफाली के शतक के बाद भी हारी हरियाणा

मुम्बई । शैफाली वर्मा की 197 रनों की शानदार पारी के बाद भी उनकी टीम को सीनियर महिला वन-डे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में बंगाल के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में शेफाली ने 115 गेंदों पर 11 छक्के, 22 चौके लगाकर 197 रन बनाये। शैफाली की आक्रामक शतकीय पारी से हरियाणा ने 50 ओवर में 390 रन बना दिये। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल रही शैफाली ने अपनी इस पारी से एक बार फिर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। शैफाली ने अब अपनी आतिशी पारी से साबित कर दिया वह उसने लय हासिल कर ली है। शैफाली का टी20ई करियर शानदार रहा है, पर एकदिवसीय में वह अब तक खास उपलब्धि हासिल नहीं कर पायी हैं। साल 2021 में अपने पदार्पण के बाद से उन्होंने 25 मैच खेले हैं पर 23.00 की औसत से केवल 644 रन ही बनाए हैं। 2023 के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में फ्लॉप रही जिसके बाद उन्हें टीम में स्थान गंवाना पड़ा था। शैफाली ने अबतक 85 टी20 मैच खेलकर 2,000 से ज्यादा रन बनाये हैं और 10 अर्द्धशतक लगाये हैं। मैच की बात की जाए तो हरियाणा ने रीमा के 58, शैफाली वर्मा के 197, त्रिवेणी के 46 तो सोनिया के 41 गेंदों पर 61 रनों की बदौलत 389 रन बनाए थे। इसके बाद बंगाल ने भी इसी अंदाज में जवाब दिया। धारा ने 49 गेंदों पर 69 रन जबकि मंडल ने 29 गेंदों पर 52 रन बनाए। इसके बाद टी सरकार ने 83 गेंदों पर 20 चौकों की मदद से 113 रन बनाये। मध्यक्रम में पी बाला ने 81 गेंदों पर 88 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अश्विन की जगह लेंगे तनुष कोटियन

मेजबर्न । भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वोले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एक बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। इस मैच में ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन को आर अश्विन की जगह पर शामिल किया गया है। पहले कहा जा रहा था कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे पर बाद में तनुष को भेजने की बात सामने आयी। .इससे पहले बीसीसी की मेडिकल टीम ने साफ कर दिया था कि शमी चोटिल हैं और वो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इसी के साथ बीसीसीआई ने तनुष कोटियन के टीम में शामिल करने की भी पुष्टि कर दी। अश्विन की तरह ही तनुष भी गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं। तनुष कोटियन मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंन भारतीय अंडर 19 टीम से भी खेला है। भारत-ए के हाला के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक मुकाबला भी खेला था हालांकि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था। कोटियन ने 2018-19 के रणजी सत्र के जरिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 25.70 के औसत से 101 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उन्होंने 3 मौकों पर पारी में 5 विकेट लिए. बल्लेबाजी की बात करें तो तनुष ने 41.21 के औसत से 1525 रन बनाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कोटियन ने 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 20 लिस्ट-ए और 33 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। लिस्ट-ए मैचों में कोटियन के नाम पर 43.60 की औसत से 20 विकेट दर्ज हैं. वहीं टी20 मैचों में उन्होंने 20.03 के एवरेज से 33 विकेट लिए हैं।

15 साल के ग्रांड मास्टर सव्वा बने 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज के विजेता

सिट्जस (एजेंसी)। लंबे समय तक शतरंज का सरताज रहे रूस को अगली पीढ़ी का नया सितारा मिलता नजर आ रहा है। 15 वर्षीय ग्रांड मास्टर सव्वा वेटोखिन नें 11वें सनवे सिट्जस इंटरनेशनल शतरंज का खिताब टाईब्रेक मुक़ाबले में इज़राइल के इदों गोर्शटेन को पराजित करते हुए यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया 15 वर्षीय सव्वा इस ख़िताबी जीत के साथ अब लाइव रेटिंग में 2550 के करीब पहुँच गए है। 10 राउंड के इस टूर्नामेंट में 10 क्लासिकल राउंड के बाद फीडे के झंडे तले खेल रहे सव्वा और इज़राइल के इदों के बीच 8 अंको पर पहले और दूसरे स्थान के लिए टाई था जबकि तीसरे स्थान के लिए 7.5 अंको पर 6 खिलाड़ियों के बीच जिसमें भारत के इलामपारथी भी शामिल थे के बीच टाईब्रेक मुक़ाबला खेला गया। प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार इन खिलाड़ियों के बीच टाईब्रेक को तोड़ने के लिए ब्लिट्ज़ मुक़ाबले खेले गए।

पहले स्थान के लिए हुए टाईब्रेक में सव्वा नें 1.5-0.5 के अंतर से जीत दर्ज करते हुए पहला स्थान हासिल किया, उन्होने पहला मुक़ाबला जीता जबकि दूसरा मुक़ाबला ड्रॉ खेलते हुए ख़िताबी विजय सुनिश्चित की। सव्वा के खेल जीवन का अब तक का यह सबसे बड़ा खिताब है। चेसबेस इंडिया से बातचीत करते हुए सव्वा नें कहा की आठवें राउंड में उनकी टॉप सीड आलेक्सींकों किरिल पर जीत उनके लिए बेहद खास रही और वह भविष्य में गुकेश की तरह विश्व चैम्पियन बनना चाहते है।

तीसरे स्थान के लिए टाईब्रेक के मुक़ाबले में चीन के ली डी नें सिंगापुर के टिन जिंगायों को पराजित करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया, सव्वा को 5000 यूरो, इदों को 3000 यूरो और ली डी को 1500 यूरो का पुरुष्कार मिला। साथ ही सव्वा का नाम टूर्नामेंट की प्रतिष्ठित ट्रॉफी में भी विजेता के तौर पर शामिल किया गया और यह काम खुद उनसे ही कराया गया।

शीर्ष 10 खिलाड़ियों में महदी घोलामी ईरान, जुलेस मोस्सार्ड और मार्क अंदरिया फ्रांस, भारत के इलामपारथी, जॉर्जिया के लूका किलद्ज़े और आस्ट्रिया के किरिल आलेक्सींकों शामिल रहे।

ईरान की मोबिना अलिनासेब नें सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब अपने नाम किया।

विधायक प्रदीप प्रसाद ने डीआरडीए पदाधिकारी के साथ सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को पंचशील डीआरडीए पदाधिकारी पंकज मिश्रा के साथ क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। विधायक ने स्वयं सड़क पर उतरकर निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और समयबद्धता का आकलन किया और मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सड़क निर्माण कार्य अगले एक हफ्ते के भीतर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा, इस सड़क को इस प्रकार से बनाया जाए कि पंचशील कॉलोनी होते हुए भारी वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से हो सके। यह कदम इसलिए जरूरी है ताकि बड़ी गाड़ियां शहर के भीतर प्रवेश न करें और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।शहर में बड़ी गाड़ियों की नो एंट्री के बावजूद प्रवेश और उनके मनमाने रवैये के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए

विधायक ने कहा शहर में यातायात व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। इस नई सड़क के माध्यम से भारी वाहनों को शहर के बाहर वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराया जाएगा। इससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और शहर के अंदर यातायात व्यवस्थित होगा। इसके अलावा विधायक ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर जोर देते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री उच्च स्तर की होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनमें सड़क निर्माण से हो रही असुविधा और बड़े वाहनों के कारण यातायात बाधित होने की शिकायत शामिल थीं। विधायक ने सभी समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने का भरोसा दिलाया।इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। विधायक के इस प्रयास को जनता ने खूब सराहा।

हुरहुरु पहुंचे विधायक जनता से किया मुलाकात

हजारीबाग। हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंगलवार को हुरहुरु क्षेत्र का दौरा कर आम जनता से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। स्थानीय निवासियों ने विधायक का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए अपनी समस्याओं को उनके समक्ष रखा। जनता से संवाद के दौरान विधायक ने क्षेत्र में गली, नाली, जल निकासी, सड़क मरम्मत और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया, जिससे क्षेत्रीय लोगों में राहत और विश्वास का माहौल बना। इसके अलावा, विधायक श्री प्रसाद ने विकास कार्यों पर चर्चा किया,अधिकारियों को गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का समग्र विकास उनकी प्राथमिकता है।विधायक प्रदीप प्रसाद ने स्थानीय निवासियों से कहा की मैं यहां सिर्फ आपकी समस्याओं को सुनने नहीं, बल्कि उनका समाधान सुनिश्चित करने आया हूं। आपकी हर समस्या मेरी समस्या है, और इसे हल करना मेरा कर्तव्य है। जनता ने विधायक की सक्रियता और क्षेत्रीय विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। विधायक ने आश्वासन दिया कि क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार को तेज किया जाएगा और आने वाले समय में हुरहुरु को एक आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

प्रमुख ने बच्चों के बीच पोशाक का वितरण किया

चूरचु/बिभा संवाददाता। चुरचू प्रखण्ड के प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक ने मंगलवार को जरबा पंचायत के उ. उ. विद्यालय जरबा के कक्षा एक व दो के छात्र- छात्राओं के बीच निःशुल्क पोशाक का वितरण किया. मौके पर प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक ने कहा कि पोशाक से बच्चों में एकरूपता आती है. पोशाक अमीरी गरीबी में समानता लाती है. एक तरह के पोशाक से बच्चों में एक दूसरे बच्चों के प्रति समानता की भावना जागृत होती है. राज्य सरकार का यह सराहनीय पहल है. जिसके कारण कड़ाके की ठंड में बच्चों को पोशाक के साथ स्वेटर भी दिया जा रहा है. गरीब परिवार के बच्चों को स्वेटर से ठंड से राहत मिलेगी. उन्होंने सभी बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सरजू प्रसाद चौदरी समेत कई शिक्षक -शिक्षिकाएं मौजूद थे।

हज़ारीबाग़ में कई जगहों पर क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन

हज़ारीबाग़/बिभा संवाददाता। में कई जगहों पर क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने एक दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत धर्म बहनों की ओर से सामूहिक गीत और नृत्य के साथ हुई। बिशप ने केक काटकर क्रिसमस की सबको बधाइयां दीं। इस अवसर पर बिशप आनंद ने कहा कि ईसा मसीह ने संपूर्ण विश्व को शांति का संदेश दिया था और आज उनके संदेश प्रासंगिक प्रतीत हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि ईसा मसीह ने आपसी भाईचारा और प्रेम के साथ जीने की बात कही। साथ ही कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए सभी लोगों को आगे आने की जरूरत है। वह भी प्रेम से समर्पित होकर कहा की वे हज़ारीबाग़ के सेंट्रल जेल भी जायेंगे और वहा कैदियों से मिलकर शांति का सन्देश देंगे. दौरान लोगों ने जिक्र किया कि आज रूस- यूक्रेन युद्ध, इजराइल-फिलिस्तीन विवाद के समय जब विश्व तीसरे विश्व युद्ध के खतरे को झेल रहा है, ऐसे में ईसा मसीह के विचार और भी प्रासंगिक हो रहे हैं. समारोह को सभी धर्म के प्रतिनिधियों ने संबोधित करते हुए क्रिसमस की बधाइयां प्रेषित की।

श्री श्याम समर्पण महोत्सव में भक्तों ने अनुभव किया आध्यात्मिक उल्लास

हज़ारीबाग़/बिभा संवाददाता। शहर में पहली बार श्री श्याम टाबरिया के द्वारा आयोजित श्री श्याम समर्पण महोत्सव का आयोजन बड़े ही भव्य और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह दिव्य आयोजन शहर के प्रसिद्ध मुनका बगीचा प्रांगण में संध्या 5:00 बजे प्रारंभ हुआ। इस महोत्सव में स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ देशभर से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी मधुर एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों को आध्यात्मिक रस से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ रानी सती मंदिर के प्रधान पुजारी पं. शशिकांत मिश्रा द्वारा विधिवत श्री श्याम बाबा की पूजा-अर्चना से हुआ। पूजा के उपरांत भव्य आरती और भाव जोत का आयोजन किया गया, जिससे प्रांगण का माहौल भक्तिमय हो उठा। भक्तों के ₹जय श्री श्याम₹ के गगनभेदी जयकारों ने आयोजन स्थल को अद्वितीय ऊर्जा और भक्ति से भर दिया। पूजा-अर्चना के पश्चात भजन-कीर्तन का शुभारंभ हुआ, जिसमें उपस्थित भक्तगण विभिन्न भजनों पर झूमते नजर आए। देशभर से आए सुप्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। इन भजनों ने भक्तों के मन में श्याम बाबा के प्रति अपार श्रद्धा और भक्ति का संचार किया। इस महोत्सव का उद्देश्य समाज में भक्ति, समर्पण और आध्यात्मिक चेतना का प्रचार-प्रसार करना था। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किए जाएंगे, ताकि समाज में शांति और सकारात्मकता का संदेश फैले।

निर्मल महतो पार्क के संचालक मजदूरों का ईपीएफ जमा करें : राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस

हजारीबाग/बिभा संवाददाता। नगर निगम के द्वारा संचालित निर्मल महत्व पार्क के कर्मियों ने जिला के उपायुक्त, सदर एसडीओ, नगर निगम की आयुक्त को ज्ञापन सोपा है और बताया कि की पार्क के संचालक के द्वारा पिछले 40 माह से ईपीएफ का पैसा तो वेतन से काटा जाता है लेकिन उसके बावजूद ईपीएफ जमा नहीं किया जाता है जिसकी शिकायत पर पूर्व में भी राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के बैनर तले नगर निगम आयुक्त की अध्यक्षता में चार माह पूर्व एक बैठक आयोजित की गई थी उसमें निर्मल महतो पार्क के संचालक के द्वारा यह आश्वासन दिया गया था कि जल्द ही ईपीएफ का पैसा जमा किया जाएगा, लेकिन उसके बावजूद आज 4 महीना से अधिक समय होने के बाद भी संचालक के द्वारा किसी भी तरह का ईपीएफ का पैसा नहीं जमा कराया गया और तो और निर्मल महतो पार्क के कर्मी और नगर आयुक्त की बातों को भी अवहेलना की गई। इस बाबत राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस के प्रदेश सचिव धीरज सिंह जी ने एक लिखित पत्र भी उपायुक्त को एसडीओ को और नगर निगम आयुक्त को भेजा है कि त्वरित इस मामले का समाधान किया जाए। और इस अवसर पर इंटक के प्रदेश प्रवक्ता सुरजीत नागवाला ने बताया कि ईपीएफ का पैसा काट करके और ईपीएफ जमा नहीं करना एक बहुत ही गंभीर मामला है।

हजारीबाग उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों के निर्धारण के लिये किया बैठक

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में मंगलवार को वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए परीक्षा केंद्रों चयन समिति की बैठक हुई। बैठक में डीईओ प्रवीण कुमार ने बताया कि वार्षिक माध्यमिक परीक्षा- 2025 में कुल 27339 विद्यार्थी एवं इंटरमीडिएट परीक्षा- 2025 में कुल 28978 विद्यार्थी भाग लेंगे। बैठक में माध्यमिक परीक्षा के लिए कुल 76 परीक्षा केंद्र का निर्धारण किया गया। जिसमे सदर अनुमंडल में 48 व बरही अनुमंडल में 28 परीक्षा केंद्र बनाए गए। वंही इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 53 परीक्षा केंद्र का निर्धारण किया गया। जिसमें सदर अनुमंडल में 39 एवं बरही अनुमंडल में 14 परीक्षा केंद्र बनाया गया है। उपायुक्त ने वार्षिक माध्यमिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा आयोजित होने वाले केंद्रों में स्कूल परिसर, शौचालय आदि में साफ सफाई रखने की बात कही। उपायुक्त ने कदाचार मुक्त एवं स्वच्छ माहौल में परीक्षा संपन्न करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। बैठक में उपायुक्त नैंसी सहाय के अलावे, डीईओ प्रवीण कुमार, बरही विधायक मनोज कुमार यादव सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने 27 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया

उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार समाहरणालय परिसर में कुल 27 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया। इसमें 9 छात्र एवं 18 छात्राएं शामिल रहीं। जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि पूरे जिले में 26 दिसंबर 2024 तक कुल 667 विद्यार्थियों के बीच साइकिल वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

आईसेक्ट विश्वविद्यालय में स्वयंसेवकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। आईसेक्ट विश्वविद्यालय, हजारीबाग के एनएसएस इकाई की ओर से मंगलवार को अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, डीन एडमिन डॉ एसआर रथ, डीन एकेडमिक डॉ एमके मिश्रा, विधि विभाग डीन डॉ जयदीप सन्याल सहित अन्य के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दरअसल यह कार्यक्रम नए सत्र में इकाई में पंजीकृत हुए स्वयंसेवकों के लिए आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद ने विश्वविद्यालय में एनएसएस इकाई के सफलता पूर्वक कार्यान्वयन के लिए एनएसएस समन्वयिका सहित एनएसएस इकाई को बधाई दी। साथ ही उन्होंने एनएसएस के मूल उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित कर स्वयंसेवकों से मुखातिब होते हुए कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को सामाजिक और मानवीय

कौशल विकसित करने में मददगार है। साथ ही कहा कि सामुदायिक सेवाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करना ही एनएसएस का मूल उद्देश्य है। वहीं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो पीके नायक ने एनएसएस की महत्ता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य मैं नहीं बल्कि आप है, जो निःस्वार्थ सेवा की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि एनएसएस की गतिविधियां छात्र-छात्राओं को जिम्मेदार, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनने में मदद करता है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता एनएसएस समन्वयिका डॉ रोजी कांत ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही एनएसएस की गतिविधियां पीपीटी के माध्यम से प्रदर्शित किया।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में क्रिसमस गैदरिंग

हजारीबाग। स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के निर्देशक डॉ. नजीर अंसारी ने कहा कि यीशु के संदेश पर अमल करने की जरूरत है उन्होंने लोगों में प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने की बात कही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सारिका कुमारी ने मानव जीवन को सही दिशा में आचरण करने का संदेश दिया और प्रशिक्षुओं को क्रिसमस की बधाई दी। प्रशिक्षुओं ने विभिन्न गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया सहायक प्राध्यापक डॉ. घनश्याम राम ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकगण शिक्षकेत्तर कर्मी तथा प्रशिक्षु उपस्थित थे।

अपराध गोष्ठी में अधीक्षक ने पुलिस पदाधिकारियों को दिया दिशानिर्देश

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। पिछले माह में घटित सभी महत्वपूर्ण अपराधिक कांडों की समीक्षा की गयी तथा सभी कांडों के त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिए गए. 5/10 वर्षों से अधिक पुराने लंबित कांडों के अविलंब निष्पादन हेतु निर्देशित किया. सभी पुराने लंबित कांडों की समीक्षा कर उनके अविलंब निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया !जमानती तथा गैरजमानती वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की- जब्ती के त्वरित निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया. सिविल कोर्ट के सुरक्षा की नियमित रूप समीक्षा करते हुए सुरक्षा से संबंधित सभी मानकों को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया. अवैध पोस्ता एवं अफीम की खेती करने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्घ कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया तथा उनके विरुद्घ सीसीए का प्रस्ताव समर्पित करने हेतु निर्देशित किया गया. महिला प्रताड़ना एवं हिंसा तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति से

संबंधित कांडों में अविलंब कार्रवाई करते हुए 60 दिनों के भीतर उन कांडों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया. नशाखोरी के पदार्थ खरीद-बिक्री करने वाले गिरोह के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया। विभिन्न सोशल मिडिया की मोनिटरिंग करने हेतु सभी को निर्देशित किया गया। साथ ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्घ कड़ी कानूनन कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया. नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलीयों के खिलाफ अभियान चलाने का निर्देश दिया गया.संगठित अपराध गिरोहों, अवैध खनन में संलिप्त व्यक्तियों तथा साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सीसीए एवं के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

केडी चिल्ड्रेन अकादमी उच्च विद्यालय में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन हुआ

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। केडी चिल्ड्रेन अकादमी/उच्च विद्यालय डॉ० भाभा मार्ग मुनका बगीचा में बाल व किशोर वैज्ञानिकों तथा हस्तशिल्प कलाकार भैया-बहनों द्वारा विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन रोशनी सिंह (एसडीईओ) हजारीबाग बतौर मुख्य अतिथि द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित के साथ हुआ । शिक्षक सुखदेव यादव ने दीप प्रज्वलन के समय दीप ज्योति मंत्र गाकर सबका मन मोह लिया। विद्यालय प्राचार्या मीनू गुप्ता, उप प्राचार्या हेमलता मिश्रा, विनोबा भावे विश्वविद्यालय में (यूसेट) के प्रोफेसर डॉ० खेमलाल महतो, एमवीजेसी के प्रोफेसर डॉ नवीन कुमार, एवं प्रोफेसर राजीव रंजन, के वी वोमेन्स कॉलेज के प्रोफेसर

संजय कुमार दांगी , विद्यालय संरक्षक महेंद्र प्रसाद गुप्ता (पूर्व उप निदेशक, डीबीसी) आदि गणमान्य अतिथियों द्वारा भी चित्रों पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में बाल व किशोर वैज्ञानिकों तथा हस्तकला शिल्प के नमूनों तथा आकर्षक विज्ञान के मॉडलों की प्रशंसा करते हुए इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रोशनी सिंह ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने ज्ञान-विज्ञान की अनोखी प्रतिभा को मॉडल और शिल्प कला के रूप में जमीन पर उतारने का सार्थक प्रयास किया है। वर्ग द्वितीय से वर्ग दशम तक के विद्यार्थियों द्वारा तीन दर्जन से ज्यादा विज्ञान मॉडल, कला स्टॉल एवं अन्य स्टाल लगाए गए। जिसमें जल शुद्धिकरण, महिला सशक्तिकरण, प्रदूषण, वन जीवन बचाव, जलचक्र, सड़क सुरक्षा, रोबोट, पवन ऊर्जा, प्राकृतिक खेती, पर्यावरण प्रदूषण, मोबाइल फोन के फायदे और नुकसान आदि से संबंधित कई प्रकार के मॉडल विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए। विद्यालय प्राचार्या मीनू गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों की जिज्ञासा बढ़ती है वे भौतिक, रसायन एवं अन्य विषयों के प्रति जागरूक होते हैं और विषय आसानौर रोचक बनते है। आयोजन गणित व विज्ञान शिक्षण प्रमुख जयनाथ महतो, धनंजय मिश्रा आदि के निर्देशन में हुए । विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका कमला सिंह, अमिता प्रसाद, राफिया खातून के निर्देशन में कक्षा द्वितीय से कक्षा दशम तक के छात्र-छात्राओं ने हस्तशिल्प कला की प्रदर्शनी लगाई। एनसीसी (पीआई) के जोग राज और वार्ड पार्षद सोनी क्षेत्री ने विज्ञान के मॉडलों का अवलोकन कर बच्चों का विज्ञान के प्रति रुचि देखा और शुभकामनाएं दी।

गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ राष्ट्रपति को कांग्रेसियों ने सौपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के उपर अपमानजनक टिप्पणी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विरुद्ध गलत एफ आइ आर के विरोध में कारयकारिणी के सदस्य संजय तिवारी व महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत के सयुंक्त नेतृत्व में अंबेडकर सम्मान यात्रा का अयोजन किया गया जो जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम से चलकर डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक स्थित बाबासाहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा नया समाहरणालय पहुंच कर उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौप कर गृहमंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग की गई! संजय तिवारी ने सभा को संबोधित करते

हुए कहा कि 18 वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा संविधान और संविधान निर्माता डॉ.भीमराव अंबेडकर के असमान के लिए देश के संसदीय इतिहास में दर्ज हो गया है। भाजपा हमेशा लोकतंत्र और संवैधानिक मुल्यों के प्रति तिरस्कार दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती। इस बार तो हद पार कर दी। संविधान के पचहत्तर वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन के दलों ने संसद में सरकार से संविधान पर चर्चा की मांग रखी। अडानी, मणिपुर, संभल जैसे मामलों पर सदन में बहस की मांग लगातार ठुकराए जाने के बाद प्रतिपक्ष की संविधान पर चर्चा की मांग ली गई। इस मौके पर कांग्रेस समेत सभी दलों ने सरकार को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मुल्यों की प्रतिबध्दता दिलाई। समता समानता और न्याय के डॉ.भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलने की सलाह भाजपा को कतई रास नही आई। सत्तापक्ष ने लगातार विपक्ष को बोलने से रोकने की कोशिश की। यही नही केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने डॉ.भीमराव अंबेडकर का अपमान कर संघ और भाजपा के मनुवादी मानसिकता उजागर कर दी। अमित शाह ने कहा अभी एक फैशन हो गया है अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर, अंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। आरक्षण खत्म करने की साजिश के तहत भाजपा की संविधान बदलने की कोशिश को 2024 के आम चुनाव में जनता ने नाकाम कर दिया था और बैसाखी सरकार बनाकर लोकतांत्रिक मुल्यों का पाठ पढ़ाया था। लेकिन भाजपा ये खीज अब संविधान निर्माता पर निकाल रही है और बाबासाहेब का अपमान किया गया है। लेकिन दुख की बात ये है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमित शाह को सीख देने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तेज कर दी। कांग्रेस समेत प्रतिपक्ष पीएम मोदी से अमित शाह के इस्तीफे की मांग की है। लेकिन मोदी सरकार डॉ.भीमराव के अपमान को अपराध मानने को तैयार नही है। उल्टे भाजपा ने सांसद की कारवाई ठप रखी है। यही नही अपनी मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे सांसदों के साथ धक्कामुक्की की गई। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को गिरा दिया गया। भाजपा ने षड़यंत्र के तहत नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ संगीन धराओं के तहत एफ आइ आर दर्ज करा दी गई।

मनोज नारायण भगत ने कहा कि भाजपा और उसकी मातृ संस्था हमेशा से डॉ.भीमराव अंबेडकर और संविधान विरोधी रही है। उन्होंने न सिर्फ संविधान के निर्माण के समय से ही विरोध किया बल्कि इससे पहले डॉ.भीमराव अंबेडकर को चुनाव हरवाया धा। कांग्रेस डॉ.भीमराव अंबेडकर के अपमान को लेकर अमित शाह के इस्तीफे का मांग अटल है । जब तक अमित शाह इस्तीफा नही देंगे हम विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे ।

अंबेडकर सम्मान यात्रा में प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, बिनोद सिंह, अदिब रिजवी, साजिद हुसैन उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, तारिक रजा, लखराज सिंह, गुड्डु सिंह,दिलीप कुमार रवि, लाल मोहन रविदास, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, राजू चौरसिया, कृष्णा किशोर प्रसाद, निजामुद्दीन अंसारी, विशेश्वर स्वर्णकार, अब्बास अंसारी, युवा अध्यक्ष प्रकाश यादव, जावेद इकबाल, दिलदार अंसारी, कारयकारिणी सदस्य, प्रदेश प्रतिनिधि, युवा कांग्रेस महिला कांग्रेस एनएसयुआई कांग्रेस सेवादल प्रकोष्ठ तथा मंच मोर्चा के अध्यक्ष तथा कार्यकर्तागण सैकड़ो की संख्या में उपस्थित थे ।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद-जम्मूतवी-धनबाद स्पेशल ट्रेन का परिचालन अब 29 जनवरी तक

हाजीपुर(बिभा): यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर कोडरमा-गया-डीडीयू-प्रयागराज जं.-दिल्ली के रास्ते धनबाद और जम्मूतवी के मध्य चलायी जा रही स्पेशल ट्रेन 03309/03310 धनबाद-जम्मूतवी-धनबाद स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए अब इस स्पेशल ट्रेन का परिचालन 29 जनवरी, 2025 तक किया जाएगा। गाड़ी सं. 03309 धनबाद-जम्मूतवी एक्सप्रेस स्पेशल अब 28.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को धनबाद से जम्मूतवी के लिए परिचालित की जाएगी । इसी तरह गाड़ी सं. 03310 जम्मूतवी-धनबाद एक्सप्रेस स्पेशल 29.01.2025 तक सप्ताह के प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को जम्मूतवी से धनबाद के लिए परिचालित की जाएगी ।

चक्रधरपुर मंडल में विकास कार्य के लिए विशाखापटणम-वाराणसी एक्सप्रेस 29 व 30 को रद्द रहेगी

रांची(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत विकास कार्य हेतु ब्लॉक लिया जाएगा जिसके कारण निम्नांकित ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। ट्रेन संख्या 18311 विशाखापटणम झ्र वाराणसी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 29/12/2024 को रद्द रहेगी।
ट्रेन संख्या 18312 वाराणसी -विशाखापटणम एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 30/12/2024 को रद्द रहेगी।
ट्रेनों के प्रस्थान समय में परिवर्तन : ट्रेन संख्या 07051 हैदराबाद - रक्सौल स्पेशल एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 28/12/2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 4 घंटे विलंब से हैदराबाद से प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 17007 सिकंदराबाद - दरभंगा एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 28/12/2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 1 घंटे विलंब से सिकंदराबाद से प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 18451 हटिया - पूरी तपस्विनी एक्सप्रेस यात्रा प्रारंभ दिनांक 29/12/2024 को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 30 मिनट विलंब से हटिया से प्रस्थान करेगी।

भुवनेश्वर-टूण्डला-भुवनेश्वर कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन (वाया-मूरी) का परिचालन 1 जनवरी से

रांची(बिभा) : महा कुम्भ मेला 2025 के अवसर पर ट्रेनों मे अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये, यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 08425/08426 भुवनेश्वर-टूण्डला-भुवनेश्वर कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन (वाया-मूरी) का परिचालन होगा। ट्रेन संख्या 08425 भुवनेश्वर-टूण्डला कुम्भ मेला स्पेशल (वाया-मूरी), यात्रा प्रारंभ दिनांक 01/01/2025, 08/01/2025, 22/01/2025, 05/02/2025, 19/02/2025 एवं 26/02/2025 को भुवनेश्वर से प्रस्थान करेगीं (कुल 06 ट्रिप)।
इस ट्रेन का भुवनेश्वर प्रस्थान (बुधवार) 12:30 बजे, मूरी आगमन (गुरुवार) 00:23 बजे प्रस्थान 00:25 बजे एवं टूण्डला आगमन (गुरुवार) 20:15 बजे होगा। ट्रेन संख्या 08426 टूण्डला-भुवनेश्वर कुम्भ मेला स्पेशल (वाया-मूरी), यात्रा प्रारंभ दिनांक 03/01/2025, 10/01/2025, 24/01/2025, 07/02/2025, 21/02/2025 एवं 28/02/2025 को टूण्डला से प्रस्थान करेगी। (कुल 06 ट्रिप)।
इस ट्रेन का टूण्डला प्रस्थान (शुक्रवार) 03:00 बजे, मूरी आगमन (शुक्रवार) 21:15 बजे प्रस्थान 21:20 बजे एवं भुवनेश्वर आगमन (शनिवार) 07:00 बजे होगा। इन ट्रेनों में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 04 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 09 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 04 कोच एवं वातानुकूलित 2-टियर का 01 कोच, कुल 20 कोच होंगे।

टिटिलागढ़-टूण्डला-टिटिलागढ़ कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन (वाया-रांची) का परिचालन 9 जनवरी से

रांची(बिभा) : महा कुम्भ मेला 2025 के अवसर पर ट्रेनों मे अतिरिक्त भीड़ को देखते हुये, यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 08314/08313 टिटिलागढ़-टूण्डला-टिटिलागढ़ कुम्भ मेला स्पेशल ट्रेन (वाया-रांची) का परिचालन होगा। ट्रेन संख्या 08314 टिटिलागढ़-टूण्डला कुम्भ मेला स्पेशल (वाया-रांची), यात्रा प्रारंभ दिनांक 09/01/2025, 16/01/2025, 23/01/2025, 06/02/2025, 20/02/2025 एवं 27/02/2025 को टिटिलागढ़ से प्रस्थान करेगीं (कुल 06 ट्रिप)। इस ट्रेन का टिटिलागढ़ प्रस्थान (गुरुवार) 17:00 बजे, हटिया आगमन (शुक्रवार) 02:25 बजे प्रस्थान 02:30 बजे, रांची आगमन (शुक्रवार) 02:45 बजे प्रस्थान 02:50 बजे, मूरी आगमन (शुक्रवार) 04:00 बजे प्रस्थान 04:02 बजे एवं टूण्डला आगमन (शनिवार) 02:30 बजे होगा। ट्रेन संख्या 08313 टूण्डला-टिटिलागढ़ कुम्भ मेला स्पेशल (वाया-रांची), यात्रा प्रारंभ दिनांक 11/01/2025, 18/01/2025, 25/01/2025, 08/02/2025, 22/02/2025 एवं 01/03/2025 को टूण्डला से प्रस्थान करेगीं (कुल 06 ट्रिप)। इस ट्रेन का टूण्डला प्रस्थान (शनिवार) 05:00 बजे, मूरी आगमन (रविवार) 00:10 बजे प्रस्थान 00:15 बजे, रांची आगमन (रविवार) 01:30 बजे प्रस्थान 01:40 बजे, हटिया आगमन (रविवार) 01:55 बजे प्रस्थान 02:00 बजे एवं टिटिलागढ़ आगमन (रविवार) 11:00 बजे होगा। इन ट्रेनों में एसएलआरडी का 01 कोच, जनरेटर यान का 01 कोच, सामान्य श्रेणी के 04 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 09 कोच, वातानुकूलित 3-टियर के 02 कोच, वातानुकूलित 3-टियर (ईकानमी) के 02 कोच एवं वातानुकूलित 2-टियर का 01 कोच, कुल 20 कोच होंगे।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार गुरुचरण सिंह की मौत

सरायकेला(बिभा)। जिले के कांड्रा-टाटा मार्च पर आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित उत्कल ऑटोमोबाइल के समीप मंगलवार को एक ट्रेलर ने मोटरसाइकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी । इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार गुरुचरण सिंह (36) नामक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक जमशेदपुर स्थित कदमा शास्त्री नगर का निवासी था और औद्योगिक क्षेत्र की हाइको कंपनी में कार्यरत थे। वह घटना के वक्त अपनी पल्सर बाइक से ड्यूटी जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी गई। टक्कर मारने के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों, राहगीर और मृतक के परिजनों ने शव के साथ बीच सड़क पर प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने पुलिस के देर से पहुंचने पर भी नाराजगी जताई और फरार ट्रेलर चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन के कारण सड़क जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने ट्रेलर और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के जरिये दोषी चालक की गिरफ्तारी की मांग किया। पुलिस द्वारा आश्वासन दिए जाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए।

खादी मेले में लाह-चूडी, जुट के बैग, जूती लोगों को खूब कर ही है आकर्षित

बिभा संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में खादी मेले के पांचवें दिन भी खुब भीड़ दिखी ठंड कम होन के कारण मेले में अधिक संख्या में लोग पहुचे। देश भर से हस्तशिल्प कलाकारों ने यहां पर कई स्टॉल लगाए है एक से एक बढ़कर स्टॉल लोगों को आकर्षित कर रहे है खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थानों के द्वारा लाया गया गर्म कपड़ों का कलेक्शन लोगों को बहुत भा रहा है। इसके अलावा बुलेन सलवार सूट इत्यादि भी आकर्षण का केंद्र है। फर्नीचर और कारपेट का बाजार लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। फर्नीचर और कारपेट महोत्सव के बीचों बीच लगाया गया है। बुद्ध के आधार महिला उद्योग समिति के स्टाल में एक से बढ़कर एक चीज है जो घरी को सजाने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है। महोत्सव में आकर्षक डिजाइन एवं कलर्स लकड़ी के खिलौने का स्टाल भी आकर्षण का केंद्र है। बच्चे लकड़ी के खिलौने खरीद कर बहुत प्रसन्न है। महोत्सव के प्रत्येक स्टॉल में हाथों की कारीगरी दिख रही है। हाथ से बने हुए लाह चूडी, जुट के बैग, जूती इत्यादि लोगों को बहुत ही आकर्षित कर रहे हैं। मेले में पारंपरिक मसाले, वस्त्र जूते. आभूषण हस्तशिल्प, पेंटिंग और घरेलू सजावट के सामान जैसे बहुत सारे घरेलू वस्तुओं का भी प्रदर्शन और बिक्री हो रहा है।
डॉ. वासवी किड़ों द्वारा लगाये गये स्टॉल में महुआ से बना केक बहुत ही टेस्टी है। महुआ से बना कंक लड्डू, आचार ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की समस्या का समाधान करेगा तथा रोजगार करेगा।
महोत्सव परिसर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत निःशुल्क डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश में डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा देना है। अतः आभा कार्ड बनाने हेतु अवसर का लाभ उठाया जा सकता है। गार्ड आई हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया है। महोत्सव परिसर में छोटे शिशुओं को स्तनपान कराने हेतु बेबी फीडिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है। मिडिया बंधुओं के लिए मिडिया सेंटर की भी व्यवस्था है। युवराज मिश्रा, रांची द्वारा उपशास्त्रीय संगीत (तुमरी) और गजल गायन, संजू, आनन्द एवं दल हिन्दी गायन एवं संजीव परिहस्त एवं दल, देवधर कत्थक नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया गया। दिनांक 25.12.2024 को कला एवं संस्कृति विभाग के द्वारा महोत्सव में कुरा कुमार करूआ एवं श्रीमती खुशबू कुमारी के दल, झारखंड कला मंदिर, होटवार रांची द्वारा क्रमश, बांसुरी वादन एवं भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति की जायेगी। साथ ही, श्रीमती सी. शालीना, शुभ संस्कार क्रिएटिव डांस अकादमी रांची द्वारा कथक एवं विवेक नायक, नागपुरी गायक, ओरमांझी, रांची के द्वारा नागपुरी गीत की प्रस्तुती की जायेगी। बच्चों के लिए आयोजित पौसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई। पांच से ग्यारह आयु वर्ग में प्रथम स्थान अनन्या तुलस्यान, द्वितीय स्थान वेदांत सिंह एवं तृतीय स्थान शिवांश अनुज ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सखी मंडल की महिलाओं के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

रांची: मोराबादी मैदान में चल रहे राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव 2024-25 में सखी मंडल की महिलाओं के उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। जेएसएलपीएस के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर मिल रहा है। रामगढ़ की सोनी कुमारी ने अपनी गेहूं की डंडी से बनी कलाकृतियों से सबको प्रभावित किया। स्टॉल नंबर डी -34 पर उनकी कलाकृतियों की बिक्री से 15,000 से अधिक की आय हो चुकी है। वहीं, देवघर की गुड्डी देवी के पेड़े (स्टॉल डी-12) और गढ़वा की पिंकी देवी के व्यंजन (स्टॉल एच-7) मेले में खूब पसंद किए जा रहे हैं, जिससे उनकी आय क्रमशः 30,000 और 15,000 से अधिक हो चुकी है। मेले में सखी मंडल की दीदियों ने न केवल अपने उत्पादों के जरिए अपनी मेहनत और कला को प्रदर्शित किया है, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाया है। खरछढर द्वारा दी गई सहायता और इस मंच ने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव, जो 20 दिसंबर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक चलेगा, सखी मंडल की सफलता और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुका है।

हत्याकांड में एसआईटी को मिली सफलता मुख्य आरोपित सहित दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

सरायकेला। जिले के गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत यशपुर पंचायत की मुखिया पार्वती सरदार के पति और पारा शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष सोनू सरदार की हत्या के मामले में एसपी की ओर से गठित एसआईटी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। एसआईटी टीम ने इस कांड के मुख्य आरोपित बीरबल सरदार और एक अन्य आरोपित रवि महतो उर्फ कोका को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, हत्या में प्रयुक्त पिस्टल और स्कूटी भी बरामद कर लिया है।
इस बाबत एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर बताया कि बीते 13 दिसंबर की रात सोनू सरदार को अज्ञात अपराधियों ने नव प्राथमिक विद्यालय, बड़डीह के पास गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस संबंध में गम्हरिया थाना में कांड संख्या-135/2024 के तहत मामला दर्ज किया था। इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समीर सवैया के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आठ आरोपितों में से पांच आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था।
बीते सोमवार को मुख्य आरोपी बीरबल सरदार को नीमडीह रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर रवि महतो उर्फ कोका को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। बताया कि आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त 7.62 मिमी का पिस्टल तथा ब्लू कलर की स्कूटी (जेएस 0रडीक्य 9881) भी बरामद हुई है। मुख्य आरोपित बीरबल सरदार (38) और रवि महतो उर्फ कोका (55) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।
उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी बीरबल सरदार का इससे पहले भी हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज है। वहीं एक अन्य आरोपित लक्खीचरण नायक उर्फ लक्खी ने गिरफ्तारी के डर से सरायकेला कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी समीर सवैया, नीमडीह थाना प्रभारी संतोष कुमार तिवारी, अनुसंधानकर्ता सुनील कुमार सिंह व अन्य पुलिसकर्मी और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल थे।

जंगली हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत

लातेहार। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत पिंडारकोम गांव के बगल में स्थित जंगल में जंगली हाथियों ने गुलाब यादव (60) की जान ले ली। मंगलवार को गुलाब यादव का शव जंगल से बरामद हुआ। मिली जानकारी के अनुसार पिंडारकोम गांव निवासी गुलाब यादव अपने मवेशी को चराने सोमवार को जंगल की ओर गया था। इसी दौरान जंगली हाथियों ने उसपर हमला कर दिया। हालांकि खुद को बचाने के लिए वह जंगल की ओर भाग गया था। परंतु रात में घर वापस नहीं लौटा। हाथियों के डर के कारण गांव के लोग रात में जंगल की ओर नहीं गए। मंगलवार को जब गुलाब यादव के परिजन तथा कुछ अन्य ग्रामीण जंगल में खोजबीन करने गए तो वहां गुलाब यादव का शव मिला। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस इलाके में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का आतंक जारी है। परंतु वन विभाग के द्वारा हाथियों को भगाने के लिए कोई सार्थक पहल नहीं की जा रही है। वहीं घटना की जानकारी मिलने के बाद रेंजर नंदकुमार महतो के निर्देश पर वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन की। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया गया है। रेंजर ने बताया कि मृतक के परिजनों को प्रावधान के तहत मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाथियों को भगाने के लिए विभाग के द्वारा बंगाल से टीम बुलाई जा रही है।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से विवेक भारद्वाज, सचिव, पंचायती राज, भारत सरकार ने राज भवन में भेंट की। उक्त अवसर पर श्री भारद्वाज ने झारखण्ड राज्य में पेसा नियमावली को लागू करने पर राज्यपाल का ध्यान आकृष्ट कराया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से उत्तर प्रदेश के मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्यपाल को मंत्री ने आगामी प्रयागराज महाकुंभ 2025 के लिए आमंत्रित किया।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से उत्तर प्रदेश के मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की तथा राज्यपाल को मंत्री ने आगामी प्रयागराज महाकुंभ 2025 के लिए आमंत्रित किया।

विद्यालयों में मना क्रिसमस, संता ने बांटी खुशियां

रामगढ़। रामगढ़ जिले के विद्यालयों में मंगलवार को धूमधाम से क्रिसमस मनाई गई। इस दौरान संता ने बच्चों के बीच खुशियां बांटी। क्रिसमस मेले को लेकर विद्यालयों में सजावट की गई। साथ ही क्रिसमस टेंट और आइसबर्ग बनाए गए। सेल्फी पॉइंट में बच्चे और उनके अभिभावकों ने खूब तस्वीरें खींची। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल क्रिसमस का त्योहार मनाया गया। इस दौरान बच्चों को बताया गया कि यह त्योहार ईसा मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। यह ईसाई धर्म का सबसे अहम त्योहार है। यह त्योहार हमें यीशु के संदेश को याद दिलाता है, जो प्यार, सहानुभूति, और एकता के महत्व पर जोर देता है। यह दुनिया भर में आशा, प्रेम, और एकता का प्रतीक है। कक्षा नर्सरी से यूकेजी के विद्यार्थी सांताक्रूज की वेशभूषा में आए। क्रिसमस ट्री सजाया गया। प्राचार्य ने हरजाप सिंह ने सभी के जीवन में प्रेम, सुख, शांति और समृद्धि बने रहने की कामना की। रामगढ़ शहर के हेलो किड्स रॉबिनहुड स्कूल में नन्हे संता ने धूम मचाया। बच्चों के बीच सांताक्रूज ने चॉकलेट्स बांटी और सबको क्रिसमस की बधाई दी। विद्यालय में बच्चों के लिए क्रिसमस थीम पर आकर्षक सजावट की गई थी। सेल्फी प्वाइंट, टेंट, संता हाउस लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों ने संता के वेश में खूब धूम मचाए।

राज्य में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही 108 एंबुलेंस सेवा : बाबूलाल मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य की 108 एंबुलेंस सेवा पर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि झारखंड में 108 एंबुलेंस सेवा, जो आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए जनजीवन का अहम हिस्सा है, गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है।
मरांडी ने लिखा है कि एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम में भारी देरी हो रही है। शहरों में औसतन 25 मिनट और ग्रामीण इलाकों में 40 मिनट का समय लगना तय है लेकिन वास्तविकता इससे भी ज्यादा चिंताजनक है। कई बार कॉल करने के 60 मिनट बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंचती, जिससे मरीजों की जान जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने कहा है कि जहां पांच मिनट की देरी में लोगों की जिंदगी और मौत तय हो जाती है, वहीं झारखंड में एंबुलेंस 20 से लेकर 30 मिनट तक देरी से पहुंच रही हैं। समय पर इलाज की सुविधा मिलने से जो मरीज ठीक भी हो सकते हैं वो भी एंबुलेंस और इलाज के अभाव में जान गंवाने को विवश हैं।
मरांडी ने कहा है कि राज्य में कुल 543 एंबुलेंस हैं लेकिन इनमें 77 एंबुलेंस खराब हालत में हैं और सेवा से बाहर हैं। नियमानुसार हर 21 हजार की आबादी पर एक एंबुलेंस होनी चाहिए लेकिन झारखंड में यह औसत 34 हजार से अधिक है। खराब प्रबंधन और संसाधनों की कमी से मरीजों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है, जिससे उनको जान तक गंवानी पड़ रही है।
मरांडी ने कहा है कि मुख्यमंत्री जी, लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करना बंद करें और तत्काल सार्थक कदम उठाकर इस संवेदनशील मुद्दे पर गंभीरता से विचार करें। साथ ही संसाधनों एवं इलाज की पुख्ता व्यवस्था करें ताकि इलाज के अभाव में किसी भी झारखंडी की जान न जाए।

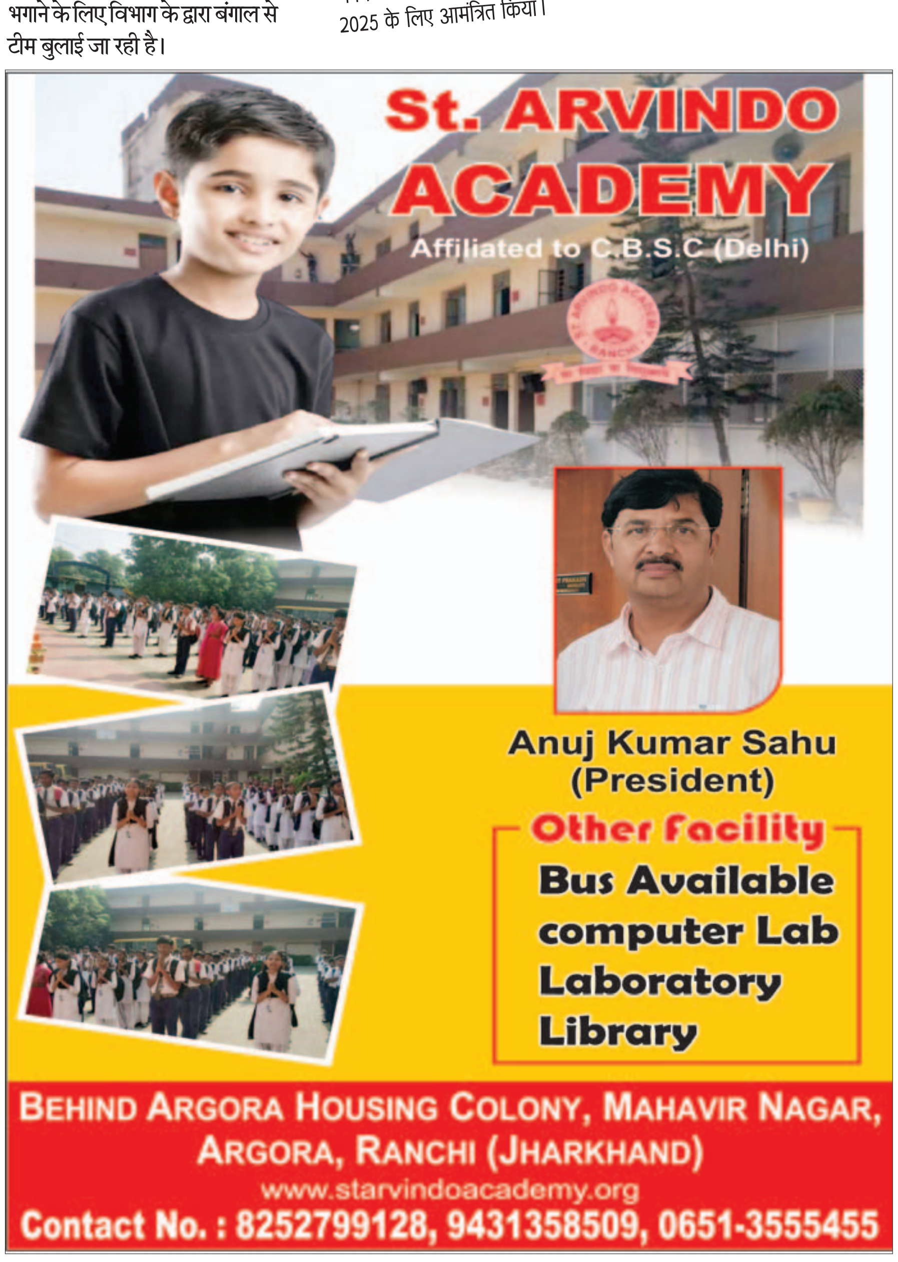

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू** *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com